प.पू.युगश्रेष्ठ, तर्क शिरोमणि, महातपोनिधि, 'तपस्वी सम्राट'
आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज

अमर भारती

AMAR BHARTI GROUP OF PUBLICATION

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

लखनऊ, वर्ष: 14, अंक: 323, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com रविवार, 23 नवम्बर 2025 शक सम्वत् 1947, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतिया, विक्रम सम्वत् 2082

-सुनहरी लाल 'तुरन्त'

फ्री का सम्मान कीजिये

मुफ्त दिये हैं राम ने, छाया धूप समीर।
मुफ्त दिये आनंद-सुख मुफ्त मेघ से नीर।
मुफ्त मेघ से नीर, मुफ्त साँसें दीं प्यारे !
मुफ्त धरा-आकाश, मुफ्त रवि शशि ग्रह तारे।
कह तुरन्त श्रीमान, आपने लुत्फ लिए हैं।
उनका हो सम्मान, ईश ने मुफ्त दिये हैं।

मोदी ने जी-20 सम्मेलन में विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का किया आह्वान

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का शनिवार को आह्वान किया और मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल तथा एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल बनाने का प्रस्ताव रखा। मोदी ने यहां जी-20 नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पर्यावरण-संतुलित, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और सामाजिक रूप से एकजुट जीवन शैली को संरक्षित करने के लिए जी-20 के तहत एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार बनाने का प्रस्ताव रखा। मोदी ने 'समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे' विषय पर आयोजित सत्र में कहा, ''अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सभ्यतागत मूल्य, विशेष रूप से 'एकात्म मानववाद' का सिद्धांत, आगे बढ़ने का मार्ग प्रदान करता है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, विशेषकर फेंटानिल जैसे अत्यंत खतरनाक पदार्थों के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए भारत ने मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा, ''आइए मिलकर इस भयावह नशा-आतंक गठजोड़ को कमजोर करें।'' मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने सर्वांगीण विकास के हमारे सपने को साकार करने के लिए कुछ कार्ययोजनाएं पेश कीं। उनमें से पहली है जी20 वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार का निर्माण। इस संबंध में भारत का इतिहास समृद्ध है। इससे हमें अपने सामूहिक ज्ञान को बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण के लिए आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि अफ्रीका की प्रगति दुनिया की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है और उन्होंने जी-20-अफ्रीका कौशल विकास पहल का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा, ''भारत हमेशा अफ्रीका के साथ एकजुटता से खड़ा रहा है। मुझे इस बात पर गर्व है कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान ही अफ्रीकी संघ जी-20 का स्थायी सदस्य बना।'' मोदी ने कहा, ''हमारा सामूहिक लक्ष्य अगले दशक के भीतर अफ्रीका में 10 लाख प्रमाणित प्रशिक्षक तैयार करना होना चाहिए।'' उन्होंने जी-20 वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल बनाने का भी प्रस्ताव रखा। प्रधानमंत्री ने कहा, ''स्वास्थ्य आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करते समय जब हम मिलकर काम करते हैं, तो हम और भी मजबूत होते हैं। हमारा प्रयास साथी जी20 देशों से प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम तैयार करना होना चाहिए, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत तैनाती के लिए तैयार रहें।

श्रम संहिता लागू होने से निर्यातकों को मिलेगा प्रोत्साहन: अधिकारी

अमर भारती संवाददाता, नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि श्रम संहिताओं के लागू होने से देश का निर्यात तंत्र मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि ये सुधार अस्थिर वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय अनुपालन मानकों को पूरा करने के लिए बहुत जरूरी थे। अधिकारी ने कहा कि श्रमिकों के लिए ये प्रावधान निष्पक्ष मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, समानता, कौशल उन्नयन के अवसर और श्रम की गरिमा सुनिश्चित करते हैं। एक ऐतिहासिक कदम में सरकार ने शुक्रवार को 2020 से लंबित चारों श्रम संहिताओं को लागू कर दिया। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि संहिताओं के हर प्रावधान अलग-अलग तरीके से भारत के निर्यात तंत्र को मजबूत करते हैं।उन्होंने कहा, ''निर्यात करने वाले उद्योगों के लिए ये संहिताएं लचीलापन, सरलीकरण और पूर्वानुमान उपलब्ध कराती हैं, जो वैश्विक बाजारों की अस्थिरता में प्रतिस्पर्धा करने और विदेशी अनुपालन मानकों को पूरा करने के लिए जरूरी है।'' अधिकारी ने कहा, ''नियुक्ति और मजदूरी में लिंग के आधार पर भेदभाव पर रोक से समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित होगा।

न्यायमूर्ति गवई के कार्यकाल में 11 ओबीसी, 10 एससी न्यायाधीशों की हुई नियुक्ति

अमर भारती संवाददाता, नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति बीआर गवई के लगभग छह महीने के कार्यकाल के दौरान देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के 10 न्यायाधीशों, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और पिछड़ा वर्ग (बीसी) के 11 न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई। न्यायमूर्ति गवई देश के पहले बौद्ध और दूसरे दलित प्रधान न्यायाधीश हैं। उन्होंने उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम का नेतृत्व किया, जिसने विभिन्न उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए सरकार को 129 नामों की सिफारिश की, जिनमें से 93 नामों को मंजूरी दी गई। न्यायमूर्ति गवई के कार्यकाल के दौरान पांच न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली की भी शीर्ष अदालत में नियुक्ति हुई।

उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर 14 मई से लेकर अब तक अपलोड किए गए न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधी विवरण के मुताबिक, जब न्यायमूर्ति गवई भारत के प्रधान न्यायाधीश बने, उसके बाद सरकार की ओर से उच्च न्यायालयों में नियुक्ति के लिए मंजूर किए गए 93 नामों में अल्पसंख्यक समुदायों के 13 न्यायाधीशों और 15 महिला न्यायाधीशों के नाम शामिल थे। विवरण के अनुसार, न्यायमूर्ति गवई के कार्यकाल में जिन न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई, उनमें से पांच पूर्व या सेवारत न्यायाधीशों से संबंधित हैं, जबकि 49 न्यायाधीश बार से नियुक्त किए गए और बाकी सेवा संवर्ग से हैं। न्यायमूर्ति गवई रविवार (23 नवंबर) को पदमुक्त हो जाएंगे। उनके उत्तराधिकारी न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के अगले प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश गवई ने अपने छह महीने के कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले दिए हैं, जिनमें वक्फ कानून के प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगाना, न्यायाधिकरण सुधार कानून को रद्द करना और केंद्र को परियोजनाओं को बाद में हरित मंजूरी देने की अनुमति देना शामिल है। शुक्रवार का दिन प्रधान न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति गवई का अंतिम कार्य दिवस था। वह न्यायमूर्ति केजी बालाकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित न्यायाधीश थे।

अपने अंतिम कार्य दिवस पर मिले सम्मान से अभिभूत न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि वह एक वकील और न्यायाधीश के रूप में चार दशकों की यात्रा पूरी करने के बाद 'पूर्ण संतुष्टि की भावना के साथ' तथा 'न्याय के छात्र' के रूप में संस्थान छोड़ रहे हैं।

घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निरुद्ध केन्द्र में रखेंगे: योगी

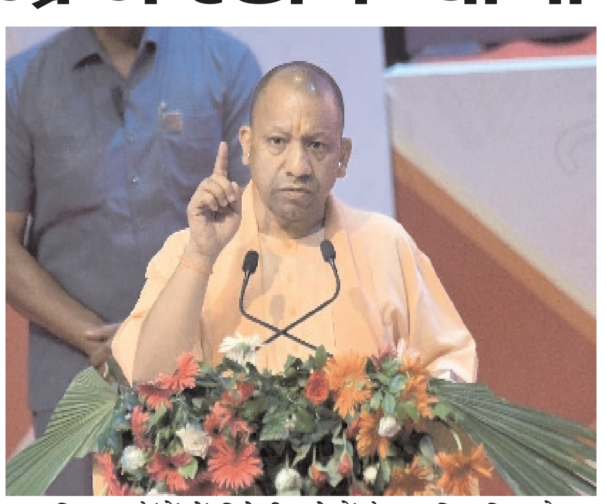

अमर भारती संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को घुसपैठियों की पहचान कर उन पर त्वरित और सख्त कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश शनिवार को जारी किए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में मौजूद घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करें और नियमानुसार कार्रवाई शुरू करें।''

इसमें कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिलों में अवैध घुसपैठियों के लिए अस्थायी निरुद्ध केंद्र बनाने के निर्देश भी दिए हैं।'' बयान में कहा गया कि इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता वाले अवैध प्रवासियों को रखा जाएगा और आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'डिटेंशन सेंटर' में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा।

उत्तर प्रदेश, नेपाल से खुली सीमा साझा करता हैं जहां दोनों देशों के नागरिक बिना रोक-टोक आ-जा सकते हैं, लेकिन अन्य देशों के लोगों पर जांच लागू होती है।

योगी आदित्यनाथ ने तीन नवंबर को बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि यदि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में लौटता है, तो घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकाला जाएगा और उनकी संपत्ति गरीबों में बांटी जाएगी।

मिजोरम में 4.79 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

अमर भारती संवाददाता, आइजोल। आइजोल में मादक पदार्थों की खेप मिलने वाली थी। बयान के मुताबिक, दोनों से मिली जानकारी के आधार पर टीम ने शनिवार सुबह चांदमारी वेस्ट इलाके में एक घर पर छापा मारा, जहां और दो लोगों को पकड़ा गया। 6 दिनों में ही रक्तवाहिकाएँ 18 साल की उम्र जैसी हो जाएँगी! बस रोज सुबह खाली पेट यह करना है। यदि आप सोने से पहले इसका एक चम्मच

शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध

अमर भारती संवाददाता, नई दिल्ली। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश करने के लिए कुल 10 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल है। 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025' भारत में परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है। इस सत्र के लिए उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी सरकार के एजेंडे में है। लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, प्रस्तावित कानून विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र और स्वशासी संस्थान बनने और मान्यता और स्वायत्तता की एक मजबूत और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए भारत के एक उच्च शिक्षा आयोग की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक भी परिचय के लिए सूचीबद्ध है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए तेज़ और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण सुनिश्चित करना है। कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 भी एजेंडे में शामिल है, जिसका उद्देश्य व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और एलएलपी (सीमित देयता भागीदारी) अधिनियम, 2008 में संशोधन करना है। इसके अलावा सरकार के एजेंडे में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक (एसएमसी), 2025 है, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992, डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को एक तर्कसंगत एकल प्रतिभूति बाजार संहिता में समेकित करने का प्रस्ताव करता है।

महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध हिंसा का गहरा संबंध

एजेंसी, केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका में अंतरंग साथी की ओर से की गई हिंसा महिलाओं के खिलाफ हिंसा का सबसे आम रूप है और यह व्यापक रूप से व्याप्त है। 'नेशनल जेंडर-बेस्ड वायलेंस प्रीवलेंस स्टडी' के अनुसार 18 वर्ष और इससे अधिक उम्र की 24 प्रतिशत महिलाओं ने अपने साथी या पति द्वारा शारीरिक या यौन हिंसा का सामना किया है। गर्भावस्था के कारण रिश्तों में हिंसा भड़क सकती है या बढ़ सकती है, जो अक्सर शक्ति संतुलन में बदलाव, आर्थिक तनाव या साथी द्वारा नियंत्रण खोने की भावना के कारण होती है। दक्षिण अफ्रीका के तटीय शहर डरबन में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 20 प्रतिशत महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कम से कम एक प्रकार की शारीरिक, यौन या मनोवैज्ञानिक अंतरंग साथी हिंसा का सामना करना पड़ा था। दक्षिण अफ्रीका की आर्थिक राजधानी जोहानिसबर्ग में किए गए एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि 36.6 प्रतिशत युवतियों ने अपने साथी या जीवनसाथी द्वारा हिंसा की शिकायत की और गर्भावस्था को हिंसा के लिए एक प्रमुख जोखिम अवधि बताया गया।

श्रम संबंधी 29 मौजूदा कानून सिर्फ चार संहिताओं के रूप में पेश किए गए: कांग्रेस

अमर भारती संवाददाता, नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि श्रम संबंधी 29 मौजूदा कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करके नए रूप में पेश कर दिया गया और इसे एक क्रांतिकारी सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार और राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार से सामाजिक सुरक्षा उपायों के संबंध में सीख लेनी चाहिए। सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है। ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '29 मौजूदा श्रम संबंधी कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करके नए रूप में पेश कर दिया गया है। इसे क्रांतिकारी सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है जबकि नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है।' उन्होंने सवाल किया कि क्या ये संहिताएं श्रमिक न्याय के लिए भारत के श्रमिकों की पांच आवश्यक मांगों को वास्तविकता बना देंगे?

'नए भारत' की कार्यसंस्कृति में उदासीनता की कोई जगह नहीं : धामी

अमर भारती संवाददाता, देहरादून। 'नए भारत' की कार्यसंस्कृति में उदासीनता की कोई जगह नहीं है। हर कार्य को शीघ्रता, सजगता और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए। मासिक समीक्षा, निरंतर मॉनिटरिंग और फील्ड निरीक्षण को प्राथमिकता में शामिल किया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ पात्रों तक समयबद्ध रूप से पहुँच सके। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य सेवक सदन में उत्तराखंड कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन सहित राज्य के आइएएस अधिकारी उपस्थित रहे।

यह संवाद वर्तमान में जारी प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन से जुड़े मुद्दों और भावी दिशाओं पर केंद्रित रहा। बैठक की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह औपचारिक भाषण का नहीं, बल्कि उत्तराखंड प्रशासन के प्रति उनके व्यक्तिगत अनुभवों और संवेदनशील भावनाओं को साझा करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों की यात्रा में उत्तराखंड ने अनेक बाधाओं को पार किया है और इन उपलब्धियों के मूल में प्रशासनिक तंत्र की निष्ठा, कौशल और निरंतर प्रयास निहित हैं। मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी आपने उत्कृष्ट नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासन का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ये दशक उत्तराखंड का दशक' संकल्प को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी प्रशासन के कंधों पर है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आने वाले पाँच वर्ष उत्तराखंड के विकास पथ के लिए निर्णायक साबित होंगे। प्रशासन को तेज गति, पारदर्शिता और लक्ष्य आधारित प्रणाली के साथ काम करना होगा, ताकि जनसामान्य तुरंत प्रभाव महसूस कर सके। उन्होंने निर्देश दिए कि फाइलों का निस्तारण समयबद्ध हो, प्रत्येक योजना का परिणाम जमीनी स्तर पर दिखाई दे और हर प्रक्रिया में जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारियों को उनकी मूल भावना का स्मरण कराते हुए कहा कि इस सेवा को धन, पद या प्रतिष्ठा के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज की सेवा की भावना से चुना गया है। उन्होंने कहा कि आपके निर्णय लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं, ऐसे में संवेदनशीलता, दूरदृष्टि और तथ्यों पर आधारित सोच अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी-कभी जनता की शिकायतें प्रशासन की छवि पर प्रतिकूल असर डालती हैं,लालफीताशाही, शिकायतों की अनसुनी और अनावश्यक देरी जैसी कमियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास सर्वोच्च है और उसे बनाए रखना प्रशासनिक तंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री धामी ने प्रशासनिक इतिहास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले टी. एन. शेषन, सूर्यप्रताप सिंह, नृपेंद्र मिश्र जैसे अधिकारियों का उदाहरण देते हुए कहा कि पद की प्रतिष्ठा सीमित समय के लिए होती है, लेकिन कार्यों की छाप स्थायी होती है। इसलिए प्रशासनिक पद को केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाजसेवा का पवित्र अवसर समझा जाना चाहिए। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और प्रशासनिक कार्यपद्धति में नवाचार तथा सुधारों पर चर्चा की।

रविवारीय

असहज तो नहीं लगते ट्रंप

दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगर सशक्त, गंभीर और दूरगामी निर्णय नहीं ले पा रहे तो यह देश और पद की गरिमा पर सवाल खड़ा करता है। अमेरिका के इतिहास में डोनाल्ड ट्रंप पहले राष्ट्रपति हैं, जो गंभीर मुद्दों पर भी बेहिचक निराधार दावे कर रहे हैं। अमेरिका में ही ट्रंप की कार्यशैली हल्की साबित हो रही है। तो दुनिया में अमेरिका जैसे राष्ट्र की छवि कैसे बरकरार रह सकती है? ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है। लेकिन इसकी क्या वजह है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जब पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर हमले किए, तो उस संघर्ष को रोकने को लेकर हाल ही में ट्रंप ने जिस तरह के दावे किए और भारत ने उसे निराधार बताया, उससे उनकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर कुछ दिन बाद ऐसे दावे करते दिखते हैं, जो पहली नजर में बड़े महत्वपूर्ण लगते हैं। मगर थोड़ा समय गुजरते ही उनके दावों को लेकर जिस तरह के तथ्य सामने आते हैं, उससे उनकी बातों की विश्वसनीयता पर संदेह होने लगता है। इस बीच शुल्क लगाने की नीति के जरिए व्यापार युद्ध की स्थिति खड़ी करने के क्रम में अमेरिका ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा कर भारत पर दबाव बनाने की विचित्र कोशिश की। जब भारत ने इस संबंध में नीतिगत फैसला लेने के अपने अधिकार के तहत रूस से तेल आयात करना जारी रखा, तो अब ट्रंप ने अलग स्तर का दावा करके भारत को असहज करने का प्रयास किया है।दरअसल, अमेरिका की ओर से जुर्माना लगाने की घोषणा के बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल के आयात के संबंध में अपने हितों के अनुकूल फैसले पर अमल जारी रखा है। इसी के मद्देनजर अब ट्रंप ने एक नया राग छेड़ा है, जिसके जरिए शायद वे भारत को कमजोर साबित करने की इच्छा रखते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा।हालांकि ट्रंप के इस दावे के बाद भारत की ओर से स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। सवाल है कि इतने गंभीर मसले पर अगर ट्रंप बेहिचक एक निराधार दावा कर रहे हैं, तो इसकी क्या वजह है। जबकि भारत ट्रंप की बातों को सिरे से खारिज कर रहा है। ऐसा लगता है कि रूस से तेल खरीद को लेकर भारत के बारे में ट्रंप ने जो कहा है, उसका मकसद भी सिर्फ भारत पर दबाव बनाना और रूस को उकसाना भर है। मगर इस तरह की खोखले बातों के जरिए ट्रंप क्या हासिल कर लेंगे?ट्रंप के दावों की हकीकत का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अक्सर वे अलग-अलग देशों के बीच युद्ध रुकवा देने का श्रेय लेते हैं और इस नाते उन्होंने नोबेल शांति सम्मान पाने की भी इच्छा जताई। जबकि पाकिस्तान के साथ हुए टकराव में भारत यह साफ कर चुका है कि संघर्ष-विराम में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। विडंबना यह है कि ट्रंप दुनिया भर में एक महाशक्ति माने जाने वाले देश के राष्ट्रपति हैं, लेकिन अक्सर किए जाने वाले उनके दावों और उसके बरक्स हकीकत की वजह से उनके व्यक्तित्व की गंभीरता सवालों के घेरे में आ रही है। अमेरिका का आर्थिक हित सुनिश्चित करना उनका दायित्व है, लेकिन इस क्रम में अन्य देशों की नीतियों को वे जिस तरह प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, उसे उचित नहीं कहा जा सकता। भारत के साथ व्यापार वार्ता के किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले ही उन्होंने जिस तरह भारी आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी और उसका दायरा और विस्तृत किया, वह एक तरह से अन्य देशों और खासतौर पर भारत के नीतिगत फैसलों को प्रभावित करने की ही कोशिश थी। मगर रूस से कच्चे तेल के आयात को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा से यह साबित हुआ कि अमेरिका की नजर में भारत या अन्य देशों के नीतिगत फैसले लेने के अधिकार और संप्रभुता की कितनी कद्र है।

जब दिखावा धर्म को ढकने लगे

नितिन जैन
प्रस्तुति-अमर भारती

जब भगवान किसी इंसान को शक्ति, सामर्थ्य और पैसा देते हैं, तो उसका असली उद्देश्य समाज में बदलाव लाना होता है—भटके हुए लोगों को रास्ता दिखाना, जरूरतमंदों का हाथ थामना और धर्म को मजबूत बनाना। पर दुख की बात है कि आज जैन समाज में एक नई प्रवृत्ति गहरी जड़ें जमा चुकी है—दिखावे, आडंबर और पैसों का शोर। जैसे-जैसे साधन बढ़े हैं, वैसे-वैसे सादगी कम होती जा रही है। धर्म के नाम पर आयोजनों में लाखों-करोड़ों खर्च किए जाते हैं, पर संतों की वाणी और आगम की सरलता कहीं पीछे छूटती जा रही है। मंदिरों में भक्ति से ज्यादा फोटो, वीडियो और भीड़ का आकर्षण बढ़ गया है। दान भी कम नहीं हुआ, लेकिन उसका स्वरूप बदल गया—अब दान का मूल्य उसके उपयोग से नहीं, बल्कि उसके मंच से घोषित होने वाली 'राशि' से तय होने लगा है। मानो धर्म की ताकत उनकी राशि में हो, न कि मन की भावनाओं में। और सबसे बड़ा दुख तब होता है जब समाज का एक वर्ग, जिसे भगवान ने भरपूर साधन दिए हैं, वह इन साधनों का उपयोग समाज की बुराइयों को मिटाने में नहीं, बल्कि अपने प्रभाव, प्रतिष्ठा और सामाजिक प्रदर्शन में करने लगता है। यदि उन्हीं पैसों का उपयोग गरीब बच्चों की पढ़ाई में, साधना कर रहे मुनिराजों के वास्तविक सहयोग में, अस्पतालों, गौशालाओं, पर्यावरण और तीर्थ-संरक्षण में लगे, तो जैन समाज की स्थिति कितनी बदल सकती है—शायद हम खुद इसका अंदाज़ा भी नहीं लगा सकते। पर समस्या यह है कि दिखावा आसान है और काम कठिन। आडंबर से तालियाँ जल्दी मिल जाती हैं, पर वास्तविक सेवा में धैर्य चाहिए, त्याग चाहिए, और सबसे ज़्यादा—सच्चाई चाहिए। समाज को भी समझना होगा कि जिन आयोजनों में केवल चमक-दमक हो, जहाँ धर्म की जगह प्रदर्शन हो, जहाँ भावनाओं की जगह भीड़ का शोर हो—वहाँ आत्मा की शांति नहीं मिल सकती। धर्म सरल होता है। धर्म शोर नहीं करता, धर्म दिखावा नहीं मांगता। धर्म तो तब जीवित होता है जब एक मनुष्य अपने सामर्थ्य को समाज के उत्थान में लगाता है, बिना किसी घोषणा, बिना किसी पट्टिका, बिना किसी फोटो या वीडियो की चिंता के। आज सबसे अधिक ज़रूरत इस विचार की है कि शक्ति, सामर्थ्य और पैसा—ये तीनों भगवान की देन हैं। और इनका सही उपयोग तभी माना जाएगा जब हम इन्हें समाज से बुराइयाँ मिटाने, युवाओं को प्रेरित करने और अपने धर्म के सच्चे स्वरूप को बचाने में लगाएँ। क्योंकि दिखावा तो एक दिन मिट जाता है, पर सच्ची सेवा—वही समाज को आगे बढ़ाती है और वही मनुष्य को वास्तविक सम्मान दिलाती है।

।।श्रेष्ठ चातुर्मास चयनःपारदर्शी मापदंडों की दिशा में एक आवश्यक पहल ।।

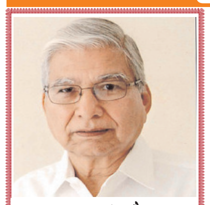

सुगालचंद जैन
प्रस्तुति-अमर भारती

देशभर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले हजारों चातुर्मास केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को शिक्षित, संयमशील और जागरूक बनाने के सशक्त माध्यम भी हैं। ऐसे में 'श्रेष्ठ चातुर्मास' का चयन केवल औपचारिकता न होकर सार्थक मापदंडों पर आधारित होना चाहिए, ताकि यह प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, प्रभावी और प्रेरणादायी बन सके।

इसी उद्देश्य से निम्न मापदंड सुझाए जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर चातुर्मास का सार्थक मूल्यांकन किया जा सकता है-

1. पंडाल एवं बैठक व्यवस्था - श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित, स्वच्छ और सभी वर्गों के लिए समान रूप से सहज बैठक व्यवस्था।

2. तपस्या उपरांत पारणा व्यवस्था- तपस्वियों के सम्मान, शुचिता और अनुशासन के अनुरूप पारणे की व्यवस्था।

3. नाश्ता-भोजन एवं आवास व्यवस्था - धर्मानुकूल, सरल, सुपाच्य भोजन तथा बाहरी श्रद्धालुओं एवं स्वयंसेवकों के लिए उचित आवास।

4. पिक-अप एवं ड्रॉप सुविधा - बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को सहूलियत देने हेतु परिवहन व्यवस्था।

5. बच्चों एवं बड़ों के धार्मिक शिक्षण शिविर - नैतिकता, जैन दर्शन और जीवन मूल्यों पर आधारित शिविर तथा उनके आवास की सुविधा।

6. व्याख्यान एवं प्रतिक्रमण स्थल की साज-सज्जा - गरिमापूर्ण, शांतिपूर्ण एवं अनुशासनीय वातावरण, जिसमें आध्यात्मिकता का स्पंदन हो।

7. स्थानीय दर्शनीय/धार्मिक स्थलों की जानकारी - आगंतुकों को क्षेत्र की धार्मिक विरासत से परिचित कराने हेतु मार्गदर्शन व्यवस्था।

8. जैन दर्शन को जन-जन दर्शन बनाने के प्रयास - आकर्षक माध्यमों, पुस्तिकाओं, प्रवचनों, सोशल मीडिया आदि के द्वारा व्यापक जन जागरण।

9. महावीर वाणी का प्रसार - अहिंसा, संयम, सत्य और करुणा के सिद्धांतों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास ।

10. समाजोपयोगी कार्य - स्वधर्मी बंधु सेवा, शिक्षा सहायता, स्वास्थ्य शिविर एवं समाजकल्याणकारी प्रकल्प।

11. वैराग्य भावना एवं मुमुक्षु निर्माण - युवाओं को संयम, सदाचार और आत्मजागरण की ओर प्रेरित करने वाले कार्यक्रम।

12. दीक्षा प्रेरणा से संबंधित प्रसंग - साधना, त्याग और मोक्षमार्ग के प्रति जागृति उत्पन्न करने वाले आयोजन।

13. सम्यक्त्व रूपी अमृत का प्रसारण - सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चरित्र की भावना को सरल भाषा में आमजन तक पहुंचाने के कार्यक्रम।

14.नित्य निर्धारित समय पर ध्यान का सर्व समाज को परीक्षण ।

15.. जैनत्व संबंधित साहित्य का प्रकाशन एवं वितरण - पुस्तकों का विमोचन, वितरण और अध्ययन को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियाँ।

16.चातुर्मास में कुल खर्च का ब्योरा ।

इन सभी बिंदुओं के लिए प्रत्येक चातुर्मास स्थल से साक्ष्यों सहित प्रश्नावली मंगाई जानी चाहिए। प्रत्येक उत्तर के लिए अंक निर्धारित किए जाएँ ताकि मूल्यांकन स्पष्ट, निष्पक्ष और सबके लिए समान रहे। इससे न केवल चातुर्मास आयोजनों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि जैन बंधुओं में आपसी प्रेम, सहयोग और सद्भाव भी मजबूत होगा। यदि इन मापदंडों को अपनाया जाए, तो 'श्रेष्ठ चातुर्मास चयन' केवल सम्मान भर नहीं रहेगा- यह जन-जन में जैनत्व की सुगंध फैलाने वाला एक सशक्त आंदोलन बन जाएगा।

जैन धर्म की प्राचीन अनमोल धरोहर ?

सुलभ जैन
प्रस्तुति-अमर भारती

चीन बॉर्डर के निकट नेपाल की बर्फीली चोटियों से एक चमत्कारिक खोज !

जब सूर्य की पहली किरण इस प्राचीन प्रतिमा पर पड़ती है, तो लगता है मानो तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा के दिव्यदर्शन हो रहे हों। यह केवल एक पत्थर की मूर्ति नहीं, बल्कि हजारों वर्षों के आध्यात्मिक इतिहास का साक्षी है।

इस प्रतिमा को देखकर हृदय में श्रद्धा की लहर दौड़ जाती है। सप्तफणी नाग के फन का छत्र, कायोत्सर्ग मुद्रा में स्थित दिव्य आकृति, और शांत मुखमंडल - ये सभी तीर्थंकर पार्श्वनाथ की अचूक पहचान हैं।

अब यह प्रतिमा अन्य रूप से पूजी जा रही है। स्थानीय लोग इसे अलग-अलग नामों से जानते हैं ।

भील समुदाय :

यहाँ एक अद्भुत सत्य का खुलासा होता है। नेपाल के इस क्षेत्र में भील जाति को 'श्रमण जाति' कहा जाता है। क्या आप जानते हैं कि श्रमण का अर्थ ही जैन धर्म के अनुयायी से है। ये भील समुदाय के लोग आज भीः

प्रकृति के प्रत्येक जीव को सम्मान देते हैं

वृक्षों और पौधों को काटने से बचते हैं

छोटे से छोटे कीट-पतंग को भी नुकसान नहीं पहुंचाते

पूर्णिमा और अष्टमी के दिन व्रत रखते हैं

यह सब कुछ जैन धर्म के सिद्धांतों का ही तो पालन है !

??? हिमालय में जैन धर्म का प्रसारः

यह खोज बताती है कि जैन धर्म का प्रसार केवल मैदानी क्षेत्रों तक सीमित नहीं था। व्यापारिक मार्गों के साथ-साथ जैन श्रावकों ने हिमालय की ऊंची चोटियों तक अहिंसा का संदेश पहुंचाया। सिल्क रूट पर जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं मिलना इस बात का प्रमाण है कि जैन धर्म का प्रभाव तिब्बत और मध्य एशिया तक फैला था।

कलात्मक सौंदर्यः

इस प्रतिमा की शिल्पकला देखकर मन प्रसन्न हो जाता हैः

बारीक नक्काशी में छुपा आध्यात्मिक भाव

तीर्थंकर के दिव्य लक्षणों का सुंदर प्रदर्शन

स्थानीय और जैन कला का अद्भुत मिश्रण

संरक्षण की जिम्मेदारीः

यह अनमोल विरासत हमारी है और इसे संभालना हमारा कर्तव्य है। कठोर हिमालयी जलवायु से इसकी सुरक्षा, स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर संरक्षण, और भावी पीढ़ियों के लिए इसे संजोना - यह सब हमारी जिम्मेदारी है।

एक विनम्र निवेदनः

इस पोस्ट को शेयर करके जैन धर्म की इस अनमोल विरासत को और लोगों तक पहुंचाएं। हर शेयर जैन धर्म के गौरवशाली इतिहास को उजागर करता है।

अंतिम विचारः

जब मैं इस तस्वीर को देखता हूं, तो मन में एक ही भावना आती है - गर्व। गर्व अपने जैन धर्म पर, गर्व अपने तीर्थंकरों पर, गर्व अपनी समृद्ध विरासत पर। यह प्रतिमा सिर्फ एक पुरातात्विक खोज नहीं है। यह हमारी आस्था का प्रमाण है, हमारे पूर्वजों की श्रद्धा का साक्षी है, और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जनता जनार्दन की सोच का सम्मान कीजिए

निशिकांत ठाकुर
प्रस्तुति-अमर भारती

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर देश में जो माहौल बनाया गया था, वह आखिरकार धरातल पर उतरने के बाद साफ हो गया। एनडीए भारी बहुमत से जीतकर सरकार बनाने जा रही है। अपने अब तक के पत्रकारीय जीवन में मेरा यही अनुभव रहा है कि जब तक परिणाम न आ जाए, आप अंतिम नतीजों के प्रति पूर्ण आशावान नहीं हो सकते। समाज और विशेष रूप से मतदाताओं ने अपना क्या मन बना लिया है, इसे कोई नहीं जान सकता। दूसरी बात जब आंधी आती है, तो कच्चे पके फल ही टूटकर नहीं गिरते, बड़े-बड़े पेड़ भी धराशायी हो जाते हैं। बड़े बड़े विश्लेषकों के विश्लेषण धुएं से उत्पन्न प्रदूषण की तरह विलीन हो जाते हैं। दूसरी बात बिहार जातिवादी व्यवस्था में आकंठ डूबा हुआ है। उसे भी एक सबक मिला होगा कि आज जातिवादी होने के ढोंग रचने से कोई लाभ नहीं है। उसे अब समाज को जातिविहीन करने वाला प्रतिनिधि ही खोजना होगा। निर्णय तो जनता को ही करना है, तो उसके अनुरूप योग्य और जमीनी स्तर पर समाज लिए काम करने वाले उसके विकास के लिए जीने वाला ही उम्मीदवार दीजिए, पर ऐसा नहीं होता, बस जाति के आधार पर उम्मीदवार को खड़ा करके समाज को उसके घोर अंधकार में डुबो देने की साजिश रचकर चुनाव में अवसर देकर कटुता उत्पन्न कर दी जाती है। बिहार चुनाव परिणाम के बारे में अब तक सब जान ही चुके हैं कि वहां क्या अच्छा और क्या बुरा रहा। बस इसकी समीक्षा नहीं की गई होगी कि बिहार की जनता ने विपक्ष को इतना शून्य क्यों कर दिया? उभरे तो बड़े बड़े नेता थे, लेकिन ऐसा लगता है कि वे जनता की मंशा को समझ नहीं सके। अब आप सरकार पर या चुनाव आयोग पर लाख आरोप मढ़ दें, लेकिन जनता ने जो निर्णय कर दिया, उसे शायद ही बदला जा सकेगा। कहा तो यही गया है कि जो हारता है, वही चिल्लाता है। वह अपनी ओर से कई कारण गिना देंगे, लेकिन प्रतिनिधियों का चुनाव तो जनता ने ही किया। आपकी यह बात भी ठीक है कि जीतने वाला ही राज करता है। उसके गुण अवगुणों की चर्चा तो इतिहास में होता रहता है। जब आप जनता के बीच जाते हैं, उन्हें समझा नहीं पाते, उन्हें अपनी तरफ मोड़ नहीं सकते, फिर अपनी हार पर क्यों चीखते हैं! आपका यह आरोप भी सही है कि जो सत्ता में होता है, वह मजबूत होता है। उनकी यह बात बिल्कुल सही है कि वे सत्ता में हैं , इसलिए मजबूत भी हैं; क्योंकि प्रशासन आपके साथ हो नहीं सकता, क्योंकि उसकी प्रतिबद्धता सरकार के प्रति है, जनता के प्रति नहीं। वे बहुत ही दूरदर्शी होते हैं और मौसम वैज्ञानिक की तरह माहौल को जानते हैं, इसलिए वे आपके साथ नहीं हो सकते। भले ही आप संविधान की बात करें या नैतिकता की दुहाई दें, वे मौसम के हिसाब से आपके साथ होते हैं, हमेशा के लिए नहीं होते हैं। मन से या बेमन से वे सत्तारूढ़ के साथ अपने को ढाल लेते हैं। यह कहना सही नहीं होगा कि बिहार का विकास नहीं हुआ है, विकास हुआ है। आज आप किसी भी गांव में जाएंगे, आपको सड़क की सुविधा मिलेगी, बिजली की निरंतरता मिलती रहेगी, लेकिन रोजगार का कोई साधन नहीं है। बिहार के युवाओं को दूसरे राज्यों में जीविकोपार्जन के लिए जाना ही होता है, अपमानित होना ही पड़ता है। हां, अपराध में कोई कमी हुई हो, ऐसा आप नहीं देखेंगे। क्योंकि इसी बिहार में हम विकास की बयार बहने की बात करेंगे, तो यह भी देखना होगा किस प्रकार बड़े उद्योगपतियों को मार दिया जाता है, किस प्रकार अस्पताल में घुसकर सरेआम विरोधियों को गोलियों से छलनी कर दिया जाता है। फिर किस आधार पर यह कहेंगे कि बिहार का विकास हुआ। दूसरी तरफ हम यह नारा देकर पूरे देश को आगाह करते हैं कि क्या आप जंगल राज की वापसी चाहते हैं। फिर उस जंगल राज्य में कोई अपनी पूंजी लगाने क्यों और कैसे आएगा? यदि रोजगार वहां की समस्या नहीं है, तो फिर देश

के कहीं भी आप जाएंगे, मजदूर उसी राज्य के मिलेंगे। हां, यह भी ठीक है विश्व में कहीं अपनी योग्यतानुसार रोजगार पाने के हकदार हैं, अपनी जीविकोपार्जन के लिए अधिकार रखते है। ऐसा भी नहीं कि वहां सारे मजदूर ही बिहार के हैं, बल्कि आप देश के उसी शहर में देखेंगे, तो उस शहर के उच्च अधिकारी भी उसी राज्य के होते हैं। लेकिन, उसका क्या लाभ क्योंकि वहां से निकलकर ही कोई भी उच्च अधिकारी बनता है, ऐसा इसलिए भी कि वहां की शिक्षा व्यवस्था के स्तर को हमारी सरकार आजादी के इतने वर्षो बाद भी सुधार नहीं पाई है। रही रोजगार की बात, तो जब हम इस बात पर ही चुनाव जीतकर आते हैं और इतिहास को दोहराने लगते हैं कि आज से बीस वर्ष पहले राज्य में जंगल राज था, जो फिर लौट आएगा, तो फिर वहां कौन अपना धन जाया करने आएगा। यह भी ठीक है कि इसी जंगल राज के नारे पर आपने चुनाव जीत लिया है और आपकी सरकार बन गई है, जो काफी मजबूत है, तो फिर आप बिहार की सबसे बड़ी समस्या का समाधान ढूंढिए। यदि सच में बिहार में अच्छे स्कूल हों, स्वास्थ्य के लिए अच्छे अस्पताल हों, रोजगार के सारे साधन अपने ही राज्य में मौजूद हों, तो फिर अपने घरबार को छोड़कर दूसरे राज्यों में जलील होने के लिए कौन जाना पसंद करेगा। अब इस बार जिस आत्मविश्वास के साथ जनता ने एनडीए की सरकार बनाने के लिए मतदान किया है, उसका लाभ आगामी कुछ वर्षों में उसे निश्चित रूप से मिलेगा। वैसे, बौद्धिक रूप से आदिकाल से ही यह राज्य अखंड भारत का नेतृत्व करता रहा है, वैसा तो अब कभी भविष्य में ऐसा हो नहीं सकता, लेकिन इतना तो हो ही सकता है आज जो राज्य आजादी के बाद से ही विकास के मामले में अब तक देश में चौबीसवें स्थान पर आता रहा है, उससे कुछ सीढ़ी ऊपर की ओर चढ़ जाए। दरअसल, बिहार ने कुशासन का बदलाव देखा, यह भी देखा कि नीतीश कुमार जनता के साथ खड़े रहे और वह देश के एक कद्दावर पढ़े लिखे। तपे तपाए जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से निकले नेता रहे हैं। हां, वह आलोचना के शिकार सदैव होते रहे हैं, क्योंकि जब कोई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है, तो उसके पैर खींचने वाले कुछ अपने ही हो जाते हैं। लेकिन, नीतीश की छवि आज तक बेदाग रही है। हां, उनकी ढुलमुल नीतियों के कारण उनका कार्यकाल चुनौती भरा ही रहा है, लेकिन याद कीजिए उनका पहला कार्यकाल, जब बिहारी समाज बिजली का सपना देखता था, गांव देहात तक पहुंचने के लिए सड़कें नहीं थीं, लेकिन जैसे-जैसे उनका कार्यकाल आगे बढ़ता गया, यह सब सुविधाएं बिहार में संभव हुईं और आज शहर-शहर गांव-गांव तक आप आसानी से जा सकते है, तथा बिजली का सुख शहर और गांव में एक जैसा पा सकते है। यह एक सच्चाई है। अब जो लोग इस बात की आलोचना करते नहीं अघाते कि इस विधानसभा से पहले महिलाओं के खाते में दस हजार रुपये देना, 125 यूनिट तक के बिजली बिल को माफ करना, वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ा देना तथा छात्रों को सुविधाएं देने की बात करते हैं, वे निश्चित रूप से सत्य की खोज नहीं कर पाते और आलोचना में ही अपनी जय-जयकार करते हैं। यह ठीक है कि हमारा संविधान हमें आलोचना करने का अधिकार देता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आलोचना में आप इतने खो जाएं कि सत्य से आपका संबंध ही समाप्त हो जाए। वैसे, अब फिर से हमें नई सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि उससे अपने विकास की बात करनी चाहिए, अपने सुनहरे भविष्य को देखना चाहिए। यह कहना कि हम चांद को तोड़कर आपके लिए ले आएंगे, निहायत असंगत है।

क्रांतिकारी राष्ट्रसंत

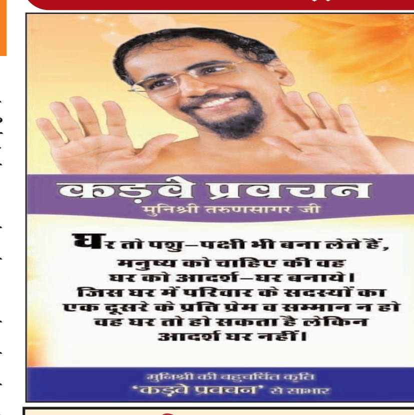

सुविचार

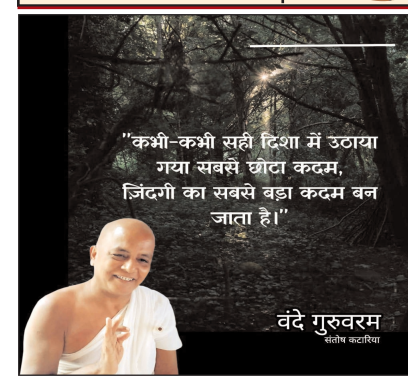

आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज

अन्तर्मना उवाच

सब दौड़ में है -- और मैं दिशा की खोज में हूँ..!

हमारा भारत सर्वाधिक युवाओं का देश है। युवा होने का मतलब है - जोश में होश, गति में दिशा, खान-पान में विवेक, मानवीय जीवन में नैतिक, व्यवहारिक और धार्मिकता का पुट होना। लेकिन आज हमारे देश के युवाओं को व्यसन, अर्थ और सोच की संकीर्णताओं ने हर तरह से अपाहिज कर दिया है। इसलिए - आज का युवा ना दौड़ पा रहा है, ना सही दिशा में चल पा रहा है।

आज नीति से कमाना और रीति से खर्च करना। जमा-खर्च, हिसाब-किताब, लेन-देन, लाभ-हानि, दान-दक्षिणा, इन सबको धर्म अध्यात्म से जोड़कर चलने से कभी नुकसान नहीं हो सकता। यदि आप किसी से धन ले रहें हो तब सोचना कि मैं इस योग्य हूं या नहीं-? और किसी को धन दे रहे हैं तो सोचना कि ये धन देने लायक है या नहीं-?

ध्यान रखना -- जीवन का संघर्ष जितना बड़ा होगा, सफलता उतनी ही बड़ी और कीमती होगी। जहाँ मानवीय कर्तव्य और निश्छलता है, वहीं सत्य और परमात्मा का वास समझो। लेकिन आज युवाओं की सोच में कहीं तो कुछ ना कुछ गड़बड़ है, या आज की शिक्षा में, या सामाजिक चाल चलन में, या संस्कारों में कहीं तो असन्तुलन या गड़बड़ी है, जिससे हमारे युवा खोखले विचारों में, उलझे और दुविधा में फंसे नजर आ रहे हैं। सच तो यही है - कि उनको इस बात से कोई मतलब नहीं है कि हमारे देश और समाज का हाल कैसा होगा-? देश का युवा कर्तव्य को कर्तव्य नहीं समझ रहा, धर्म को धर्म नहीं, घर परिवार समाज के रीति-रिवाज को पाखंड समझ रहा है। युवाओं का यह रूप बहुत निराशाजनक है। इसलिए युवाओं की गरिमामयी तस्वीर और उभरती हुई प्रतिभा धुंधली नजर आ रही है, मन कसैला हो रहा है।

कहने को हमारा देश - युवाओं का देश है, लेकिन इस सब पर हमारे घर, परिवार, समाज और देश के कर्णधारों को ध्यान देना होगा। क्योंकि आज हमारे देश के युवाओं का मन पढ़ाई लिखाई में नहीं, बल्कि बुरे दोस्तों की संगति में आवारागर्दी, नशा, अधैर्य कामुकता, गाली-गलौच, बहन-बेटियों पर फब्तियां कसना, इन्टरनेट का गलत इस्तेमाल करना, और दिन भर उसी में रमे रहना आदि, कई तरह के अवगुण आज के युवा अपना चुके हैं। आज का युवा दिशा विहिन होकर अपने माता-पिता का पैसा बर्बाद कर रहा है। ऐसे दिशा विहिन युवा अपने माता-पिता और गुरूजनों का सम्मान भी नहीं कर पा रहे हैं। सौ बात की एक बात - युवाओं के भीतर एक जुनून होता है, जिसको सिर्फ सही दिशा देने की जरूरत है...!!!

अंतर्मना

महादेवा महोत्सवः दंगल में दिग्गज पहलवानों ने दिखाया दम

अमर भारती ब्यूरो

रामनगर, बाराबंकी। सुप्रसिद्ध तीर्थ लोधेष्वर महादेवा महोत्सव मे दो दिवसीय दंगल प्रतियोगिता का अध्यक्ष रामनगर रामशरण पाठक संजय तिवारी व हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत बाबा बलराम दास ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व पहलवानो का हाथ मिलाकर शुभारंभ किया।

पहली कुश्ती नेपाल के लकी थापा व सूरज पहलवान के बीच हुई बड़े कांटे के मुकाबले में लकी थापा ने सूरज को चारों खाने चित किया। दूसरी कुश्ती मुल्तानी उन्नाव व मोनू दिल्ली के मध्य हुई जिसमें यह कुश्ती बराबर पर छूटी। तीसरा मुकाबला मोहम्मद परवेज सहारनपुर व धर्मेंद्र गोरखपुर के बीच हुवा जिसमें परवेज ने बाजी मारी। चौथा मुकाबला मोनू दिल्ली व गट्टू बस्ती के बीच मोनू ने बाजी मारी। पांचवा मुकाबला सोनू राजस्थान व मो. भूरा जम्मू कश्मीर के बीच हुआ जिसमें मोहम्मद भूरा ने सोनू को चारों खाने चित किया। छठा मुकाबला साधु पहलवान बस्ती व मुल्तानी उन्नाव के बीच हुआ जिसमें मुल्तानी ने जीत हासिल की। सातवां मुकाबला अनिल नंदिनी नगर अयोध्या के बीच में हुआ जो बराबरी पर छूटा। आठवां मुकाबला अरुण पहलवान आगरा तथा नवाज अली पंजाब के बीच हुआ जिसमें मुकाबला बराबरी पर रहा। दंगल देखने को भारी जन सैलाब उमड़ पड़ा सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के लिए पुलिस को कड़ी मे मस्कत करनी पड़ी। दंगल प्रतियोगिता में पहुंचे पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी का दंगल संयोजक मंडल द्वारा 21 किलो की माला पहनकर जोरदार स्वागत किया गया तथा पूर्व विधायक ने आखरी व सबसे बड़ी नवी कुश्ती जल्लाद पहलवान व थापा के बीच कराई जो बराबर का रहा। यह कुश्ती फाइनल के लिए दूसरे दिन तय की गई। इस मौके पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट मेला सचिव गूंजिता अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी, राजस्व निरीक्षक ओमप्रकाश, लेखपाल गुरशरण, दयाशंकर तिवारी, प्रधान बृजेश शर्मा, प्रखर अवस्थी, विकास सिंह, रवि पांडे, सोनू गुप्ता सहित भारी संख्या में गणमान्य जन रहे।

♦नगर पंचायत अध्यक्ष और अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत ने किया शुभारम्भ

सेवा भारती के भजनों पर झूमे श्रोताः सुप्रसिद्ध तीर्थ लोधेष्वर महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर पीयूष ब्रदर्स म्यूजिकल ग्रुप द्वारा म्यूजिकल बैंड ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को आनंदित किया। मुख्य गायक सेवा भारती द्वारा एक से बढ़कर एक गाने सुनाये जिसका श्रोताओं ने तालियां बजाकर स्वागत किया। उन्होंने अपना गाना दूल्हा बने हैं बाबा उज्जैन की नगरी से शुरुआत की जिस पर खूब तालियां बजी इसके बाद उन्होंने मैं दीवानी शिव शंकर की भजन सुनाया तो लोग भोले की भक्ति में डूब गए इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड गाने मेरे रश्के कमर तेरी पहली नजर सुन कर खूब वह वही बटोरी फिर इसके बाद उन्होंने तुम्हें दिल्लगी भूल जानी पड़ेगी जब सुनाया तो लोग झूठ उठे उनके गायन की श्रोताओं ने खूब तारीफकी उनके साथ दुर्गेश वर्मा नरोत्तम त्रिपाठी शान यदुवंशी संगत कर रहे थे।

भक्ति सुरों से महोत्सव महका नवल किशोर मलिक ने बांधा समाः महोत्सव की सांस्कृतिक शाम में दिल्ली से पधारे पंडित नवल किशोर मलिक ने अपने मनभावन भजन-संगीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत प्रभु दाता सबके जैसे भावपूर्ण भजन से की, जिसके बाद पंडित मलिक ने जब नटराज के नृत्य पर आधारित प्रस्तुति दी, तो पंडाल भोलेनाथ की आराधना में डूब गया। इसके उपरांत उन्होंने कैलाश निवासी नमो बारंबार की प्रस्तुति से श्रोताओं को शिव भक्ति के उजास में सराबोर कर दिया। भोजपुरी विरह गीत राह निहारे अंखियां पिया न आएं गाकर उन्होंने बिछोह की पीड़ा को सुरों में पिरो दिया। कार्यक्रम का समापन उन्होंने शिव कैलाशपति भजन से किया, जिसने वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम में तबले पर गौरव आनंद दुबे, गिटार पर ऋषिकेश मलिक और ऑटोपैड पर चंदन कुमार ने संगत दी, जबकि स्वरों में निकेश कुमार मलिक ने सहयोग किया।

वैदेही के राम की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्धः शनिवार की शाम महादेवा महोत्सव के छठे दिवस पर कारवाँ फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य कार्यक्रम 'वैदेही के राम' ने दर्शकों का मन मोह लिया। संस्थापक एवं अध्यक्ष सूरज श्रीवास्तव के निर्देशन में संस्था के कलाकारों ने अवध की लोकसंस्कृति और रामायण की भावधारा को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया। पाँच वर्षों से लोककला के उत्थान में सक्रिय कारवाँ फाउंडेशन की टीम ने महोत्सव के प्रतिष्ठित मंच पर अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया। लोकभक्ति गीतों पर सजी रामदूसीता की सांस्कृतिक झांकी कार्यक्रम की शुरुआत अवध के राम भजनों से हुई, जिसके बाद एक से बढ़कर एक लोकगीतों पर नृत्य प्रस्तुतियाँ दी गईं। राजा जनक जी के बाग में अलबेला दूल्हा आयो रे, सीता बहिनिया हमार हो, आज मिथिला नगरिया निहाल सखिया और घर लौटे रमैया जैसे गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रस्तुति में प्रज्ञा पाठक, श्वेता शुक्ला, मुस्कान गुप्ता, अंशिका तिवारी एवं अनंत शर्मा ने प्रमुख भूमिकाएँ निभाईं। कार्यक्रम के समापन पर महादेवा महोत्सव समिति एवं जिला प्रशासन ने कलाकारों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

पीयूष ब्रदर्स म्यूजिकल ग्रुप ने बांधा समाः महादेवा महोत्सव की छठी शाम सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अगुवाई टीम लीडर पीयूष मिश्रा ने की। उनकी टीम पीयूष ब्रदर्स म्यूजिकल ग्रुप ने सुरीली गायकी और ऊर्जा से भरे संगीत से ऐसा समां बांधा कि पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। संध्या की शुरुआत भक्ति भाव से ओतप्रोत गीत दूल्हा बने हैं बाबा उज्जैन की नगरी से हुई। इसके बाद सिंगर शिवा भारती ने मैं दीगनी शिव शंकर की और लोकप्रिय गीत मेरे रश्के क़मर प्रस्तुत कर माहौल को और रोमांचक बना दिया। अंत में उनका गीत ÷तुम्हे दिल्लगी भूल जानी पड़ेगी÷ कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण साबित हुआ। मंच पर म्यूजिशियन दुर्गेश वर्मा, नरोत्तम त्रिपाठी और शान यदुवंशी की तालदूलय ने सभी प्रस्तुति को और प्रभावी बनाया। मयूर विहार कॉलोनी, जिला बाराबंकी में आयोजित यह कार्यक्रम संगीत प्रेमियों के लिए यादगार साबित हुआ।

किसानों की आवाज थे स्व. मुलायम सिंहः ज्ञान

अमर भारती ब्यूरो

बाराबंकी। नेता जी ने संघर्षों की उडान भरी थी। नेताजी समाज के सभी वर्गो को साथ लेकर चले। सड़क से लेकर संसद तक हमेशा गरीबों, मजदूरों और किसानों के लिए संघर्ष किया करते थे। नेताजी सच्चे धर्म निरपेक्ष राजनेता थे।

वह सभी जाति और धर्म के लोगों को सम्मान देते थे। उक्त उद्गार नगरपालिका परिषद प्रांगण मे पिछड़े, दलितो, कमजोरो की आवाज रहे पूर्व रक्षामंत्री, धरतीपुत्र स्वः मुलायम सिंह यादव की जंयती पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे हुकुम सिंह हेल्प फाउडेशन अध्यक्ष व समाजवादी पार्टी नेता ज्ञान सिंह यादव ने स्वः मुलायम सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण करने के पश्चात व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि किसानों एवं मजदूरों से उनका लगाव जीवन भर रहा। इसीलिए भारतीय राजनीति मे उन्हें धरती पुत्र का सम्मान मिला। गाँव की गलियों से उठकर बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के राष्ट्रीय पार्टियों को चुनौती दी तथा मुख्यमंत्री व रक्षामंत्री पदों तक पहुँचे। इस मौके पर हिमांशु यादव, जैदपुर विधायक गौरव रावत, पूर्व एमएलसी राजेश यादव, सिरौलीगौसपुर ब्लॉक प्रमुख रेनू वर्मा, हुमायूं नईम खान, दानिश सिद्दीकी, प्रवक्ता फराज किदवई, यशवंत यादव, कामता यादव, ओमचंद यादव, सूर्य प्रकाश, वीरेंद्र मौर्य, जितेंद्र पटेल, कुंवर ज्ञान सिंह यादव, जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष नरेंद्र कुमार वर्मा ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

न्यूज डायरी

समतामूलक समाज की हो स्थापनाः अमित

फतेहपुर-बाराबंकी (अमर भारती ब्यूरो)। शनिवार को बार एसोसिएशन के सभागार में धर्मजागरण के संयोजक अमित अवस्थी ने प्रेस वार्ता कर जनसंख्या नियंत्रण एवं जातिवाद समाप्ति के लिए चलाए जा रहे जन आंदोलन की जानकारी दी। उन्होने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि समाज में समता मूलक व्यवस्था स्थापित करने के लिए नाम में माता-पिता का नाम अनिवार्य किया जाना चाहिए। इससे जातिगत भेदभाव कम होगा और राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलेगी। सरकारें हर वर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस मनाती हैं, लेकिन नियंत्रण के प्रति जन-जागरूकता की कमी के कारण ठोस योजना अभी तक लागू नहीं हो पाई है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण नियम-कानून और योजनाएं प्रभावी नहीं हो रहीं। उन्होंने कहा कि नाम में केवल माता-पिता का नाम ही लिखा जाए तथा प्रत्येक व्यक्ति को दो बच्चों का ही अधिकार मिले। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले 26 दिसंबर को घाघरा घाट से चार दिवसीय पैदल यात्रा का आवाहन किया गया है। जोकि राजनाथ सिंह के आवास पर पहुंचकर चार सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेगी। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष बसपा सुरेश चंद्र गौतम, संगीत पाठक, विष्णु मौर्य, राम सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महादेवा महोत्सव में अक्षरा सिंह ने मचाया धमाल

रामनगर, बाराबंकी (अमर भारती ब्यूरो)। महादेवा महोत्सव में शनिवार देर शाम भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह ने अपने शानदार मंच प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके भक्ति, प्रेम और लोकप्रिय भोजपुरी गीतों ने ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल देर रात तक झूमता रहा। अक्षरा सिंह को सुनने और देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। अक्षरा सिंह ने अपना कार्यक्रम भगवान शिव के चरणों में समर्पित करते हुए शुरू किया। उन्होंने जब श्री राम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में सुनाया तो भक्तिभाव में डूबे लोगों ने तालियों से स्वागत किया। इसके बाद हे दुख भंजन मारुति नंदन गाकर उन्होंने प्रभु हनुमान का गुणगान किया। भोजपुरी गीतों की बारी आई तो दर्शक थिरकने पर मजबूर हो गए। उन्होंने दहेज में राशन मांगे हो÷ और ÷राजा जी मैं तो राजा जी बिजली बनूंगी जैसे सुपरहिट गीत गाकर खूब वाहवाही लूटी। श्रोताओं की मांग पर उन्होंने एक से बढ़कर एक भोजपुरी गाने सुनाए, जिससे माहौल रोमांचित होता गया। कार्यक्रम में उनके सहयोगी कलाकारों में नृत्य करने वाले अंकुर सिंह, आयुष राजपूत, अरुण माही शर्मा, रोहित, वर्तिका सिंह, तनु सिंह, निशा कुमारी और आराध्या शामिल रहीं। वहीं मनजीत सिंह, विशाल और अंकुर ने युगल गायन में उनका साथ दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने किया। इस दौरान पंडाल खचाखच भरा रहा और लोग अक्षरा सिंह की एक झलक पाने को उत्सुक दिखाई दिए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए जहां उनके निजी कमांडो मौजूद रहे, वहीं पुलिस फोर्स भी भारी संख्या में तैनात किया गया था।

जन जुड़ाव के पर्याय थे रामसेवक और मुलायमः राजनाथ

अमर भारती ब्यूरो

बाराबंकी। समाजवादी आन्दोलन के सेनानी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व रक्षामंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की जयन्ती और समाजवादी पुरोधा, पूर्व सांसद स्व. रामसेवक यादव की पुण्यतिथि पर शनिवार को गांधी भवन में स्मृति सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया गया।

सभा की अध्यक्षता कर रहे समाजवादी चिन्तक राजनाथ शर्मा ने मुलायम सिंह यादव और रामसेवक यादव को सादगी, संघर्ष और जनसेवा की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि रामसेवक यादव और मुलायम सिंह यादव समाजवादी धारा और जन जुड़ाव के पर्याय थे।

मुलायम सिंह यादव ने डॉ राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण के बताए रास्ते पर चलकर देश के हर व्यक्ति के चेहरे पर खुशहाली व तरक्की लाने का काम किया। वहीं रामसेवक यादव ने सादगी, विचार और जन जुड़ाव को राजनीति का मुख्य आधार बनाया। दो नेताओं ने समाज के उन लोगों की आवाज को उठाने का काम किया जिनकी कोई नहीं सुनता था। वह दोनों खांटी समाजवादी नेता थे। श्री शर्मा ने बताया कि सूबे में तीन बार मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव समाजवादी आंदोलन की उपज है। वहीं रामसेवक यादव ने सामंती ताकतों से लड़कर समाजवाद की स्थापना की। सभा में समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह यादव ने कहा कि रामसेवक यादव तीन बार लोकसभा सदस्य, दो बार विधायक, विधान मंडल में दल के उपनेता और लोक लेखा समिति के अध्यक्ष रहे। राजनीतिक जीवन में लोहिया के विचार और व्यक्तित्व से उनका गहरा अपनापन रहा।

♦गांधी भवन में समाजवादी पुरोधा को किया गया याद, दी गई श्रद्धांजलि

22 नवम्बर को रामसेवक यादव के निधन से उपजी रिक्तता की भरपाई समाजवादी धारा में पूरी तो नही हो पायी, लेकिन उस विचार परम्परा पर चलते हुए समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने काफी हद समाजवादी धारा को आगे बढ़ाया। इस मौके पर प्रमुख रूप से अनुपम सिंह राठौर, सत्यवान वर्मा, सभासद अष्विनी शर्मा, नीरज दूबे, दीपक मिश्र, आसिफ हुसैन, मनीष सिंह, विजय कुमार सिंह मुन्ना, विजयपाल गौतम, साकेत संत मौर्य, रंजय शर्मा, नीरज दूबे, विनोद भारती, हिमांशु वर्मा आदि कई लोग मौजूद रहे।

पूर्व प्रधान की सड़क हादसे में मौत, जांच में जुटी पुलिस

अमर भारती ब्यूरो

फतेहपुर-बाराबंकी। क्षेत्र में घर से बाजार जाते समय बाइक सवार पूर्व प्रधान को सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने ठोकर मार दी। जिससे प्रधान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मौत की खबर जब परिजनों और ग्रामीणों को पता चली तो तमाम लोगो की भीड़ मौके पर एकत्रित हो गई। ग्रामीणों का आक्रोश देख पुलिस को सर्किल क्षेत्र के सभी थानों की फोर्स को मौके पर बुलाया गया।

पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। घटना कोतवाली फतेहपुर क्षेत्र के ग्राम कटघरा निवासी पूर्व प्रधान अनिल वर्मा शुक्रवार की देर रात गांव से फतेहपुर बाइक से एक शादी कार्यक्रम में जा रहे थे। इस दौरान कस्बा के भगौली मार्ग स्थित एक मैरिज लॉन के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में ठोकर मार दी। ठोकर इतनी तेज थी कि बाइक से उछलकर अनिल ट्रक की पहिए के नीचे आ गए और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की जानकारी जब ग्रामीणों और परिजनों को हुई तो मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। इस दौरान लोगो का आक्रोश देख कोतवाली पुलिस के साथ कुर्सी, बड्डूपुर, घुंघटेर, मो0पुर खाला की पुलिस फोर्स और एडिशनल एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। वही ग्रामीणों व परिजनों को शांत कराने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव जब गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। इस बीच क्षेत्राधिकारी जगतराम कनौजिया पुलिस बल के साथ गांव में मुस्तैद दिखाई दिए। इस सम्बन्ध में कोतवाल संजीत सोनकर ने बताया, पीड़ित के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है और फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

मृतक के कंधों पर थी घर की जिम्मेदारी

मृतक अनिल कुमार वर्मा के दो पुत्र है बड़ा पुत्र सोनल वर्मा लखनऊ में इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा है वहीं छोटा पुत्र अंश वर्मा गाजियाबाद में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। मृतक खेती पर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। वही मृतक पूर्व में ग्राम प्रधान था। और नगर पंचायत के विस्तार ग्राम पंचायत शामिल होने के कारण सभासद का चुनाव किन्ही कारण बस वह हार गए थे।

बीएलओ की लापरवाही नहीं होगी बर्दास्तः वैशाली

अमर भारती ब्यूरो

फतेहपुर-बाराबंकी। तहसील क्षेत्र में विशेष मतदाता पुनरीक्षण में गणना प्रपत्र का संकलन कराये जाने के लिए तहसील प्रशासन पूरी तरह मुश्तैद दिख रहा है। नगर पंचायत बेलहरा, फतेहपुर मे विशेष कैम्प लगाकर लेखपाल, बीएलओ व पंचायत कर्मी गणना प्रपत्रों की जांच कर रहे है। वहीं नायब तहसीलदार फतेहपुर व कुर्सी को निन्दूरा क्षेत्र में कार्य की प्रगति पर नजर बनाये रखने के लिए बनाया गया है।

ज्ञात हो तहसील क्षेत्र में विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्य में लगे 46 सुपर वाइजर अपने बीएलओ से प्रतिदिन रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। वहीं शनिवार को तहसीलदार वैशाली अहलावत ने नगर पंचायत फतेहपुर में लगे विशेष कैम्प में कार्य कर रहे लेखपाल, बीएलओ व कर्मचारियों की प्रगति रिपोर्ट ली। इस दौरान फार्मों का अधिक से अधिक संकलन किये जाने के निर्देश भी दिये। निन्दूरा क्षेत्र में नायब तहसीलदार अंकिता पाण्डेय व तहजीब हैदर को लगाया गया है। गणना प्रपत्रों की ज्यादा से ज्यादा फीडिंग कराई जाये। जिन बीएलओ द्वारा लापरवाही बरती जा रही है उनकी रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाये। तहसीलदार ने बताया कि शनिवार शाम 5 बजे तक 65534 गणना प्रपत्रों की फीडिंग की जा चुकी है। आ रहे प्रपत्रों की जांच व फीडिंग का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

अधिवक्ता गरीबों की बने आवाजः सिद्धार्थ

अमर भारती ब्यूरो

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। बार भवन सिरौलीगौसपुर में संविधान दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। अधिवक्ता परिषद अवध प्रांत के जिलाध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी की अगुवाई और अध्यक्ष काशीप्रसाद द्विवेदी की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि पंडित सिद्धार्थ अवस्थी ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान कठिन परिश्रम के बाद 1950 में लागू हुआ था। उन्होंने जोर दिया कि संविधान का प्रचार-प्रसार गांव-गांव तक होना चाहिए, ताकि जनता को उनके अधिकारों और कर्तव्यों का बोध हो सके। अवस्थी ने अधिवक्ताओं से कहा कि उनका कर्तव्य है कि वे कम से कम खर्च में न्यायिक प्रक्रिया को सुलभ बनाकर लोगों को न्याय दिलाएं। उन्होंने गरीबों और दबे-कुचले लोगों को सस्ता और सुलभ न्याय प्रदान करने के लिए कानून का गहन अध्ययन करने पर भी बल दिया। अधिवक्ता परिषद अवध प्रांत के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय ने संविधान दिवस पर विस्तृत जानकारी दी। पूर्व अध्यक्ष रामप्रसाद वर्मा और शिव वरदान सिंह ने कहा कि देश संविधान से संचालित होता है और ऐसी गोष्ठियां अधिवक्ताओं का मनोबल बढ़ाती हैं। कोषाध्यक्ष रमाकांत वर्मा ने भी अधिवक्ताओं को कानून का गहन अध्ययन कर न्याय दिलाने की बात कही।इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंडित सिद्धार्थ अवस्थी ने बार एसोसिएशन सिरौलीगौसपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अंग वस्त्र, डायरी, कलम और भारत माता का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में महामंत्री रामहृदय यादव, अब्दुल अहद एडवोकेट, वासिफ प्रहलाद कुमार वर्मा, काली प्रसाद यादव, अरविंद कुमार यादव, दीपक दास, प्रकाश तिवारी राना, जगदेव प्रसाद रावत, राजीव कुमार वर्मा, आकाश त्रिपाठी सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन सिरौलीगौसपुर के अध्यक्ष काशीप्रसाद द्विवेदी ने लखनऊ और बाराबंकी सहित अन्य जनपदों से आए अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। गोष्ठी के अंत में जिलाध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी ने उपस्थित सभी अधिवक्ताओं का धन्यवाद किया। मंच का संचालन पवन मिश्रा ने किया।

ट्रैक्टर-ट्राला की चपेट में आयी बाइक, युवक की मौत, दो गम्भीर

दरियाबाद, बाराबंकी (अमर भारती)। थाना टिकैतनगर अन्तर्गत शनिवार दोपहर बारिमबाग चौराहे के पास गन्ना लादकर रौजा गांव स्थित चीनी मिल जा रहे एक ट्रैक्टर ट्राला ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार तीन छात्रों में से एक छात्र की दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि दो घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने लाष का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायल छात्रों को चिकित्सीय परीक्षण के लिए सीएचसी टिकैतनगर में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, थाना टिकैतनगर के ग्राम टिकवामऊ मदरसे में पढ़ने वाले अकरम पुत्र बड़े अजमत अपने साथी अमीर आजम और मो. कैफके साथ में बाइक पर बैठकर बारिमबाग चौराहा आये थे। इसी बीच सामने से आ रहे गन्ना लादकर आ रहा तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राला ने बाइक में टक्कर मार दी।

घर-घर जाये बीएलओ, मतदाताओं से करें सम्पर्कः प्रीति

अमर भारती ब्यूरो

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। तहसील उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह और तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा ने शनिवार को सैदनपुर सहित कई मतदान बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। यह निरीक्षण एसआईआर कार्य की प्रगति का जायजा लेने के उद्देश्य से किया गया था।राजस्व प्रशासन इस महत्वपूर्ण कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए सक्रिय है। एसडीएम ने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें, उन्हें आवश्यक फॉर्म उपलब्ध कराएं और भरे हुए फॉर्म वापस लें।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि इन फॉर्मों को तुरंत ऑनलाइन दर्ज करने का कार्य शुरू किया जाए। प्रीति सिंह ने बीएलओ को बताया कि समय कम है, इसलिए उन्हें तेजी से कार्य करना होगा ताकि एसआईआर कार्य समय पर पूरा हो सके। इस दौरान उनके साथ लेखपाल आशुतोष मिश्रा और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मसूद रियाज भी मौजूद थे। इसी क्रम में सीडीपीओ अर्चना वर्मा ने लोधपुरवा और बदोसराय स्थित बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को एसआईआर कार्य में सहयोग के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए।यह अभियान मुख्य विकास अधिकारी की बैठक के बाद शुरू किया गया है। सीडीओ ने शुक्रवार रात तहसील सभागार में सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि एसआईआर कार्य में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। सीडीओ के निर्देशों के बाद से ही विकास विभाग, बाल विकास परियोजना विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी फील्ड में उतरकर बूथों पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। बदोसराय में ग्राम प्रधान निसार मेहंदी भी फॉर्म भरने में सहयोग कर रहे हैं। निरीक्षण के समय, लोधपुरवा बूथ पर बीएलओ सीमा कार्य करती हुई मिलीं। उनके साथ एक आंगनबाड़ी कार्यकत्री भी मौजूद थीं, जो कार्य में सहयोग कर रही थीं।

♦सैदनपुर मतदान केन्द्र का एसडीएम ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

एसआईआर फार्म भरवाने में सभासदों ने लगाया जोर

अमर भारती ब्यूरो

जैदपुर, बाराबंकी। एझआईआर फार्म को भर कर जमा करने के लिए कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लोग काफी तनाव में नजर आ रहे हैं। किसी का फार्म आया तो वोटर लिस्ट में नाम शामिल नही है। वहीं मूर्तजीपुर ग्राम पंचायत में काफी लोगों के नाम एक साथ वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नही होने से वह लोग इधर उधर भटक रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में भी 4 नम्बर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो हुई है।

जिसकी अंतिम तिथि 4 दिसम्बर 2025 तक निर्धारित है। ऐसे में जैदपुर नगर पंचायत के कई सभासदों के साथ समाजसेवी लोगों द्वारा अपने वार्ड के मतदाताओं के सहयोग के लिए घर पर फार्म भरे जा रहे हैं। जिसमें छोटी बाजार के सभासद मो कासिम, वसीनगर में निजामुद्दीन, गढ़ीकदीम में मो आलम, रईस कटरा मो ताहिर अंसारी, खुर्शीद आलम, मदरसा नुरुल उलूम, मास्टर अख्तर, रजा मिया, मास्टर ज़फर, पूर्व सभासद मो उमैर अंसारी आदि मतदाताओं के सहयोग के लिए फार्म भर रहे हैं। नगर पंचायत द्वारा बीएलओ के सहायक के रूप में नगर पंचायत सफाई कर्मियों को लगया गया है। लेकिन उसके बाद कई वार्ड में भरे फार्म बीएलओ तक जमा नही हो पाए हैं। वहीं मोहल्ला छेदा कटरा में काफी लोगो के नाम 2003 की सूची में नही आए हैं।

डीएम ने कंपोजिट विद्यालय के बूथों का किया निरीक्षण

अमर भारती ब्यूरो

बाराबंकी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में अब तेजी देखने को मिल रही है। शनिवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के साथ विधानसभा हैदरगढ़ क्षेत्र के ब्लॉक संसाधन केंद्र केसरगंज और कंपोजिट विद्यालय केसरगंज स्थित बूथ संख्या 63, 64, 65 व 66 का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए मौजूद सुपरवाइजर, बीएलओ और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 का कार्य काफी तेजी से चल रहा है। पुनरीक्षण कार्य को ससमय पूर्ण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा 23 नवंबर को भी बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र प्राप्त कर डिजिटाइजेशन का कार्य करने का आदेश निर्गत किया गया है। उनके आदेशानुसार संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा बीएलओ के कार्यों का नियमित पर्यवेक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी मतदाता अपने गणना प्रपत्र बीएलओ के पास डिजिटाइजेशन जमा कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बीएलओ और अधिकारी फील्ड पर रहकर पुनरीक्षण कार्य समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने जनपद में श्रेष्ठ कार्य करने वाले तीन बीएलओ को बधाई देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इन बीएलओ द्वारा पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट प्रगति सुनिश्चित की गई है। जिलाधिकारी ने जितेन्द्र कुमार प्रा. विद्यालय कमला पहाड़ापुर ब्लाक सिद्धौर, कुल मतदाता 326 भाग संख्या-15 प्रा. हैदरगढ़ विधानसभा-272 को अभियान में उत्कृष्ट प्रगति के लिए हार्दिक बधाई दी। इसके साथ ही पूनम वर्मा (सहायक अध्यापक) प्रा. विद्यालय कोटवा, कुल मतदाता 844 भाग संख्या-52 हैदरगढ़ विधानसभा-272 को और नीलम सोनी (शिक्षामित्र) प्रा. विद्यालय भटुवामऊ, कुल मतदाता 707 भाग संख्या-54 कुर्सी विधानसभा-266 को 2026 अभियान में उत्कृष्ट प्रगति के लिए हार्दिक बधाई। जिलाधिकारी ने कहा कि कई स्थानों पर मतदाता बीएलओ को फॉर्म भरने के लिये आवश्यक जानकारी नहीं उपलब्ध करा रहे हैं, ऐसे मामलों में मतदाता सूची से नाम कटने की संभावना बन जाती है। उन्होंने अपील की कि सभी मतदाता समय से बीएलओ को गणना प्रपत्र भरकर जरूर दें।

इसी क्रम में डीएम ने मौके पर ही एक मतदाता का फॉर्म स्वयं भरवाकर अभियान की गंभीरता का संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सभी बीएलओ को बीएलओ ऐप के एडवांस वर्जन डाउनलोड कर उसका नियमित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र के वितरण व संकलन की ऑनलाइन प्रगति को प्रतिदिन अपडेट किया जाए।

2003 की मतदाता सूची का शीघ्र मिलान करने के निर्देश

डीएम ने बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नामों का वर्तमान सूची से मैपिंग कार्य तेजी से पूरा किया जाए, ताकि पुराने रिकॉर्ड का सत्यापन भी सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी हैदरगढ़ राजेश विष्वकर्मा, खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार उपाध्याय, खंड शिक्षा अधिकारी, सुपरवाइजर और बीएलओ मौजूद रहे।

अमर भारती में प्रकाशित समाचार, विचार, लेख अथवा विज्ञापन से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.com पर प्रेषित करें अथवा 9311222595 पर व्हाट्सएप करें।

प्रत्येक घर पर जाकर एसआईआर फॉर्म करें वितरित: डीएम

अमर भारती ब्यूरो

गोण्डा। जिले की डीएम व जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने शनिवार को जिले में एसआईआर फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के उद्देश्य से विभिन्न मतदान बूथों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कम्पोजिट विद्यालय पूरे ऊदई, प्राथमिक विद्यालय फिरोजपुर, प्राथमिक विद्यालय चन्दवतपुर, कम्पोजिट विद्यालय पिपरा पदुम, कम्पोजिट विद्यालय मझौवा तथा प्राथमिक विद्यालय दुल्लापुर खालसा बूथों पर पहुँचकर वहां की व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर (स्वास्थ्य, पहचान एवं रेजिडेंसी) फॉर्म का समयबद्ध रूप से शत-प्रतिशत वितरण एवं उसके डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिया कि सुपरवाइजर, बीएलओ, ग्राम पंचायत सचिव, लेखपाल, आंगनबाड़ी, कोटेदार तथा ग्राम प्रधान सहित सभी

♦एसआईआर फॉर्म वितरण और डिजिटाइजेशन कार्य के मद्देनजर मतदान बूथों का किया निरीक्षण

संबंधित अधिकारी/कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्रों के प्रत्येक घर पर अनिवार्य रूप से जाकर एसआईआर फॉर्म वितरित करें तथा प्राप्त फॉर्मों को समय पर डिजिटाइज करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी क्षेत्र में लापरवाही या ढिलाई पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कई स्थलों पर उपस्थित टीमों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा मौके पर ही दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर फॉर्म से प्राप्त डाटा चुनावी प्रक्रिया में जनभागीदारी बढ़ाने तथा सूचनाओं की शुद्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए यह कार्य अत्यंत संवेदनशील तथा प्राथमिकता वाला है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जहां कहीं भी फॉर्म वितरण अथवा डिजिटाइजेशन कार्य में बाधाएं आ रही हों, वहां तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाए, ताकि समस्या का समाधान समय पर किया जा सके। जिलाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि इस कार्य में लगे कार्मिकों द्वारा यदि लापरवाही बरती गई तो उनके खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराते हुए विधिक एवं विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिम्मेदारी से बचने या कार्य में देरी के किसी भी प्रयास को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एसआईआर गणना में लगे 68 कर्मियों पर कार्रवाई की तैयारी

कर्नलगंज, गोंडा (अमर भारती)। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) में लापरवाही करने वाले अलग अलग विभागों के 68 कर्मचारियों को चिन्हित किया गया है जिसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई कराने की तैयारी चल रही है। एसडीएम नेहा मिश्रा ने बताया कि दो दिनों में कर्नलगंज, कटरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण एसआईआर गणना में लगे सभी 760 कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी के साथ प्रशिक्षण दिया गया। तथा एक सप्ताह के भीतर 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। शनिवार की शाम को दोनों विधानसभाओं की समीक्षा में 63 बीएलओ और 5 सुपरवाइजरों की लापरवाही सामने आई है जिन्हें सूचीबद्ध किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन 68 कर्मचारियों में शिक्षा विभाग, सफाई कर्मी, ब्लॉक के कर्मचारी, बाल विकास परियोजना के कर्मचारी शामिल हैं। जिनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई सहित विभागीय कार्रवाई भी कराई जाएगी। एसडीएम ने बताया कि सभी बीएलओ को प्राप्त सभी गणना प्रपत्र सभी मतदाताओं को वितरण करके उनसे प्रपत्र की जानकारी प्राप्त कर भरकर जमा करने को कहा गया है। बूथ वार समीक्षा की जा रही है। एसडीएम ने सभी से अपील किया है कि बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराए गए फार्म की जानकारी देकर सूची में नाम बनाए रखने के लिए सहयोग करें।

हत्याकांड का सफल अनावरण

पुलिस ने प्रेमी और प्रेमिका को किया गिरफ्तार

अमर भारती ब्यूरो

बस्ती। परशुरामपुर, अनीश हत्या काण्ड का पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए न सिर्फ घटना के दो घंटे के भीतर सफल अनावरण किया बल्कि थाना परसरामपुर पुलिस, एसओजी टीम व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्यवाही में आला कत्ल एक अदद कट्टा 315 बोर, एक अदद खोखा कारतूस 315 बोर व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सीडी डिलक्स के साथ अभियुक्तगण रिंकू कन्नौजिया पुत्र भिल्लर कन्नौजिया, रूकसाना पत्नी स्व0 अनीश, एक बाल अपचारी को उनके घर से हिरासत पुलिस में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेज दिया। परसरामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेदीपुर बड़का पुरवा गांव निवासी अनीस पुत्र समसुद्दीन उम्र करीब 25 वर्ष अपने घर से कुछ दूरी पर रास्ते पर घायल अवस्था में पड़ा मिला था , सूचना पर पहुंची परसरामपुर पुलिस द्वारा आमजन के सहयोग से अनीस को उसके दवा-इलाज हेतु सदर अस्पताल अयोध्या

♦पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना के दो घंटे के भीतर किया सफल अनावरण

भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मेडिकल कॉलेज अयोध्या रेफर कर दिया गया, जहां उसका दवा-इलाज चल रहा था कि दवा-इलाज के दौरान ज्ञात हुआ कि अनीस गोली लगने से घायल हुआ है जिसके कुछ देरी बाद दवा-इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना स्थल का निरीक्षण कर मृतक अनीस के परिजनों से वार्ता किया। पूछताछ के दौरान तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक की शादी कुछ दिन पूर्व ही हुई थी जिसकी पत्नी का संबंध शादी से पूर्व से ही किसी रिंकू नाम के व्यक्ति से था, जोकि थाना गौर क्षेत्र का निवासी है, जिनके मध्य लगातार वार्ता होती थी एवं आपस में शादी करने की योजना भी बनाए थे, परन्तु मृतक की पत्नी की शादी होने के उपरांत शादी की बात को लेकर दोनों में वाद-विवाद होने लगा, जिसके उपरांत मृतक की पत्नी कल अपने ननिहाल जाकर अभियुक्त रिंकू के साथ मिल कर अनीस को मार दिए जाने की योजना बनाई। इसी क्रम में उक्त घटना को अंजाम दिया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया ओपेन जिम का उद्घाटन

अमर भारती ब्यूरो

बस्ती। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने वार्ड न. 23 आवास विकास कालोनी वार्ड में ओपेन जिम का सभासद परमेश्वर शुक्ल 'पप्पू' के साथ नागरिकों की उपस्थिति में उद्घाटन किया। नेहा वर्मा ने कहा कि आवास विकास कालोनी में ओपेन जिम हो जाने से अब नागरिकों को काफी सुविधा होगी। लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। 10 लाख रूपये की लागत वाले ओपेन जिम में व्यायाम की अनेक सुविधायें उपलब्ध है। कहा कि चरणबद्ध ढंग से नगर पालिका क्षेत्र के सभी वार्डों का समुचित विकास कराया जा रहा है। प्रकाश, सफाई पर विशेष जोर है। उन्होने नागरिकों से आग्रह किया कि वे शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग दें। सभासद परमेश्वर शुक्ल 'पप्पू' ने कहा कि ओपेन जिम में अनेक आधुनिक सुविधायें उपलब्ध है। इस अवसर पर मुख्य रूप से अमृता वर्मा, मनीष श्रीवास्तव, अम्बेश श्रीवास्तव, पार्थ श्रीवास्तव, गणेश श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, रजनीश श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, बबुन्ने ओझा, संतराम दूबे, विपुल श्रीवास्तव, चन्द्रभूषण शुक्ल, कालीचरण शुक्ल, गुरू प्रसाद शुक्ल, शिवशंकर यादव, भगवान प्रसाद अग्रहरि, डा. गुड्डु शर्मा, यदुनन्दनलाल श्रीवास्तव, राजेन्द्र मिश्र, सत्येन्द्र विश्वकर्मा के साथ ही नगर पालिका के जेई अर्पित निगम आदि उपस्थित रहे।

मुलायम सिंह की जयंती पर बांटे गए कंबल

माल्यार्पण, फल वितरण और गोष्ठी के साथ मनाई गई 86वीं जयंती

अमर भारती ब्यूरो

बहराइच। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व रक्षामंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की 86वीं जयंती मंगलवार को सपा जिला कार्यालय पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी नेताओं द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस दौरान कार्यालय परिसर धरती पुत्र मुलायम सिंह अमर रहें के नारों से गूंज उठा।

जयंती के अवसर पर सपा कार्यकर्ताओं ने मिठाइयाँ वितरित कीं, मेडिकल कॉलेज में बच्चों को फल बांटे, और जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर सेवा भावना का संदेश दिया।

इसके बाद आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक जीवन, संघर्षों और समाजवादी विचारधारा पर विस्तृत चर्चा की। नेताओं ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपने

♦नेता जी की याद में नम हुईं आखें

सार्वजनिक जीवन में किसानों, कमजोर वर्गों और पिछड़ों की आवाज को मजबूत किया।

गोष्ठी में जिलाध्यक्ष रामहर्ष यादव एडवोकेट, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष जफर उल्लाह खान बंटी, पूर्व विधायक रमेश गौतम, अनिल यादव, जी.एस. निरंजन, महिला सभा जिलाध्यक्ष मन्नूदेवी, मयंक मिश्र, वैभव श्रीवास्तव, सैय्यद सैफ, देवीदयाल यादव, सुंदरलाल बाजपेयी और नदीमुलहक तन्नू सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में इंजीनियर राकेश सोनकर, सादिक हुसैन, अयोध्या सोनी, पेशकार राव, जम्मालूद्दीन खान, सत्यम वाजपेयी, डॉ. जितेंद्र मौर्य, ललित मिश्र, कन्हैया लाल लोधी, नुसरत फातमा, बच्चाराम पासवान, नंदेश्वर नंद यादव और शैलेश सिंह शैलू भी शामिल हुए।कार्यक्रम का संचालन सपा महासचिव सुनील निषाद ने किया।

गणना प्रपत्र डिजिटाइजेशन सेन्टर का डीएम ने किया निरीक्षण

अमर भारती ब्यूरो

बहराइच। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद में संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (Special Intensive Revision) के दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-286 बहराइच सदर अन्तर्गत बूथ लेबिल अधिकारियों द्वारा मतदाताओं से प्राप्त किये गये गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने तहसील सदर बहराइच में स्थापित हाई स्पीड नेटवर्क सेन्टर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम श्री त्रिपाठी ने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की बाबत जानकारी प्राप्त करते हुए फीडिंग कार्य की प्रगति बढ़ाये जाने के निर्देश दिये। डीएम ने मौके पर मौजूद निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी सदर पूजा चौधरी को निर्देश दिया गया कि डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति को बढ़ाये जाने हेतु आवश्यकतानुसार संसाधन व मैन पावर को बढ़ाया जाय।

एसडीएम श्रीमती चौधरी ने जिलाधिकारी को बताया कि विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य हेतु भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ब्लाक व बी.आर.सी. स्तर पर 02-02 तथा नगर पालिका परिषद बहराइच एवं तहसील सदर में 01-01 हाई स्पीड नेटवर्क सेन्टर स्थापित किया गया है। जहां पर तैनात बी.एल.ओ./कार्मिकों द्वारा गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की जा रही है। डीएम श्री त्रिपाठी ने एसडीएम सदर को निर्देश दिया कि डिजिटाइजेशन कार्य का प्रभावी पर्यवेक्षण करते हुए डाटा डिजिटाइजेशन कार्य को सुचारू रूप से सम्पन्न करायें।

एसडीएम ने एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

कर्नलगंज, गोंडा (अमर भारती)। विधानसभा निर्वाचन की मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य एसआईआर की प्रगति देखने के लिए शनिवार को एसडीएम नेहा मिश्रा ने बूथ संख्या 12 से 24 तक के बूथों पर निरीक्षण किया इसी के साथ गणना प्रपत्रों का वितरण और प्रगति को देखा। उन्होंने नगर क्षेत्र के अलग अलग मोहल्लों में लगे बीएलओ के कार्यप्रगति को देखा तथा 346 मतदाताओं को मतदाता गणना प्रपत्र उपलब्ध कराते हुए सूची में नाम सही कराने के लिए जागरूक किया। एसआईआर कार्य में लगे सुपरवाइज़रों और अधिकारियों की उपस्थिति में प्रपत्र का वितरण कर इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि कर्नलगंज में एक महत्वपूर्ण मतदाता जागरूकता और दस्तावेज़ वितरण कार्यक्रम लगातार चलाया जाना चाहिए। जिसमें बूथ संख्या 12 से 24 तक के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए एसआईआर गणना प्रपत्र का वितरण और जमा कराया।

लापता अफसर का नहीं लगा सुराग

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। पनकी पावर हाउस के एक्सईएन अतुल कुमार राय लापता हैं। उनकी तलाश में पुलिस गंगा नदी में जाल डालकर लगातार सर्च कर रही है। जाजमऊ पुल के पास उनकी कार मिलने के बाद मामला और उलझ गया। आशंका है कि उन्होंने गंगा में कूदकर आत्महत्या की होगी।

हालांकि, 4 दिन बाद भी अतुल कुमार राय का कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 18 नवंबर को घर से निकलकर अतुल अपनी पत्नी से मिलने गए। वहां उनके बीच बहस हुई। उनकी पत्नी लंबे समय से अलग रहती हैं। पहले वह घर आया करती थीं, लेकिन बीते कुछ वक्त से उन्होंने आना-जाना बिल्कुल ही बंद कर दिया था। इस बीच परिवार की चुप्पी से कई सवाल उठ रहे हैं। परिवार किसी भी तरह के विवाद से इनकार कर रहा है। किसी से दुश्मनी की बात भी नहीं बता रहा है। घर पर मौजूद परिजनों से जब दंपत्ति के बीच विवाद को लेकर सवाल किया तो भी उन्होंने कुछ नहीं बताया। कहा- किस बात का विवाद चल रहा था, हमें नहीं पता। पुलिस जांच कर रही है। टीमों ने करीब 25 किलोमीटर तक नदी में तलाश की। नावों से हर हिस्से को खंगाला। तेज धारा और गहराई वाली जगहों पर जाल भी डाला गया। स्थानीय और जल पुलिस की टीमें मिलकर ऑपरेशन चला रही हैं। पुलिस CCTV फुटेज खंगाल रही है। ताकि पता चल सके कि अतुल पुल तक कैसे पहुंचे थे? कार से मोबाइल, पर्स और कागज मिले हैं। उनकी पत्नी भी कई महीनों से घर नहीं लौटी हैं। ऐसे में पुलिस निजी कारणों और तनाव वाले एंगल पर भी जांच कर रही है। अफसरों का कहना है कि सभी पहलुओं पर काम किया जा रहा, जल्द स्थिति साफ होने की उम्मीद है। 18 नवंबर से लापता, गंगा पुल के पास कार मिली पुलिस के मुताबिक, अतुल कुमार राय 18 नवंबर को घर से निकले थे। बताया गया कि वे पहले पनकी थाने पहुंचे, जहां पति-पत्नी के बीच बातचीत हुई। इसके बाद वे अपनी सरकारी गाड़ी से ऑफिस पहुंचे और वहां से अपनी प्राइवेट कार लेकर जाजमऊ की ओर निकल गए। उनकी कार जाजमऊ के गंगा पुल के पास संदिग्ध हालत में खड़ी मिली। इसके बाद पुलिस ने गंगा में कूदने की आशंका के आधार पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। नदी में लगातार तलाशी जारी है। मूल रूप से बलिया निवासी अतुल राय के परिवार में इस समय उनके माता-पिता, दो बहनें, बेटी अदिति और बेटा कुशाग्र हैं। पूरा परिवार पनकी पावर हाउस की ऑफिसर कॉलोनी में रहता है। अतुल की बहन ने बताया कि 2005 में अतुल की शादी कानपुर के नानकारी निवासी नागेंद्र प्रसाद की बेटी अनीता से हुई थी।

करीब 6-7 साल से अनीता ससुराल आती-जाती रहती थी, लेकिन पिछले कुछ महीनों से उसने पूरी तरह आना बंद कर दिया। हालांकि, उन्होंने ऐसा क्यों किया, यह परिवार को पता नहीं है। अनीता मूल रूप से बिहार की रहने वाली हैं। सीटीवी में अतुल अकेले दिखे पुलिस ने जाजमऊ पुल और आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। जांच अधिकारियों के मुताबिक फुटेज में अतुल अकेले दिखाई दिए हैं। इस सुराग के बाद भी परिवार की चुप्पी जांच को आगे बढ़ने में मुश्किल पैदा कर रही है।

सीडीओ की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न

अमर भारती ब्यूरो

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में विगत दिवस मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की गहन समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न बैंको के क्षेत्रीय प्रबन्धंक एवं जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा द्वारा योजना के विषय में विस्तृत विवरण देते हुये अवगत कराया गया कि विभिन्न बैंको को 2094 पत्रावलिया प्रेषित की गयी, जिसके सापेक्ष मात्र 700 लाभार्थीयों के ऋण वितरित किये गये जो इस माह सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित लक्ष्य 850 के सापेक्ष बहुत ही कम है।

समीक्षा के दौरान एक्सिस बैंक, बैंक आफ बडौदा, बैंक आफ इण्डिया, एचडीएफसी बैंक, इडियन बैंक, यूनियन बैंक आफ इण्डिया की प्रगति बहुत ही निराशाजनक पायी गयी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा क्षेत्रीय प्रबन्धक से अपेक्षा किया गया कि लक्ष्य के सापेक्ष योजनान्तर्गत जो भी आवेदन पत्र प्रेषित किये जा रहें है, उसका समयबद्ध निस्तारण करायें। क्षेत्रीय प्रबन्धकों द्वारा आश्वासन दिया गया की एक सप्ताह के अन्दर सभी लम्बित पत्रावलियों को ससमय बैंक शाखाओं द्वारा निस्तारण कर लिया जायेगा।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पीएम सूर्यघर, पीएम एफएमई की भी समीक्षा की गयी। इस अवसर पर उपायुक्त स्वतः रोजगार प्रभात द्विवेदी, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा, क्षेत्रीय प्रबन्धक भारतीय स्टैट बैंक, पजांब नेशनल बैंक, उ0प्र0 ग्रामीण बैंक, बैक आफ बडौदा, एक्सिस बैंक एवं एचडीएफसी बैंक के क्लसटर हेड, समस्त बैंक जिला समन्वयक एवं परियोजना अधिकारी यू0पी नेडा, जिला उद्यान अधिकारी समुद्रगुप्त मल्ल, सहायक आयुक्त उद्योग एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास में दोषी को 10 साल की सजा

सिद्धार्थनगर (अमर भारती)। जनपद के इटवा में हत्या के प्रयास के एक मामले में दोषी को 10 साल के कठोर कारावास और 24,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। यह फैसला ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत जिला मानिटरिंग सेल और थाना इटवा पुलिस की प्रभावी पैरवी के बाद आया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद रफी की अदालत ने अभियुक्त बकरीदी पुत्र जुम्मन, निवासी महादेव घुरहू, इटवा को दोषी ठहराया। उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 323, 504, 506 और 427 के तहत सजा सुनाई गई। यह फैसला पुलिस महानिदेशक द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत आया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपराधियों को सजा दिलाने के लिए प्रभावी पैरवी की जा रही है। इस मामले में जिला मानिटरिंग सेल, अपर जिला शासकीय अधिवक्ता चंद्रप्रकाश पाण्डेय और न्यायालय पैरोकार आरक्षी संजय चौरसिया (थाना इटवा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

386 किलो मिलावटी पनीर नष्ट, जांच को भेजे गए नमूने

अमर भारती ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। जिले के इटवा तहसील क्षेत्र के नागचौरी गांव में चल रही एक अवैध पनीर निर्माण फैक्ट्री पर गुरुवार को खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। बस्ती मंडल के सहायक आयुक्त (खाद्य) की अगुवाई में बनी संयुक्त टीम ने छापेमारी कर मिलावटखोरी के संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया।

जांच टीम ने मौके पर स्वास्थ्य मानकों की गंभीर अनदेखी पाई। फैक्ट्री में बेहद गंदगी, अवैध सामग्री का अंबार और बिना मानक प्रक्रिया के पनीर बनता मिला। टीम ने पनीर, दूध, सोया मिल्क, सफॉलाइट, रानीपाल, स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड पॉमोलिन ऑयल और सैकरिन सहित कुल 10 नमूने लेकर खाद्य प्रयोगशाला भेजे।

टीम ने मौके पर ही बड़ी मात्रा में मिलावटी उत्पाद 386 किलो मिलावटी पनीर, 178 लीटर मिलावटी दूध, 208 लीटर लिक्विड सोयाबीन नष्ट करवाए। वहीं 223 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर, 238 लीटर रिफाइंड पॉमोलिन ऑयल सीज कराया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ये सभी सामग्री उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती थी।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि यह इकाई बड़े पैमाने पर मिलावटी पनीर और दूध तैयार कर सप्लाई कर रही थी।लैब रिपोर्ट आने के बाद संचालकों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान कार्रवाई में सहायक आयुक्त (खाद्य) वीके पांडेय, सहायक आयुक्त आरएल यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी इंद्रेश प्रसाद, जय प्रकाश, हीरा लाल, रंजन कुमार श्रीवास्तव, नीरज कुमार चौधरी शामिल रहे। वहीं टीम ने कहा कि जनपद में मिलावटखोरों पर ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

न्यूज डायरी

शहादत दिवस पर 25 तक चलेगा कार्यक्रम

कर्नलगंज, गोंडा (अमर भारती ब्यूरो)। गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत शताब्दी को समर्पित विशेष कार्यक्रम गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा कर्नलगंज में किया जा रहा है। यह आयोजन 25 नवंबर तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन प्रातःकाल और संध्याकाल संगत के लिए कीर्तन दरबार एवं कथा विचार का कार्यक्रम रखा गया है। गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह समागम गुरु तेग बहादुर साहिब जी के बलिदान, त्याग और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रयास है। कार्यक्रम में ज्ञानी कमलजीत सिंह (अलवरिया), ज्ञानी पिस्सीवाल सिंह (पटियाला) और ज्ञानी सोहन सिंह (रूद्रपुर) अपने प्रवचनों और कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे। 24 नवंबर को विशेष कीर्तन समागम आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। गुरुद्वारा समिति ने कार्यक्रम को वृहद रूप देकर तैयारियां पूरी की है।

दो शातिर चोर गिरफ्तार, नौ मोबाइल बरामद

बहराइच (अमर भारती ब्यूरो)। स्थानीय पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह रावत के निर्देशन में दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर सफलता प्राप्त की है। एसएचओ ने चोरों को गिरफ्तार करने हेतु एसआई शिवेश कुमार शुक्ल चौकी इंचार्ज बाबागंज, कांस्टेबल सूरज गौड़, जयचंद गोंड व सुनील यादव को क्लू देते हुए चोरियों के खुलासे के निर्देश दिए। इस पर इस टीम ने कैलाश पुत्र मेवालाल उर्फ टेढ़े व राजू कुचबंधिया पुत्र पूसू निवासी गण पथरकट मोहल्ला पुरानी बाजार बाबागंज को बाबागंज स्थित परमहंस कुटी के पास शनिवार की सुबह 5 बजे गिरफ्तार कर थाने ले आये। इनकी निशानदेही पर 9 मोबाइल व 3 हजार 70 रुपये नगद बरामद हुए। कैलाश के विरुद्ध मोतीपुर, नानपारा व रुपईडीहा को मिलाकर कुल 8 मामले दर्ज हैं। इसी प्रकार राजू के विरुद्ध चार मामले नवाबगंज, नानपारा व रुपईडीहा मे दर्ज हैं।

सरकार युवाओं को दे रही नए अवसर: मंदीप

अमर भारती ब्यूरो

बहराइच। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा विधानसभा मटेरा के मंडल नवाबगंज में 'आत्मनिर्भर भारत युवा सम्मेलन' के तहत एक भव्य कार्यशाला का आयोजन जवाहर इंटर कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) सरदार मंदीप सिंह वालिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बलवंत सिंह, तथा संचालन आनंद जायसवाल (मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा) ने किया।

सम्मेलन की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। मंच पर उपस्थित पदाधिकारियों ने राष्ट्र और संगठन के प्रति निष्ठा व्यक्त की। मुख्य अतिथि सरदार मंदीप सिंह वालिया ने कहा कि देश और प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद युवाओं के लिए विकास और रोजगार के असंख्य अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि, प्रदेश के अधिकांश जिलों में नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। मेडिकल शिक्षा की सीटों

♦आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन युवाओं में भरा नया उत्साह

में रिकॉर्ड वृद्धि से युवाओं के लिए डॉक्टर बनने का मार्ग आसान हुआ है। केंद्र सरकार ने युवाओं के लिए स्टार्टअप, उद्योग और उद्यमिता योजनाओं को सरल बनाया है।

विकास की धारा लगातार बह रही है: बलवंत सिंह

अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंडल अध्यक्ष बलवंत सिंह ने कहा की। 2014 में केंद्र में और 2017 में यूपी में भाजपा सरकार बनने के बाद से विकास की गंगा बह रही है। डबल इंजन की सरकार ने हर वर्ग के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में उत्साह, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल सम्मेलन में ओमप्रकाश गुप्ता, विजय सिंह, राधेश्याम गुप्ता, प्राचार्य जे.पी. वर्मा, हर्षित सिंह समेत मंडल के पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में युवाओं में आत्मनिर्भर भारत के प्रति उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली।

नाली विवाद ग्रामीणों के लिए बनी गंभीर समस्या

अमर भारती ब्यूरो

गोण्डा। जिले के नवाबगंज में खड़ौआ गांव में नाली अवरुद्ध होने का विवाद अब ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। प्रशासनिक टीम ने पैमाइश कर नाली खोलने के निर्देश दे दिए, लेकिन विपक्षी पक्ष अपनी जिद पर अड़ा है। परिणामस्वरूप नाली का गंदा पानी कई घरों में भरने लगा है, जिससे ग्रामीणों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

गांव निवासी कान्ती, मीना, ज्ञानपती, सरोजिनी, फूला, खुशबू और रमा ने तहरीर में आरोप लगाया कि अनिल कुमार, उनकी पत्नी मंजू और बेटा मंजीत लंबे समय से नाली बंद किए हुए हैं। इससे गंदा पानी घरों में घुस रहा है और परिवारों को दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। समाधान दिवस में मामले को एसडीएम के संज्ञान में लाने पर 13 नवंबर को राजस्व निरीक्षक परशुराम मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस-राजस्व टीम मौके पर पहुंची। पैमाइश में यह साफ पाया गया कि

जिस भूमि पर अनिल कुमार ने निर्माण किया है, वह हरिजन आबादी के लिए सुरक्षित भूमि है, जबकि आरोपी पक्ष अनुसूचित जाति वर्ग से नहीं है। टीम ने अनिल कुमार को निर्माण हटाने और नाली का प्रवाह बाधित न करने का निर्देश दिया था।

पीड़ितों का आरोप है कि आदेशों के बाद भी विपक्षी नाली खोलने से इनकार कर रहा है और पानी बहाने पर विवाद खड़ा कर देता है। राजस्व निरीक्षक परशुराम मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट एसडीएम को भेज दी गई है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने कहा कि राजस्व टीम की मौजूदगी में पुलिस नाली खुलवाने की कार्रवाई कराएगी।

ग्रामीणों ने अधिकारियों से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

कर्नलगंज, गोंडा (अमर भारती ब्यूरो)। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत कोतवाली कर्नलगंज की एंटी रोमियो/मिशन शक्ति टीम ने शनिवार को नगर के कन्हैया लाल इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा और साइबर जागरूकता के बारे में जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक तेज प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने 112, 1090, 181 व 1930 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता बताई।

सूचना

मैंने अपना नाम shavez Akhtar से Ansari shavez akhtar रख लिया है मेरे सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों पर भी Ansari Shavez akhtar है। मै अपने पासपोर्ट पर भी Ansari Shavez akhtar कराना चाहता हूँ।

Ansari Shavez akhtar
पुत्र Mohammad Ashfaq
मोहल्ला पहितिया क़स्बा व पोस्ट-सतरिख, बाराबंकी।

अमर भारती में प्रकाशित समाचार, विचार, लेख अथवा विज्ञापन से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.com पर प्रेषित करें अथवा 9311222595 पर व्हाट्सएप करें।

एसपी ने समाधान दिवस में सुनी समस्याएं

अमर भारती ब्यूरो

उन्नाव। समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को कोतवाली सदर में आयोजित जनसुनवाई में सुबह से ही फरियादियों की लंबी लाइनें लग गईं। जनसुनवाई स्थल पर पहुंचते ही पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, एएसपी/सीओ नगर दीपक यादव और कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने लोगों की समस्याएँ विस्तार से सुनीं।

जनसुनवाई के दौरान अधिकांश शिकायतें जमीन विवाद, दबंगई, पारिवारिक मामलों और पुलिस की कार्यवाही से संबंधित रहीं। एसपी ने फरियादियों की बात सुनने के बाद मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों से स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और तत्काल एक्शन लेने के निर्देश दिए।

एसपी ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों पर लापरवाही या देरी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित थानों को निर्देशित किया कि समाधान दिवस पर आने वाली हर शिकायत का निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

♦अधिकारियों को पारदर्शी और त्वरित निस्तारण के निर्देश

पुलिस अधिकारियों ने जनसुनवाई के महत्व को समझाते हुए कहा कि इसका उद्देश्य जनता की समस्याओं को सीधे सुनना और उसी समय उचित दिशा तय करना है।

फरियादियों ने भी इस बात की सराहना की कि अधिकारियों ने धैर्यपूर्वक उनकी बातें सुनीं और समाधान का भरोसा दिया।

गंगाघाट कोतवाली में समाधान दिवस आयोजित

शुक्लागंज। शनिवार को गंगाघाट कोतवाली में समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें नगर एवं गांवों से फरियादी अपनी समस्याएँ लेकर पहुंचे। कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने स्वयं एक-एक कर शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। समाधान दिवस में पालिका और राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे, लेकिन फरियादियों को निराशा तब हुई जब दोपहर तक कोई वरिष्ठ जिला अधिकारी समस्याओं को सुनने के लिए नहीं पहुंचा। बावजूद इसके, कोतवाली प्रभारी ने मौके पर ही कई मामलों की समीक्षा की। कुल 10 शिकायतें दर्ज हुईं, जो सभी राजस्व विभाग से संबंधित थीं। इनमें भूमि विवाद और नक्शा-संबंधी मामलों की संख्या अधिक थी। एक राजस्व प्रकरण का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जिससे फरियादी ने राहत की सांस ली।

प्रोजेक्ट अलंकार की समीक्षा बैठक सम्पन्न

उन्नाव (अमर भारती ब्यूरो)। शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में मुख्य विकास अधिकारी कृति राज की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट अलंकार एवं विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त और संस्कृत विद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। सीडीओ ने छह अशासकीय विद्यालयों से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं द्वारा निर्माण में लापरवाही मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि मानकों के विपरीत कार्य किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं होंगे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि हर निर्माण कार्य का मास्टर प्लान संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ साझा किया जाए। किसी भी कार्य को तभी हैंडओवर माना जाएगा जब प्रधानाचार्य प्रमाण पत्र जारी कर दें। बैठक में कुछ प्रधानाचार्यों ने बाउंड्री वॉल की ऊँचाई में कमी-बेशी की शिकायत की, जिस पर सीडीओ कृति राज ने जिला विद्यालय निरीक्षक को सभी विद्यालयों की बाउंड्री वॉल का दोबारा निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

डीएम ने एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने आज परिषदीय संविलियन विद्यालय मंधना प्रथम का निरीक्षण कर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बिठूर विधानसभा क्षेत्र के बगदौधी बांगर में स्थित बूथ संख्या 48, 49, 50, 51 और 52 के बीएलओ से संवाद किया। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से भी बातचीत कर उनके फॉर्म जमा करने की स्थिति जानी।

जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान तेजी से चल रहा है। प्रत्येक पात्र मतदाता तक एन्यूमरेशन फॉर्म पहुँचाए जा रहे हैं। इन फॉर्म में मतदाताओं को अपना मूल विवरण तथा माता-पिता और दादा-दादी से संबंधित उपलब्ध जानकारी भरनी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति अपने माता-पिता अथवा दादा-दादी का विवरण देने में सक्षम नहीं है, तब भी उसका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। 9 दिसंबर के बाद आवश्यक होने पर संबंधित अभिलेख प्राप्त किए जा सकते हैं। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे, जबकि मृतक, शिफ्टेड और अबसेंटी व्यक्तियों के नाम सूची से हटाए जा सकें। जिन मतदाताओं के फोटो पुराने हैं, उनके अद्यतन फोटो भी लिए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया कि उन्हें प्राप्त सभी फॉर्म समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएँ और कोई भी फॉर्म लंबित न रहे। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे फॉर्म भरकर शीघ्र अपने बीएलओ को उपलब्ध कराएँ, जिससे मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रूप में तैयार किया जा सके।

तीन साल की दौड़ का अंत, डीएम से मिला समाधान

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। तीन साल से अपनी ही जमीन के मानचित्र के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे सकरापुर निवासी मनोज कुमार निगम को आखिरकार राहत तब मिली जब उन्होंने शुक्रवार को डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के जनता दर्शन में अपनी समस्या रखी। मनोज कुमार निगम दिन के पहले फरियादी थे और सुबह लगभग 9:30 बजे ही पहुँच गए थे, तीन वर्षों की थकान और मन में अंतिम उम्मीद लेकर। जिस मानचित्र के लिए वे लगातार भटक रहे थे, वह दस्तावेज डीएम के निर्देश पर मात्र एक घंटे के भीतर उपलब्ध करा दिया गया।

न्यूज डायरी

राज्यपाल ने सत्येन्द्र को किया सम्मानित

उन्नाव (अमर भारती ब्यूरो)। सर्वसमाज के चिंतक, शिक्षा के क्षेत्र में जनमानस एवं सुदूर क्षेत्रों में जन चेतना की अलख जगाने के कार्य में अग्रसर रहने वाले, ग्राम मखदूमपुर जनपद अयोध्या निवासी सत्येन्द्र द्विवेदी पुत्र स्व0 दिनेश द्विवेदी ने अयोध्या सम्बन्धित सोशल मीडिया विषय पर शोध कर पीएचडी की डिग्री हासिल किया। गरिमामई उपस्थिति एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता में महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़ श्रीमान रमेन डेका जी ने सम्मानित कर शोध उपाधि पत्र प्रदान किया। विशिष्ट अतिथि में टंकराम वर्मा जी उच्च शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ सरकार, विशिष्ट अतिथि, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय नियामक आयोग के प्रोफेसर बी.के. गोयल जी भी उपस्थित रहे। डॉ0 सत्येंद्र द्विवेदी ने जनपद व क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस अवसर पर श्री द्विवेदी जी को बधाई एवं शुभकामनाएं देने वाले व्यक्तियों का तांता लगा रहा।

पेट्रोल पंप के पास हादसे में तीन मजदूर घायल

सफीपुर (अमर भारती ब्यूरो)। कस्बे के एक पेट्रोल पंप के नजदीक शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया, जब आगे चल रही पिकअप के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रही बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय पिपरसन गांव, थाना सरोजनीनगर लखनऊ निवासी जितेंद्र (27) अपने साथी मजदूर दीन (25) एवं आरिफ (24) के साथ फतेहपुर चौरासी स्थित नवोदय विद्यालय में कार्य करने के लिए जा रहे थे। पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही पिकअप ने अचानक ब्रेक लगा दी, जिससे टक्कर से बचने की कोशिश में बाइक फिसलकर सड़क पर पलट गई। राहगीरों ने घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। तीनों युवक निर्माण कार्य में मजदूरी करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि घटना स्थल पर सड़क संकरी है और तेज रफ्तार वाहन अचानक ब्रेक लगाते हैं, जिससे ऐसी दुर्घटनाएँ होती रहती हैं।

सभी बूथों पर जमा होंगे एसआईआर फॉर्म

शुक्लागंज (अमर भारती ब्यूरो)। निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित मतदाता सूची सत्यापन अभियान को गति देने के लिए रविवार को नगर के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की गई है, जहाँ मतदाता अपने भरे हुए एसआईआर फॉर्म जमा कर सकेंगे। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी (ईओ) मुकेश मिश्रा ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरने का कार्य तेजी से चल रहा है। मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से हर बूथ पर बीएलओ की अनिवार्य मौजूदगी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं ने अपने सत्यापन फॉर्म पहले ही भर लिए हैं, वे रविवार को निर्धारित बूथ पर जाकर आसानी से अपने फॉर्म जमा कर सकते हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिकतम संख्या में मतदाता सत्यापन प्रक्रिया में शामिल हों।

मानसिक रूप से बीमार महिला ने लगाई फांसी

शुक्लागंज (अमर भारती ब्यूरो)। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के देवारा कलां गांव में शुक्रवार देर रात मानसिक रूप से बीमार महिला ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजनों की नींद खुली तो उन्होंने उसे फंदे पर लटका पाया, जिसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई। मृतका की पहचान कंचन द्विवेदी (45) पत्नी राजेश द्विवेदी निवासी देवारा कलां के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार कंचन पिछले एक वर्ष से मानसिक बीमारी से ग्रसित थीं और उनका इलाज चल रहा था। घटना वाली शाम वह अपने पति से पान मसाला मांगकर कमरे में चली गईं और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। करीब चार बजे सुबह जब परिवार जागा, तो उन्होंने कमरे में कंचन को फंदे पर लटका देखा।

शिक्षकों की समस्याएं अब समाधान की राह पर

अमर भारती ब्यूरो

उन्नाव। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन (पीएसपीएसए) का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उन्नाव से मिला और शिक्षकों तथा विद्यालय संचालन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। संगठन की ओर से सौहार्दपूर्ण स्वागत करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी को हनुमान प्रतिमा, राधा-कृष्ण सीनरी और अंगवस्त्र भेंट किए गए। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित प्रस्तावों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए कार्यालय सहायक को पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी ब्लॉक संसाधन केंद्रों पर क्रमवार मासिक बैठकें कराने, शिक्षक संगोष्ठियों में स्वयं उपस्थित रहने तथा विद्यालय निरीक्षण के दौरान 15 मिनट तक शिक्षक की अनुपस्थिति पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक कार्य के प्रति ईमानदार हैं, तो ऐसी स्थितियों को कठोरता से नहीं देखा जाएगा। संगठन द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कई प्रमुख समस्याएँ रखी गईं–अधूरे रसोईघर और मध्याह्न भोजन योजना की बाधाएँ, एल.बी.डी. कार्यशाला के लिए उपयुक्त कक्षों की कमी, जुलाई 2013 में नियुक्त बी.टी.सी. शिक्षकों की गलत वेतन-वृद्धि प्रविष्टि का सुधार, शिक्षकों की सेवा पुस्तिका में लगातार पाई जा रही त्रुटियाँ, सूचना तंत्र और व्हाट्सऐप समूहों का असंगत उपयोग, बी.एल.ओ. कार्य के दौरान शिक्षकों पर अनावश्यक दबाव व असम्मानजनक व्यवहार, डी.बी.टी. लाभ के लिए बी.आर.सी. पर आधार मशीन की आवश्यकता, आई.सी.टी./स्मार्ट क्लास उपकरणों की खराबी तथा खेल सामग्रियों की जरूरत। इन सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी ने त्वरित समाधान का भरोसा दिया। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष संजीव संखवार, जिला महामंत्री प्रदीप कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव दर्शन वर्मा, उपाध्यक्ष मनोज, संरक्षक नरेन्द्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राजदीप तथा ब्लॉक स्तर से अतुल साहू, दीपेंद्र शर्मा, नितिन शर्मा, राजेश कुमार, देवराज, सौरभ, ज्ञानेंद्र कुशवाहा और सुधीर शामिल रहे।

बैठक सौहार्दपूर्ण और सार्थक रही। एसोसिएशन ने विश्वास जताया कि बेसिक शिक्षा अधिकारी उन्नाव के सहयोग से शिक्षक हितों, विद्यालयों की व्यवस्थाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई दिशा मिलेगी।

बीएसए को सम्मानित करते शिक्षकगण (फोटोः अमर भारती)

♦पीएसपीएसए की पहल सफल, बेसिक शिक्षा अधिकारी ने त्वरित कार्रवाई का दिया भरोसा

अब हर शनिवार मनेगा शक्तिवार

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। परिषदीय स्कूलों में किशोर और किशोरियों में एनीमिया की रोकथाम को मजबूत करने के लिए कानपुर नगर जिले में एक नई पहल शुरू की गई है। अब हर शनिवार को परिषदीय स्कूलों में शक्तिवार मनाया जाएगा। इस दिन बच्चों को मनोरंजक गतिविधियों के बीच आयरन फोलिक एसिड की गोली दी जाएगी। उद्देश्य यह है कि बच्चे हर सप्ताह आयरन फोलिक का सेवन नियमित रूप से करें और एनीमिया के प्रति अधिक जागरूक बनें। चौबेपुर और शिवराजपुर ब्लॉकों के चयनित विद्यालयों में प्रोजेक्ट अम्मा के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और समुदाय के सहयोग से यह कार्यक्रम प्रारंभ हुआ है। डबल्यूआइएफएस कार्यक्रम पहले से संचालित है, लेकिन जानकारी के अभाव में कई बच्चे आयरन फोलिक की गोली नहीं लेते थे। इसी समस्या को दूर करने के लिए शक्तिवार की अवधारणा बनाई गई है, ताकि बच्चे मिड डे मील के बाद मीठी नीली गोली को उत्साह से खाएँ और इसे अपने स्वास्थ्य से जोड़ें। इसी क्रम में आज उच्च प्राथमिक विद्यालय पेम, चौबेपुर में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने शक्तिवार का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह और विटामिन एंजेल्स के कंट्री डायरेक्टर डॉ आशुतोष मिश्र भी मौजूद रहे। शुभारंभ के दौरान सीडीओ दीक्षा जैन ने कहा कि बच्चों में एनीमिया कम करना तभी संभव है जब आयरन फोलिक की गोली उनके दैनिक जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बने। शक्तिवार बच्चों को स्वास्थ्य की आदतें सिखाने का सरल और प्रभावी माध्यम बनेगा।

प्रोजेक्ट अम्मा टीम ने बताया कि शक्तिवार सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन पर आधारित है। शनिवार को मिड डे मील के बाद अध्यापक बच्चों को मीठी नीली गोली देंगे। बच्चे शक्ति मंत्र बोलेंगे और खेल कूद की कक्षा में गोली गोल पोस्ट जैसे खेल खेलेंगे। इसके साथ ही पोषक भोजन, आयरनयुक्त आहार और अच्छी आदतों से जुड़े कार्ड गेम भी बच्चों को उपलब्ध कराए जाएंगे। लक्ष्य यह है कि बच्चे खेल खेल में ही स्वास्थ्य की समझ विकसित करें और एनीमिया से दूर रहें।

कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य आशा अवस्थी ने किया। विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी और प्रोजेक्ट अम्मा की टीम उपस्थित रही।

इंजीनियरिंग संस्थान में पढ़ रहा कश्मीरी छात्र लापता

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। दिल्ली धमाके की जांच कर रही जांच एजेंसियां शहर के एक जाने माने इंजीनियरिंग संस्थान के कश्मीरी छात्र की तलाश कर रही हैं। धमाके के बाद गिरफ्त में आई डॉ. शाहीन का कानपुर कनेक्शन सामने आने के बाद जांच एजेंसियां सक्रिय हैं। इसी बीच जिले के अलग अलग शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई कर रहे कश्मीरी छात्रों की पड़ताल की जा रही है।

जांच एजेंसियों के लिए चिंता का सबब: जांच एजेंसियों ने शहर स्थित देश के जाने माने इंजीनियरिंग संस्थान में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों के बारे में जानकारी जुटाई तो एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। पता लगा कि यहां का एक छात्र बीते करीब 15 दिनों से लापता है। धमाके के पहले लापता होने और उसका पता न लग पाना जांच एजेंसियों के लिए चिंता का सबब बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियों ने शिक्षण संस्थान के कैंपस में जाकर छात्र के बारे में पड़ताल की है। वह बीते 15 दिनों से फैकल्टी व छात्रों के संपर्क में भी नहीं है। अब जांच एजेंसियां उसके कश्मीर स्थित पते पर जानकारी जुटाने की तैयारी में हैं।

♦15 दिनों से कोई संपर्क नहीं, जांच एजेंसियां कर रहीं पड़ताल

2019 में लिया था एडमिशन

बताया जा रहा है कि छात्र ने साल 2019 में दाखिला लिया था। वर्तमान में वह पीएचडी स्कॉलर है।

बताते चलें कि जिले के अलग अलग शिक्षण संस्थानों में करीब 150 कश्मीरी छात्र अलग अलग कोर्सेज में पढ़ाई कर रहे हैं। इस छात्र के लापता होने के बाद अब कश्मीरी छात्रों पर चल रही जांच और तेज हो गई है।

महिला को लूटने वाला हुआ गिरफ्तार

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। करीब एक सप्ताह पहले नौबस्ता थानाक्षेत्र में दिन दहाड़े महिला की चेन लूटकर पुलिस को चुनौती देने वाले शातिर लुटेरों को पुलिस को घेरा तो इन बदमाशों ने पुलिस पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग कर एक लुटेरो को गिरफ्तार कर लिया। जिसके पैर में गोली लगी। मौके से भागे दूसरे लुटेरे को भी पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई। बताया गया है कि 13 नवंबर को बाइक सवार दो लुटेरों ने नौबस्ता थानाक्षेत्र के तहत देवकी नगर मे दोपहर बाद एक महिला की चेन लूट ली थी। दिन दहाड़े हुई इस लूट की थाना प्रभारी श्री बहादुर सिंह ने चुनौती के रूप में लिया और लुटेरों का पता लगाने के लिये अपने मुखबिरों के साथ ही पुलिस की एक टीम को क्षेत्र में लगे सीसीकैमरों को खंगालने में लगाया था। कई कैमरे तलाशने के बाद लुटेरों के वीडियो पुलिस के हाथ लग गए। इशके बाद पुलिस ने अपनी जांच को आगे बढ़ाकर लुटेरों तक पहुंचने के लिये सादी वर्दी में पुलिस की टीम को लगाया। बताया गया है कि इस बीच गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली की यह दोनों लुटेरे एक बार नौबस्ता थानाक्षेत्र में देखे गए हैं जो किसी घटना को अंजाम दे सकते हैं इसके बाद डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी से चर्चा करने के बाद पुलिस ने इन लुटेरों की तलाश शुरू की तो रात में इनका पुलिस से सामना हो गया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बहराइच–श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच

पत्रांक : 3658/8काम/ई–टेण्डरिंग/बह0–श्राव0वृत्त/2025–26 दिनांक : 18.11.2025

अल्प कालीन ई–निविदा सूचना प्रकाशन

1. अधीक्षण अभियन्ता, बहराइच–श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में 'ए, बी एवं सी' श्रेणी मार्ग कार्य के पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद बहराइच के निम्न वर्णन के अनुसार कार्य की निविदा प्रतिशत दरों के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा की लागत (बिना जी0एस0टी0) (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क + स्टेशनरी शुल्क + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
विधान सभा–मटेरा						
1	बहराइच	वित्तीय वर्ष 2025–26 में भगवानपुर माफी सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	43.90	4.20	2715.00	02 माह

2. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड–सबमिट करने का माध्यम–

(क) बिड डाक्यूमेन्ट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25.11.2025 से 05.12.2025 तक उपलब्ध रहेगी, जो आन–लाइन इस साइट पर ही सबमिट की जायेगी।

(ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेब–साइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आन–लाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।

(ग) ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 05.12.2025 दोपहर 12.00 बजे तक एवं टेकनिकल क्वालिफिकेशन पार्ट–1 दिनांक 05.12.2025 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, बहराइच–श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच में खोला जायेगा। विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in देखा जा सकता है।

(घ) निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा विवरण वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेंडिरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि 05.12.2025 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धि पत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

(इं0 अमर सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बहराइच

(इं0 अजय भास्कर)
अधीक्षण अभियन्ता
बहराइच–श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच

Ro. No. 240998, Date: 20.11.2025, Website: www.up.gov.in

छात्रा ने फंदे से लटककर दी जान

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। तुम्हें अब पसंद नहीं करती हूं, तुम्हारा दोस्त क्रिश पसंद हैं। तुम्हें मरना है तो मर जाओ, प्रेमिका की यह बातें सुनकर 12वीं के छात्रा ने कमरे में फंदे से लटककर जान दे दी। इकलौते बेटे का शव फंदे से लटका देख मां चीखी और बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ी। प्रेमी-प्रेमिका के बीच बातचीत का यह ऑडियो मिलने पर नौबस्ता पुलिस ने छात्र का मोबाइल कब्जे में लिया है। फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की। छात्र के पिता ने कन्नौज की रहने वाली लड़की पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर पुलिस से शिकायत की है। यशोदानगर के ओ-ब्लाक निवासी नीरज राय का कानपुर देहात में ढाबा है। परिवार में पत्नी मंजू, दो बेटियां वंशिका व नाभिका हैं और 17 वर्षीय इकलौता बेटा हृदय राय 12वीं का छात्र था। पिता ने बताया कि बेटा मां भारती इंटर कालेज में पढ़ता था और रविवार को ढाबा संभालता था। बुधवार रात करीब 11.30 बजे वह कमरे में सोने गया था, लेकिन लाइट जलती देख उसकी मां बंद करने पहुंचीं तो बेटे को चादर के फंदे से लटका देखा। जोर से चीखने के बाद वह बेसुध होकर जमीन पर गिर गई। चीख सुनकर दोनों बेटियां और पड़ोसी पहुंचे। फंदे से शव उतारा गया, लेकिन तब तक बेटे की सांसें थम चुकी थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की। पिता के अनुसार बेटे के मोबाइल में एक ऑडियो मिला है, जिसमें उसकी प्रेमिका से बातचीत रिकार्ड है। वह कह रही है कि मैं तुम्हें अब पंसद नहीं करती हूं, छोड़ना चाहती हूं। मैं तुम्हारे दोस्त क्रिश से बात करना चाहती हूं, तुम जो चाहो करो। इस पर बेटा कहता है कि तुमने पहले क्यों नहीं बताया, मैं मर जाउंगा। जवाब में लड़की कहती है, मर जाओ। पिता के अनुसर इंस्टाग्राम में बेटे व उसकी प्रेमिका की चैटिंग भी है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
अनुरक्षण खण्ड नं0–1 (सिविल),
लो0नि0वि0, लखनऊ।

अल्पकालीन निविदा सूचना

पत्रांक– 3526/टेण्डर/2025 दिनांकः–20.11.2025

1– महामहिम राज्यपाल महोदया, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड नं0–1 (सिविल), लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो की प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग क्लासें ए/बी/सी/डी में भवन कार्य हेतु पंजीकृत ठेकेदार निविदा डालने के योग्य होंगे।

क0 सं0	जिला	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अधिशासी अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लखनऊ	राजभवन स्थित गुलमोहर कालोनी के टाइप–। व टाइप–।। में रंगाई–पुताई एवं अन्य सिविल कार्य।	4.00	0.40	677.00	6 माह	अधिशासी अभियन्ता, अनु0 खण्ड नं0–1 (सि0), लो0नि0वि0, लखनऊ।
2	लखनऊ	राजभवन स्थित आवासीय (ब्लाक–ए, बी, एफ, जे व के) एवं अनावासीय भवनों के अन्तर्गते में रंगाई–पुताई एवं अन्य सिविल कार्य।	4.00	0.40	677.00	6 माह	अधिशासी अभियन्ता, अनु0 खण्ड नं0–1 (सि0), लो0नि0वि0, लखनऊ।

निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता जिनका उल्लेख उक्त तालिका के स्तम्भ–8 में किया गया है, के कार्यालय में पूर्वाह्न 10:00 से अपरान्ह 05:00 बजे तक **दिनांक 25.11.2025 से 02.12.2025 तक निविदाएं बेची जायेगी तद्दिनांक 02.12.2025 को अपराह्न 02:30 बजे** तक जमा की जा सकती है, जिनको उसी कार्य दिवस में **दिनांक 02.12.2025 को 03:00** बजे जिलाधिकारी के कार्यालय में इच्छुक निविदाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने की तिथि को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा और खोलने के समय, स्थल तथा वैधता में कोई परिवर्तन नहीं होगा। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण इस कार्यालय से उपरोक्त तिथियों में देखा जा सकता है।

(उमाकान्त पाण्डेय)
अधिशासी अभियन्ता
अनुरक्षण खण्ड नं0–1 (सिविल)
लो0नि0वि0, लखनऊ।

Ro. No. 241182, Date: 21.11.2025
Website: www.up.gov.in

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बाराबंकी

पत्र संख्या–3495 /10 ए0/2025–26 दिनॉकः 18.11.25

:–अति अल्पकालीन निविदा सूचनाः–

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बाराबंकी द्वारा लोक निर्माण विभाग में केवल रोड साइनेज वर्ग में यथालागू ए, बी0, सी0 एवं0 डी0 श्रेणी में पंजीकृत पात्र एवं अनुमोदित ठेकेदारों से उत्तर प्रदेश सरकार के वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्रतिशत के आधार पर आनलाइन निविदा आमंत्रित करते हैं। बिडर्स को सलाह दी जाती है कि वे ठेका प्राप्त करने से सम्बन्धित न्यूनतम योग्यता के मानदण्ड इन्सट्रक्शन टू बिडर्स से नोट कर लें।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	आगणित धनराशि (लाख रू0 में)	बिड सेक्योरिटी (लाख रू0 में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्य कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	जिलाधिकारी का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1–	बाराबंकी	कोठी–औशानेश्वर–हैदरगढ़ मार्ग (अ0जि0मा0) के चैनेज 0.000 से 7.824 तक सड़क सुरक्षा का कार्य।	11.27	1.13	844.00	03 महीना	अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बाराबंकी	अधीक्षण अभियन्ता अयो0अ0 वृत्त, लो0नि0वि0 अयोध्या	जिलाधिकारी बाराबंकी,	मुख्य अभियन्ता अयो0क्षे0, लो0नि0वि0 अयोध्या

2. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदायें प्रकाशित होने की तिथि :– दिनांक 25–11–2025 से पूर्व।

3. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड–सबमिट करने का माध्यम–

(क) बिड डाक्यूमेन्ट आनलाइन दिनांक 25–11–2025 से 05–12–2025 तक उपलब्ध रहेगी, जो आनलाइन http://etender.up.nic.in पर ही सबमिट किया जायेगा।

(ख) ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 05–12–2025 दोपहर 12.00 बजे तक एवं टेकनिकल क्वालिफिकेशन पार्ट–1 दिनांक–05–12–2025 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बाराबंकी में खोली जायेगी। विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in देखा जा सकता है।

(घ) तकनीकी निविदा खोलने की 03 कार्य दिवस बाद वित्तीय निविदा खोली जायेगी। त्रुटिपूर्ण/Non Qualitative अनावश्यक शिकायत पाये जाने पर निविदादाता के विरूद्ध ब्लैकलिस्टिंग की कार्यवाही की जायेगी।

(अजीत कुमार सोनकर)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
बाराबंकी

Ro. No. 240992, Date: 20.11.2025
Website: www.up.gov.in

गन्ना अधिकारियों ने पूरनपुर चीनी मिल का किया निरीक्षण

अमर भारती ब्यूरो

पीलीभीत/पूरनपुर। जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने शनिवार को किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर के मिल गेट और यार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मिल पहुंचे किसानों से ताजा, अगोला रहित और जड़-पत्ती से मुक्त गन्ने की आपूर्ति करने का अनुरोध किया, ताकि मिल में पेराई सुचारु रूप से चलती रहे।

जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि पूरनपुर चीनी मिल मौजूदा पेराई सत्र में सुचारु रूप से संचालित है। किसानों को पर्याप्त संख्या में एसएमएस पर्चियां उनके मोबाइल पर भेजी जा चुकी हैं। इस सत्र के लिए मिल गेट सहित कुल 14 गन्ना क्रय केंद्र आवंटित किए गए हैं, जो सभी केंद्र वर्तमान में संचालित हैं। सभी केंद्रों पर तौल का कार्य लाइसेंस प्राप्त तौल लिपिकों द्वारा कराया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों केलिए मानक बाट और निरीक्षण

♦ताजा और स्वच्छ गन्ना आपूर्ति की अपील
♦जनपद की तीन चीनी मिलें संचालित, अब तक 17.42 लाख कुंतल गन्ना की हुई खरीद

पुस्तिका मिल गेट तथा सभी बाह्य क्रय केंद्रों पर उपलब्ध पाई गई। जनपद की पीलीभीत, बरखेड़ा और पूरनपुर चीनी मिलें वर्तमान में संचालन में हैं। अब तक 37,371 किसानों से प्रतिदिन लगभग 1.93 लाख कुंतल गन्ना आपूर्ति की जा रही है। कुल 17.42 लाख कुंतल गन्ना खरीद किया जा चुका है।अधिकारी ने बताया कि बीसलपुर चीनी मिल भी 24 नवंबर से पेराई शुरू कर देगी। सभी सचिवों और ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को फील्ड में लगातार भ्रमण कर स्थितियों की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

किसानों से अपील की गई कि तौल कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे समिति के सचिव या चीनी मिल अधिकारियों से सीधे संपर्क करें।निरीक्षण के समय त्रिवेणी पाल, प्रमुख प्रबंधक; अजय यादव, मुख्य गन्ना अधिकारी; तथा स्थानीय गन्ना किसान रतन लाल, खूब लाल, अवनीश कुमार, वेद प्रकाश मिश्रा सहित कई किसान मौजूद रहे।

कोतवाली सदर में जिलाधिकारी ने सुनी शिकायतें

पीलीभीत (अमर भारती)। थाना समाधान दिवस पर कोतवाली सदर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निपटारा समयबद्ध होना चाहिए और किसी भी दशा में मामला लंबित न रहे।जनसुनवाई में आए आपसी विवादों पर उन्होंने लेखपाल और पुलिस कर्मचारियों को मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाकर समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कोतवाली प्रभारी को यह भी कहा कि राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर तत्काल फील्ड में जाकर समस्याओं का निस्तारण किया जाए।

दो बाइकों की भिड़ंत में पांच लोग घायल

रूदौली (अमर भारती)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत शुजागंज, में गया दत्त राजनरायण जन विकास इंटर मीनापुर के समीप दो बाइकों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई, जिससे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।पहली बाइक पर सवार युवक और लड़की बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार युवक बैलाईया गांव का निवासी था,जो अपनी पत्नी के साथ ससुराल आया था। दुर्घटना में उसकी पत्नी को चोटें आई हैं। युवक और उसकी पत्नी दोनों को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।दूसरी बाइक पर तीन लोग सवार थे, जिनमें एक लड़की बाइक चला रही थी। वह दरियापुर की निवासी बताई जा रही है, जबकि उसके साथ उसकी मां और बहन भी बाइक पर सवार थीं। इस दुर्घटना में तीनों को चोटें आई हैं।पुलिस की तत्परता्घटना की जानकारी मिलने पर शुजागंज पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों बाइकों के सवारों को नजदीकी अस्पताल भेजवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित परिवार को मिले हर संभव मददः महामंडलेश्वर

अमर भारती ब्यूरो

पीलीभीत। शनिवार को बरखेड़ा विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने ग्राम पंचायत सेखापुर भैंसाई में आग लगने की घटना के बाद मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार की स्थिति का जायजा लिया।

क्षेत्रवासियों से मिली सूचना के बाद वे तत्काल गांव पहुंचे, जहां आग से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के मकान में भारी नुकसान हुआ था। विधायक ने प्रभावित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने मौके से ही एसडीएम बीसलपुर से वार्ता कर पीड़ित परिवार को शासन से उचित मुआवजा दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही सरकार की आपदा राहत प्रावधानों के तहत पीड़ित परिवार को आवास योजना में प्राथमिकता देते हुए लाभ उपलब्ध कराने की बात भी उठाई। घटना स्थल का निरीक्षण करने के बाद विधायक ने ग्रामवासियों के साथ बैठक की। उन्होंने मतदाता गहन पुनरीक्षण (स्धृक्र) अभियान के बारे में ग्रामीणों को जानका--री दी और उन्हें इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में एक-दूसरे की सहायता करने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों ने आग की घटना से हुए नुकसान की जानकारी साझा की और शीघ्र राहत उपलब्ध कराने की मांग की। विधायक ने आश्वस्त किया कि प्रशासनिक स्तर पर हर जरूरी सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

एसडीएम मिल्कीपुर की गाड़ी डिवाइडर से टकराई

अयोध्या (अमर भारती)। अयोध्या-रायबरेली हाईवे पर शुक्रवार शाम बड़ा हादसा हो गया। मिल्कीपुर के एसडीएम की सरकारी गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। गाड़ी में नायब तहसीलदार भी सवार थे। इस हादसे में ड्राइवर समेत तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एसडीएम के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं, जबकि चालक के शरीर पर भी कई जगह गहरी चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे तीनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। सरकारी गाड़ी से अयोध्या जा रहे थे मिल्कीपुर के उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार, नायब तहसीलदार रंजन वर्मा सरकारी गाड़ी से अयोध्या जा रहे थे। गाड़ी ड्राइवर शिव नारायण यादव चला रहा था। जैसे ही कार नौवां कुआं ओवरब्रिज पर पहुंची, अचानक डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गाड़ी बेकाबू होकर सड़क पर दूर तक घिसटती चली गई। हादसे में एसडीएम सुधीर कुमार, नायब तहसीलदार रंजन वर्मा और ड्राइवर शिव नारायण यादव घायल हो गए।

न्यूज डायरी

खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है परिवार

रुदौली (अमर भारती ब्यूरो)। तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जरायल कला (उसरी) लगभग दर्जनों बीघा घूर गढ्डा खलिहान के नाम राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। दो दर्जन परिवार के लगभग दो दशक पहले से घासफूस का आशियाना बनाकर अपना जीवन यापन करते है।बताया जाता है नियाज अली पुत्र दीन मोहम्द के द्वारा दीवार खड़ी कर ऊपर टिन सेट डालकर जीवन यापन कर रहे थे। लेकिन पूर्ण होने के कारण टिन शेड टूट गया।नया टिन शेड रख रहे थे कि कुछ अराजक तत्वों के द्वारा मामले की शिकायत हल्का लेखपाल महेंद्र वर्मा से की गई मौके पर पहुंचे महेंद्र वर्मा के द्वारा नियाज अली को टिन शेड न रखने की हिदायत दी। इंडिया में कितने बताया कि हल्का लेखपाल के द्वारा तीन सेट रखने पर घर गिरवा देने की धमकी भी दी गई है जबकि मेरे द्वारा इतना बताया गया की लगभग दो दशक पूर्व से ही हम लोग यहां पर आशियाना बना कर रह रहे है। कोई अवैध कब्जा करने की हमारी नियत नहीं है एक सप्ताह से पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे रहने के लिए मजबूर है फिलहाल मामले को लेकर एसडीएम संतोष कुमार द्वितीय से संपर्क करना चाह लेकिन बात नहीं हो सकी। जबकि जबकि प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट आदेश पारित है कि कोई भी आदमी खुले आसमान के नीचे नहीं रहेगा उसके बावजूद भी हल्का लेखपाल की उदासीनता के चलते आज एक परिवार खुले आसमान के नीचे रहने के लिए मजबूर है। नियाज अली के द्वारा समाचार पत्र के माध्यम के टिन शेड रखवाने की मांग की है।

16 मामलों के सापेक्ष एक का हुआ निस्तारण

मिल्कीपुर (अमर भारती ब्यूरो)। शनिवार को इनायत नगर थाना परिसर में आयोजित थाना समाधान दिवस में कुल 16 शिकायतें पेश की गईं, जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शिकायतों में 9 राजस्व विभाग तथा 7 पुलिस विभाग से संबंधित रहे। समाधान दिवस में उपनिरीक्षक अमर बहादुर सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए निस्तारण की प्रक्रिया शुरू कराई। दिवस में सुरेंद्र पुत्र सतगुरु निवासी जमोलिया उरुवा वैश्य ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 21 नवंबर को गड़भड़िया के निकट शराब ठेके के पास अछोरा निवासी मोनू ने उन्हें शाम 6:30 बजे रोककर जाति सूचक गालियां देते हुए लात-घूंसों से मारा-पीटा। शोर सुनकर जब लोग मौके पर पहुंचे तो युवक वहां से फरार हो गया। शिकायत पर पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं जयप्रकाश तिवारी पुत्र राम अचल तिवारी निवासी सिंधौरा ने रेवना गांव स्थित चकमार्ग गाटा संख्या 2276 की नाप-जोख कर अलग करवाने की मांग की। उनका कहना था कि मार्ग बाधित होने से खेत तक कृषि यंत्र ले जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अधिकारियों ने कहा कि शेष शिकायतों का जल्द निस्तारण कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को न्याय मिल सके।

पेंशन की समस्याओं के निस्तारण के लिए लगा कैम्प

अमेठी (अमर भारती ब्यूरो)। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी (अ0प्रा0) विंग कमान्डर अखिलेश पाण्डेय ने बताया कि जनपद के भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की पेंशन से सम्बन्धित समस्याओं के निस्तारण हेतु स्टेशन हेडक्वार्टर अयोध्या द्वारा दिनांक 28 नवम्बर 2025 को पूर्वान्ह् 11 बजे से जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, गौरीगंज में कैम्प लगाया जायेगा। इस क्रम में उन्होंने बताया कि जिन भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की पेंशन से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की कोई समस्या हो तो वे अपनी सेना की डिस्चार्ज बुक, पी0पी0ओ0, आधार कार्ड, पैन कार्ड व जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा जारी पहचान पत्र के साथ उक्त नियत तिथि, समय व स्थान पर उपस्थित होकर अपनी पेंशन से सम्बन्धित समस्या का निस्तारण करा सकते है।

नेताजी के जन्मदिन पर बांटे गये कम्बल

सोहावल (अमर भारती ब्यूरो)। समाजवादी आंदोलन के महान पुरोधा, समाजवादी पार्टी के संस्थापक, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्म विभूषण से सम्मानित माननीय नेताजी मुलायम सिंह यादव जी की जयंती के अवसर पर आज बीकापुर विधानसभा से समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी हाजी फिरोज़ खान उर्फ गब्बर ने बड़ी संख्या में ज़रूरतमंद महिलाओं को कम्बल वितरित किया।इस अवसर पर हाजी फिरोज़ खान उर्फ गब्बर ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य नेताजी के सेवा, संवेदना और समाजवादी विचारधारा से प्रेरणा लेते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक सहायता पहुँचाना है।हाजी फिरोज़ खान उर्फ गब्बर ने कहा कि आज नेता जी के जन्मदिन पर हम सब प्रण लेते हैं कि आने वाले समय अखिलेश यादव जी को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प दोहराते हैं।

नौ साल की सेवा के बाद ठेका कर्मी का नवीनीकरण रद्द

सुलतानपुर (अमर भारती)। एक ओर सरकारें मंचों पर ठेका कर्मचारियों के भविष्य सुधार अभियान के बड़े-बड़े वादे करती दिखाई देती हैं। निगम बन रहे हैं, योजनाएँ तैयार हो रही हैं, और घोषणाएँ इतनी कि पोस्टर भी थक जाए। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ बौर ही बयां कर रही है। सुल्तानपुर ब्लड बैंक में पिछले 9 वर्षों से कार्यरत वार्ड बॉय संदीप मिश्रा का नवीनीकरण अचानक रोक दिया गया और वजह? संदीप का आरोप है कि उन्होंने रिश्वत देने से इनकार कर दिया। संदीप मिश्रा के मुताबिक मै 9 साल से ब्लड बैंक में वार्ड बॉय की ड्यूटी कर रहा हूँ। न कोई शिकायत, न कोई विवाद। फिर भी कंपनी ने मेरा नवीनीकरण नहीं किया। बाकी सभी लोगों का नाम सूची में आ गया, सिर्फमेरा नहीं। जब मैंने कारण पूछा तो इशारों में टोकन की बात कही गई। मेरे पास रिश्वत देने का पैसा नहीं था, इसलिए मेरा नाम काट दिया गया। संदीप बताते हैं कि उन्होंने लखनऊ जाकर कंपनी के ऑफिस में अपना शैक्षिक प्रमाणपत्र, अनुभव प्रमाणपत्र, सभी जरूरी दस्तावेज जमा किए। फिर भी उन्हें सूची से बाहर कर दिया गया।

महिलाओं को जिन्दा जलाने पर एक और को हुई उम्रकैद

अमर भारती ब्यूरो

अयोध्या। अपर जिला जज प्रदीप सिंह की अदालत ने शुक्रवार को खंडासा थाना क्षेत्र से जुड़े एक जमीनी विवाद में महिलाओं को जिन्दा जलाकर मार डालने के मामले में एक आरोपित को उम्र कैद की सजा सुनाई है। साथ ही एक लाख दस हजार रूपये का अर्थदंड भी लगाया है। लगभग तीन दशक पुराने इस मामले में अदालत पहले ही दो आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है।31 वर्ष पूर्व खंडासा थाना क्षेत्र के पूरे भाले सुल्तान गांव में जमीन के बंटवारे के विवाद में एक घर में आगजनी हुई थी।

घटना में भानुमति और चंद्रावती की मौके पर मौत हो गई थी तथा गंभीर रूप से झुलसी प्रभु देई ने इलाज के दौरान घटना के डेढ़ माह बाद दम तोड़ दिया था। प्रकरण में उर्मिला देवी ने चार अप्रैल 1994 को घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश चंद्र देवरस ने बताया कितहरीर में कहा गया था कि घटना के दिन उसके पति थाने जाने की बात बताकर बेटे रमेश के साथ घर से निकले थे। दोनों वापस घर नहीं लौटे और इसी बीच लगभग नौ बजे दिन में विपक्षी ने विवादित जमीन में दीवाल का निर्माण शुरू कर दिया। रोकने पर अजीत सिंह, विश्वनाथ सिंह,सूर्यनाथ सिंह,अमर बहादुर सिंह, बदलू सिंह, करिया सिंह, नईम, जाबिर अली, कमलेश सिंह, प्रदीप सिंह तथा त्रिभुवन सिंह ने विनय और उनके चाचा पर हमला बोल दिया। वह लोग जान बचाकर भागे तो घर में आग लगा दी। उन्होंने बताया कि मामले में एक आरोपित त्रिभुवन सिंह आठ अगस्त 2005 को फरार हो गया था। अपर जिला जज दीनानाथ ने 25 अक्टूबर 2005 को कमलेश सिंह व प्रदीप सिंह को आजीवन कारावास तथा प्रत्येक को 37 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी और अन्य अभियुक्तों को दोष मुक्त कर दिया था। अक्टूबर 2024 में जितेंद्र के अदालत में सरेंडर करने के बाद उसके खिलाफ विचारण शुरू हुआ।

मतदाता सूची के प्रपत्र समय पर अपलोड करने के निर्देश

पीलीभीत (अमर भारती)। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सदर तहसील और नगर पंचायत न्यूरिया कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत उन्होंने डिजिटाइजेशन कार्यों की प्रगति का अफसरों से विस्तृत विवरण लिया और निर्धारित समय सीमा में सभी गणना प्रपत्रों के शत-प्रतिशत अपलोडिंग के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पंचायत न्यूरिया में कुल मतदाताओं और जमा किए गए फॉर्मों की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और कोटेदारों को घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने और जमा कराने के निर्देश दिए। साथ ही नगर में कैम्प लगाकर लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने को कहा।इसके बाद अधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय पकड़िया नौगवा का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने बीएलओ से घर-घर फॉर्म वितरण की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर, उप जिलाधिकारी अमरिया, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सुपरवाइजर और बीएलओ मौजूद रहे।

लिटिल एंजेल्स स्कूल में बहुप्रतीक्षित फुटबॉल टर्फ ग्राउंड का शुभारंभ

अमर भारती ब्यूरो

पीलीभीत। लिटिल एंजेल्स स्कूल में लंबे समय से प्रतीक्षित फुटबॉल टर्फ ग्राउंड का उद्घाटन शनिवार को उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। विद्यालय की छत पर बनाए गए इस आधुनिक टर्फ ग्राउंड का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधक डॉ. संजीव अग्रवाल, प्रधानाचार्य एन.सी. पाठक, कार्यकारी निदेशक उज्ज्वल अग्रवाल, उपप्रधानाचार्या अंजू सक्सेना और हेड मिस्ट्रेस नीना मेहरोत्रा ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया।

उद्घाटन के बाद विद्यालय के नन्हे फुटबॉल खिलाड़ियों ने एक फाइव-ए-साइड दोस्ताना मैच खेला, जिसे देखकर उपस्थित जनों में खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने नए टर्फ पर खेलते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और इस नई सुविधा को लेकर अत्यंत उत्साहित नजर आए।उद्घाटन समारोह में विद्यालय प्रबंधक डॉ. संजीव अग्रवाल ने कहा कि इस टर्फ ग्राउंड को बनाने की योजना काफी समय से चल रही थी, जो अब पूरी होकर बच्चों के लिए उपलब्ध हो गई है। उन्होंने कहा कि इस ग्राउंड पर फुटबॉल के साथ-साथ अन्य कई खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा सकेगा, जिससे विद्यार्थियों को खेलों में प्रगति करने का उत्कृष्ट अवसर मिलेगा।विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस नए स्पोर्ट्स सेटअप से बच्चों के संपूर्ण विकास में मदद मिलेगी और खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया।

मुलायम सिंह की मनाई गई जयंती

अमर भारती ब्यूरो

पीलीभीत। नकटादाना स्थित केजीएन-2 कॉलोनी में लोकसभा सपा कार्यालय पर शनिवार को समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश तथा पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नेता जी को उनके योगदानों के लिए नमन करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि मुलायम सिंह यादव भारतीय राजनीति के एक ऐसे प्रखर नेता थे जिनकी सक्रियता, संघर्ष और जनसमर्पण आज भी प्रेरणा देते हैं। उन्होंने समाजवादी आंदोलन को मजबूती दी और पिछड़े वर्गों, किसानों, मजदूरों तथा वंचित समुदायों के हितों को हमेशा प्राथमिकता दी। वे पद्म विभूषण से सम्मानित हुए और अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उत्तर प्रदेश की राजनीति को नई दिशा प्रदान की।सपा वरिष्ठ नेता अशोक शमशा एडवोकेट ने कहा कि मुलायम सिंह यादव का परिवार भी राजनीति में सक्रिय रहा है,

♦पिछड़े वर्गों के हित और नेताजी के संघर्षों को नेताओं ने किया स्मरण

जिनमें अखिलेश यादव और शिवपाल यादव प्रमुख हैं। नेता जी को एक सक्षम और जमीन से जुड़े नेता के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने गरीबों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए अनेक कार्य किए। कार्यक्रम का संचालन सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने किया। सभी नेताओं ने मुलायम सिंह यादव के जीवन, उनके संघर्ष और विचारधारा पर अपने विचार साझा किए। जयंती कार्यक्रम के उपरांत खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों को खिचड़ी वितरित की गई।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा, जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर, हाजी अकबर अहमद अंसारी, बालक राम सागर, 128 बरखेड़ा अध्यक्ष विनोद वर्मा, सतेन्द्र मौर्य, नरेश सागर, धनपति वर्मा एडवोकेट, विशाल वाल्मीकि, हरगोविंद गंगवार, मोहम्मद याकूब अंसारी, संदीप सक्सेना, शराफत यार खां एडवोकेट, गुरविंदर सिंह गिल, गोविंद पांडे एडवोकेट, रमेश राजा, दिलीप कुमार, शांतिस्वरूप वर्मा, आशुतोष कुमार, सुमित कुमार, कमलेश कुमार, अजय वर्मा, रजनीश यादव, अशरफ अली, सलीम अंसारी, इंद्रवीर सिंह, मुनेंद्र पाल, रामौतार वर्मा सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिलाओं और बालिकाओं को योजनाओं की दी गई जानकारी

अमर भारती ब्यूरो

अमेठी। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत शुक्रवार को स्वामी बालका नन्द माध्यमिक विद्यालय, महिमापुर विकास खण्ड गौरीगंज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देशानुसार तथा उपजिलाधिकारी प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी सात्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बालिका सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं – बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, वन स्टॉप सेंटर, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य कोविड स्पॉन्सरशिप योजना एवं पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना की जानकारी देते हुए पम्पलेट वितरित कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इसके साथ ही बच्चों में कुपोषण, स्वास्थ्य, बाल श्रम, शिक्षा, पोषण तथा सामाजिक एवं क्षेत्रीय असमानता जैसे मुद्दों पर परिचर्चा की गई। उपस्थित छात्राओं व महिलाओं को बच्चों से संबंधित योजनाओं के लाभ एवं प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में सभी बालिकाओं एवं महिलाओं को मिशन शक्ति का फोल्डर एवं पम्पलेट भी प्रदान किए गए।

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सहायता को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में हेल्पलाइन नंबरों महिला हेल्पलाइन 181, एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930, वूमेन पावर लाइन 1090 एवं आपातकालीन सेवा 112 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। कार्यक्रम में आउटरीच कार्यकर्ता गुलाब चन्द्र एवं दिनेश कुमार मौजूद रहे।

वाकथान के जरिए छात्राओं ने धर्मपथ पर बिखेरा स्वच्छता का संदेश

अयोध्या (अमर भारती)। शनिवार को धर्मपथ पर सैकड़ो छात्राओं ने वाकथान कर स्वच्छता का संदेश बिखेरा। इस लघु मैराथन का आयोजन नगर निगम अयोध्या ने किया। सुबह लगभग 10 बजे शुरू हुए वाकथान की अगुवाई महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार के साथ की।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि नगर निगम एवं लाडली फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पार्षद अनुज दास, महेंद्र शुक्ल, अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ एवं भारत भार्गव, सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडे, जोनल अधिकारी अशोक गुप्त, अवध विश्वविद्यालय के प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. प्रतिभा, डॉ. गरिमा, डॉ. अमित सिंह, डॉ. प्रत्याशा, जीआईसी की प्राचार्य कुसुमलता, आकाश सिंह आदि शामिल रहे। वाकथान में अवध विश्वविद्यालय से जुड़े एनसीसी कैडेट के अलावा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की 251 छात्राओं ने हिस्सा लिया नयाघाट स्थित लता चौक से शुरू हुआ वाकथान बाईपास स्थित अयोध्या प्रवेश द्वार पर पहंचकर समाप्त हो गया। यहां छात्राओं से संवाद कर महापौर ने स्वच्छता संबंधी टिप्स दिए।

चार माह के दुधमुंहे की आंख बचाई, मां की दुआएं बनीं सम्मान

अमर भारती ब्यूरो

सुलतानपुर। हजार सर्जरी का सफर और मानवता की मिशाल स्वशासी राजकीय महाविद्यालय की नेत्र सर्जन एवं सहायक प्राचार्य डॉ. शिवप्रिया गुप्ता न केवल अपनी दक्षता के लिए बल्कि अपनी संवेदनशीलता और मानवता के लिए भी जानी जाती हैं। बीते एक वर्ष में उन्होंने लगभग 1000 सफल नेत्र सर्जरी कर चिकित्सा जगत में एक अलग पहचान बनाई है। इनमें से 180 सर्जरी अत्याधिक जटिल श्रेणी में थीं, जिन्हें उन्होंने अपनी कुशलता और धैर्य से सफलतापूर्वक अंजाम दिया। बीते दिन मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग में एक पीड़ित मां रोती-बिलखती पहुंची।

उसके चार माह के बच्चे की आंख में पिज्जा का कण फंस गया था। आंख पूरी तरह बंद हो चुकी थी और अंदर खून जम गया था। पीड़ा से तड़पते बच्चे को देखकर मां डॉक्टर शिवप्रिया गुप्ता के सामने गिड़गिड़ाने लगी। डॉ. शिवप्रिया ने पहले मां को ढाढ़स बंधाया और

विश्वास दिलाया कि बच्चा पूरी तरह ठीक हो जाएगा। ओपीडी में ही मात्र 20 मिनट की प्रक्रिया में उन्होंने बच्चे की आंख से पिज्जा का कण बाहर निकाला, आंख की सफाई की और दवा देकर बच्चे को तुरंत आराम दिला दिया। कुछ ही देर में बच्चे की आंख पूरी तरह खुल गई और दर्द गायब हो गया। डॉ. शिवप्रिया गुप्ता अपनी सटीक सर्जरी, उत्कृष्ट परामर्श और मानवीय व्यवहार के कारण आज मरीजों की पहली पसंद बन चुकी हैं। कम समय में उच्च सफलता दर और कठिन से कठिन नेत्र सर्जरी करने की उनकी क्षमता ने उन्हें जिले ही नहीं, प्रदेश के लोकप्रिय डॉक्टरों में शामिल कर दिया है। अपनी मेधा, अनुभव और संवेदनशीलता के कारण डॉ. शिवप्रिया उन विरले डॉक्टरों में हैं जो मरीजों की आंखों में सिर्फरोशनी ही नहीं लौटातीं, बल्कि उनके दिलों में विश्वास भी जगाती हैं। उनका यह मानवीय और चिकित्सकीय योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

सरकारी पिस्टल लूटकांड में चार आरोपी गिरफ्तार

सुलतानपुर (अमर भारती)। हलियापुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सरकारी पिस्टल लूटकांड में वांछित चल रहे चार आरोपियों को धर-दबोचा। उनके कब्जे से लूटी गई सरकारी पिस्टल मय मैगजीन, 10 कारतूस, दो मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त एक धारदार हथियार (गड़ासी), एक डंडा तथा बोलेरो वाहन को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में शिवम सिंह, अखिलेश सिंह उर्फअखिल, प्रमिला सिंह और शिवानी सिंह, सभी निवासी ग्राम डोभियारा थाना हलियापुर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई के उपरांत अदालत में पेश किया। गिरफ्तारी के दौरान ही लूटी थी सरकारी पिस्टल। बता दें कि थाना कुमारगंज जनपद अयोध्या पुलिस वांछित आरोपी आदर्श सिंह की गिरफ्तारी के लिए डोभियारा गांव में दबिश देने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। हमले में पुलिस को चोटें आई थीं तथा दारोगा आकिल हुसैन की सरकारी पिस्टल, सरकारी मोबाइल और निजी मोबाइल छीनकर आरोपी आदर्श सिंह को छुड़ाकर भाग निकले थे। पुलिस के अनुसार फरार चल रहे आरोपी आदर्श सिंह की गिरफ्तारी के लिए दबिशें जारी हैं। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष तरुण कुमार पटेल सहित उपनिरीक्षक कैलाश सिंह यादव, उपनिरीक्षक रामधनी वर्मा, उपनिरीक्षक भगौती प्रसाद, हेड कांस्टेबल बृजेन्द्र पाल सिंह, कांस्टेबल शीलू राठौर, दीपक साह व महिला कांस्टेबल संध्या शाक्य शामिल रहे।

पुरुष नसबंदी पखवाड़ा शुरू दो सारथी वाहन हुए रवाना

पीलीभीत (अमर भारती)। पुरुष नसबंदी पखवाड़े की शुरुआत के तहत जिले में शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से दो सारथी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वाहन शहर और गांव दोनों क्षेत्रों में पुरुष नसबंदी एवं परिवार नियोजन के संदेशों का प्रचार-प्रसार करेंगे। वाहनों में परिवार नियोजन सामग्री – जैसे निरोध, आकस्मिक गर्भनिरोधक गोली और गर्भावस्था जांच किट – उपलब्ध कराई गई हैं, जिन्हें आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से इच्छुक लाभार्थियों को वितरित किया जाएगा। साथ ही माइकिंग के जरिए पुरुष नसबंदी के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी। पुरुष नसबंदी पखवाड़ा 21 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक चलेगा। इस दौरान सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के तहत आने वाले गांवों में सारथी वाहन पहुंचकर जागरूकता बढ़ाएंगे।उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि पुरुष नसबंदी बिना चीरा और बिना टांके की जाने वाली सुरक्षित स्थायी विधि है, जिसमें लाभार्थी केवल दो घंटे बाद सामान्य रूप से घर जा सकता है और उसे किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती।

जिले की एक प्रतिभा फलक पर छाने को तैयार

अमर भारती ब्यूरो

सुल्तानपुर। एक और होनहार क्रिकेट खिलाड़ी का सलेक्शन यूपी टीम में हो गया है। अंडर 23 की टीम में जिले के खिलाड़ी के चयन होने से खिलाड़ियों समेत प्रशंसकों में हर्ष का माहौल है परिवार को बधाई देने वालों का ताता लगा रहा।

बताते चले बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर 23 प्रतियोगिता के लिए सुल्तानपुर से अर्जुन कुमार सिंह का चयन उत्तर प्रदेश की टीम में हुआ है। जयपुर में आयोजित अंडर 23 प्रतियोगिता में त्रिपुरा के विरुद्ध मैच में अर्जुन सिंह यूपी टीम में शामिल होंगे। अर्जुन सिंह विगत कई वर्षों से जिला क्रिकेट संघ सुल्तानपुर की ओर से भाग ले रहे हैं और यू पी क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित यू पी प्रीमियर लीग में भी खेल चुके हैं.अंडर-19 कूच बिहार ट्राफी के लिए यूपी टीम की ओर से कैंप कर चुके हैं अर्जुन कई वर्षों से जिला क्रिकेट एसोसिएशन सुल्तानपुर लीग में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं अर्जुन ग्राम देवडीह बलिया के मूल निवासी हैं

♦उत्तर प्रदेश अंडर-23 टीम में अर्जुन का हुआ चयन

उनकी मां उमा सिंह ने श्री रामबरन महाविद्यालय जयसिंहपुर सुल्तानपुर से स्नातक व परास्नातक की पढ़ाई की थी इस दौरान अर्जुन सिंह सुल्तानपुर में जिला क्रिकेट संघ सचिव असद अहमद के संपर्क मे आये अब अर्जुन सिंह इन्हीं के मार्गदर्शन में क्रिकेट खेल रहे हैं। अर्जुन ने जिला लीग में खेलने के साथ-साथ भारत की कई नामचीन अकादमी जैसे अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी श्रीधरन एकेडमी हैदराबाद, राहुल द्रविड़ के कोच गुलाम समदानी सर बेंगलुरु और पंकज सिंह क्रिकेट अकादमी जयपुर में भी समय समय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। अर्जुन खेल के साथ-साथ पढ़ाई में भी मेधावी छात्र रहे हैं उन्होंने 10 में 10सीजीपीए और 12 में 90 प्रतिशत हासिल किया और बेंगलुरु के प्रतिष्ठित कॉलेज से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की। अर्जुन सिंह के पिता अरविंद कुमार सिंह आईएएस अधिकारी रहे हैं जो अब रिटायर हो चुके हैं ।अर्जुन सिंह के चयन पर गनपत सहाय कॉलेज के प्रबंधक ओम प्रकाश पाण्डे बजरंगी, अजय सिंह प्रबंधक श्री रामबरन महाविद्यालय जयसिंहपुर सुल्तानपुर तथा अंग्रेज सिंह राणा प्रधानाचार्य गनपत सहाय पी जी कालेज ने बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला क्रिकेट संघ के सचिव असद अहमद संतोष दूबे अब्दुल गफ्फार सुभाष तिवारी मुकेश दूबे अजय सिंह सकलेन अब्दुल मोमिन और शहर के खिलाड़ी और खेल प्रशंसकों ने अर्जुन के चयन पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

डीएम के निरीक्षण में मिली खामियां, कार्रवाई के निर्देश

अमर भारती ब्यूरो

सीतापुर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर. ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिसावां का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी, भर्ती वार्ड, महिला वार्ड, लेबर रूम, औषधि कक्ष, केएमसी, टीबी यूनिट कक्ष, ड्यूटी कक्ष आदि का गहनतापूर्वक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिये कि शासन की मंशानुरूप क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाये। चिकित्सालय में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाये तथा अवस्थापना सुविधाओं में सुधार किया जाये। सभी स्थलों पर सफाई का समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। जिलाधिकारी ने बीपीएम एवं बीसीपीएम को व्यवस्थाएं सुधारने तथा भर्ती मरीजों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन एवं नाश्ते का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। चीफ फार्मासिस्ट दयाशंकर को स्पष्टीकरण जारी के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। लापरवाही पर स्टाफनर्स रेनू देवी को कड़ी फटकार लगायी तथा फैमिली काउंसलर रामखुशी को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि बेडशीट नियमित रूप से बदलवायी जाये। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित यूनीफार्म में रहें। डिलीवरी रजिस्टर पर पूरा विवरण दर्ज कराया जाये तथा जन्म पंजीकरण प्रमाण-पत्र डिस्चार्ज के समय ही उनके परिवारजन को दे दिया जाये। उन्होंने मरीजों से वार्ता कर चिकित्सालय में मिल रही सेवाओं के विषय में फीडबैक भी लिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जन्म प्रमाण-पत्र की आईडी डिलीवरी रजिस्टर अवश्य दर्ज की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि भोजन एवं नाश्ते की मात्रा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार सुनिश्चित की जाये। फैमिली प्लानिंग के संबंध में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। उन्होंने कहा कि डिलीवरी के उपरान्त समुचित काउंसलिंग की जाये। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों, फार्मासिस्टों एवं अन्य कार्मिकों का विवरण भी प्राप्त किया। उन्होंने फार्मेसी में जाकर दवाओं के रख-रखाव का भी गहनतापूर्वक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिये कि मानकों के अनुरूप दवाओं का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाये तथा दवाओं से संबंधित समस्त रिकार्ड अद्यतन रखा जाये। समय पर मांग पत्र भी प्रेषित कराया जाये, जिससे किसी प्रकार की दवाओं की कमी न हो।

मिश्रिख और बिसवां में चला प्रशासन का बुलडोजर

सीतापुर (अमर भारती)। अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए जिलाधिकारी का अभियान लगातार जारी है। दोपहर करीब 4 बजे डीएम के निर्देश पर नगर पालिका प्रशासन ने बिसवां और मिश्रिख कस्बों में बड़े पैमाने पर अभियान चलाते हुए नालों, फुटपाथों तथा सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलवाया। कार्रवाई से अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मच गया। बिसवां में ईओ नीलम चौधरी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। टीम ने बिसवांदृसिधौली रोड पर बड़े चौराहे से लेकर रेलवे क्रॉसिंग तक सड़क के दोनों ओर किए गए कब्जों को हटाया। नालों पर बढ़ाए गए प्लेटफॉर्म, टीनशेड व दुकानों का अतिक्रमण तोड़ने की कार्रवाई की गई। ईओ नीलम चौधरी ने सख्त चेतावनी दी कि यदि दोबारा नालों या सड़क पर कब्जा किया गया तो 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान लगातार चलेगा, जिससे नगर की नालियों की सफाई सुचारू रूप से हो सके और शहर स्वच्छ व सुंदर दिखे। साथ ही दुकानदारों को 24 घंटे के अंदर अपनी दुकानों के आगे लगाए गए टीनशेड खुद हटाने का निर्देश दिया गया, अन्यथा पालिका द्वारा कार्रवाई किए जाने की बात कही गई। वहीं मिश्रिख में भी नगर पालिका प्रशासन ने नहर चौराहे पर अवैध अतिक्रमण हटाया। नैमिष मार्ग पर लोगों ने फुटपाथ तक अपनी दुकानों का विस्तार कर लिया था, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। बुलडोजर की कार्रवाई शुरू होते ही कब्जाधारियों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोगों ने अपना अवैध निर्माण स्वयं हटा लिया, जबकि कुछ अतिक्रमण पालिका टीम द्वारा तोड़ दिए गए।जिले में लगातार चल रही इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि डीएम डॉ. राजा गणपति आर अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए हैं और आगामी दिनों में भी यह अभियान जारी रहेगा।

पीएचसी राजवापुर का सीएमओ ने किया निरीक्षण

बलरामपुर (अमर भारती)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राजवापुर का निरीक्षण कर चिकित्सा सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, प्रसव कक्ष, लैब, टीकाकरण व्यवस्था तथा साफ-सफाई सहित सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की स्थिति की गहन समीक्षा की। सीएमओ ने मौजूद चिकित्सा कर्मचारियों से रोगियों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली और रजिस्टरों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि ओपीडी समय से संचालित हो, प्रसव संबंधी सेवाएं मानक के अनुरूप उपलब्ध कराई जाएं और मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, दवा उपलब्धता तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित गतिविधियों की भी समीक्षा की। सीएमओ ने अस्पताल परिसर में साफ सफाई को और मजबूत करने तथा रिकॉर्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए।

विवाद की शिकायत पर पहुंची पुलिस पर हुआ हमला

मल्लावां, हरदोई (अमर भारती)। मल्लावां थाना अंतर्गत ग्राम नारायण मऊ में बृहस्पतिवार की शाम को दो पक्षों के विवाद में बुलाई गई 112 डायल नं पीआर वी गाड़ी के पहुंचने पर एक पक्ष डायल 112 पर कार्यरत पुलिस कर्मियों पर लाठी डंडों से हमलावर हो गए और गाड़ी का शीशा तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार ग्राम नारायण मऊ में दो भाइयों मे अजीत कुमार और कुलदीप कुमार के बीच किसी बात को लेकर आपसी विवाद हो गया जिसमें मारपीट शुरू हो गई जिस पर अजीत द्वारा 112 डायल पर सूचना दी गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब मामले को समझने के लिए पूछताछ शुरू की इसी बीच कुलदीप के दूसरे भाई संदीप द्वारा होमगार्ड त्रिभुवन को गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। किसी तरह बीच बचाव किया गया लेकिन तब तक विपक्षियों ने फोर व्हीलर पुलिस गाड़ी का शीशा तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया सिपाहियों द्वारा मल्लावां थाने में सूचना दिए जाने पर मौके पर जब तक पुलिस पहुंचती तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। मामला पुलिस के साथ मारपीट का था। इसलिए पुलिस भी रात में ही लगातार आरोपियों के पकड़ने के लिए दबिश देती रही आखिरकार आरोपी संदीप पुत्र भैया लाल निवासी नारायण मऊ को गिरफ्तार करने में सफल रही। पुलिस द्वारा आरोपियों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार में आए एक आरोपी को न्यायालय में भेजने की कार्रवाई सुनिश्चित की।

प्रहलाद नगरी जनकल्याण समिति लंबे समय से सामाजिक सेवा, जागरूकता अभियानों और जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय रही है, जिससे क्षेत्र में इसकी अलग पहचान बनी है।

न्यूज डायरी

बड़ा सरखना की सड़कें बदहाल, ग्रामीण परेशान

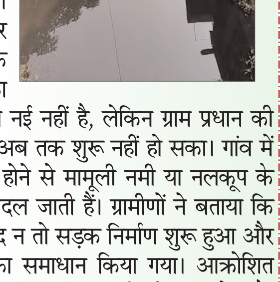

पलियाकलां-खीरी (अमर भारती)। क्षेत्र के बड़ा सरखना गांव की मुख्य सड़कों पर इन दिनों बिना बारिश के ही जलभराव की स्थिति बनी हुई है। मौसम सामान्य होने के बावजूद सड़कें तालाब जैसी दिख रही हैं, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और किसानों का आवागमन सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव की यह समस्या नई नहीं है, लेकिन ग्राम प्रधान की लापरवाही के चलते सड़क का निर्माण अब तक शुरू नहीं हो सका। गांव में जलनिकासी की कोई ठोस व्यवस्था न होने से मामूली नमी या नलकूप के पानी के कारण भी सड़कें दलदल में बदल जाती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद न तो सड़क निर्माण शुरू हुआ और न ही अस्थायी रूप से जलनिकासी का समाधान किया गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर सड़क निर्माण कराने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। गांव की बदहाली से स्थानीय लोग नाराज हैं और उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

चार पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

बेनीगंज (अमर भारती)। कोतवाली बेनीगंज क्षेत्र के मंगलापुर निवासी रामबिलास पुत्र चैन पासी ने शनिवार को बेनीगंज कोतवाली पहुंच पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि शुक्रवार देर शाम करीब 7=30 बजे उनका बेटा मोहित अपना हाथ चढ़वाने के लिए इकरी गांव निवासी उजागर पुत्र चंदिका पासी के घर गया था। हाथ चढ़वाने के बाद उजागर ने 300 रुपये फीस मांगी।मोहित ने उजागर से कहा कि वह पैसे ऑनलाइन दे देगा क्योंकि उसके पास नकद नहीं हैं। इस पर उजागर, उसके बेटे वीरेंद्र पुत्र उजागर पासी, राम लखन पुत्र केदार पासी और सूरजन पुत्र मोहकम रैदास ने मोहित के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। मोहित के मना करने पर इन लोगों ने उसे पीटना शुरू कर दिया।मारपीट की सूचना मिलने पर रामविलास अपने अन्य दो बेटों जितेंद्र और महेंद्र के साथ मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने लगे। आरोप है कि हमलावरों ने रामविलास और उनके तीनों बेटों मोहित, जितेंद्र और महेंद्र को भी पीटा। मारपीट में सभी को चोटें आई हैं। हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। कोतवाल ओमप्रकाश सरोज ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया जा चूका है।

डीएम-एसपी ने की जन सुनवाई

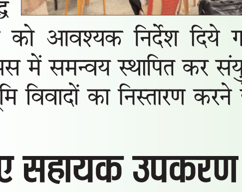

हरदोई (अमर भारती)। जिलाधिकारी अनुनय झा एवं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना समाधान दिवस के अवसर पर कोतवाली देहात पर जनसुनवाई की गई । जनसुनवाई के दौरान प्राप्त जनशिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिये गए। राजस्व विभाग व पुलिस विभाग को आपस में समन्वय स्थापित कर संयुक्त टीम के माध्यम से मौके पर पहुंचकर भूमि विवादों का निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया ।

दिव्यांगजनों को बांटे गए सहायक उपकरण

हरदोई (अमर भारती)। शाहाबाद में राज्य मंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी एवं ब्लाक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा के कर कमलो द्वारा दिव्यांगजन बंधुओ को ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, स्मार्ट केन आदि 150 सहायक उपकरण 113 दिव्यांगजनों को वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त लाभार्थियों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को उनकी समस्याओं को निस्तारित करने के निर्देश दिए गए कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी शाहाबाद, खंड विकास अधिकारी शाहाबाद, एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी हरदोई आदि उपस्थित रहे।

किशोरी का संदिग्ध अवस्था में मिला शव

भरखनी, हरदोई (अमर भारती)। पचदेवरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात को अनंगपुर-शाहाबाद मार्ग पर रुरा गांव के पास सड़क पर एक अज्ञात किशोरी का शव खून से लथपथ अवस्था में पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती की पहचान रविवार को पचदेवरा थाना क्षेत्र के कूपरपुर निवासी अवधेश की 16 वर्षीय पुत्री रीता के रूप में हुई। परिजनों का कहना है कि रीता शुक्रवार शाम को नाराज हो कर घर से कहीं चली गई थी। पुलिस का प्रारंभिक तौर पर कहना है कि किशोरी की मौत संभवतः सड़क दुर्घटना में हुई प्रतीत होती है। ग्रामीणों ने बताया कि किशोरी के मुंह, आंख सहित शरीर पर चोट के गहरे घाव तथा कपड़े भी फटे थे। घटना स्थल पर एक टूटा हेलमेट व बाइक के टूटे पार्ट्स मिले। मौके का बारीकी से निरीक्षण कर पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। सहायक पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण का कहना है कि मामले की सभी एंगल से जांच की जा रही है। वहीं किशोरी का शव मिलने से क्षेत्र में दहशत है और तरह-तरह की चर्चाएं हो रहीं हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रीता गांव के विद्यालय में कक्षा 8 की छात्रा और अपने पांच भाई-बहनों में दूसरे नंबर की थी।

दो दिवसीय भक्तामर पाठ का समापन

महमूदाबाद, सीतापुर (अमर भारती)। सरावगी टोला स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में दो दिवसीय भक्तामर पाठ एवं विधान का समापन हो गया। आचार्य सुलभ सागर महाराज के सानिध्य में भक्तों ने विधान में पूरे भक्तिभाव से प्रतिभाग किया। भक्तों ने भगवान पुष्पदंत का जन्म और तप कल्याणक मनाया। जोरदार जयकारों से मंदिर सभागार गुंजायमान हो गया। दिगम्बर जैन मंदिर में शुक्रवार की सुबह भक्तों की भीड़ उमड़ी। भक्तों ने सर्वप्रथम श्रीजी का विधिवत अभिषेक, शांतिधारा और पूजन अर्चन किया। जैन मंदिर में विराजमान आचार्य सुलभ सागर महाराज के सानिध्य में भक्तामर विधान की शुरूआत हुई। विधानाचार्य रवी कीर्ति ने धार्मिक भजनों की धुन पर मंत्रोच्चार के साथ विधिवत विधान व पूजन सम्पन्न कराया। सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य शैलेश जैन परिवार को मिला।

वन विभाग सरकारी जमीन पर दबंग भू-माफियाओं ने किया अवैध कब्जा

सिंगाही खीरी (अमर भारती)। दुधवा नेशनल पार्क के सफर जोन में खैरटिया/अनूप नगर वन बीट बेलरायां/करतानिया में वन विभाग की सरकारी जमीन पर दबंग भू-माफियायों ने अवैध कब्जा करके भू माफियों के चंगुल मे वन विभाग की सैकडो एकड़ जमीन पर धान गन्ना गेहूं की फसल लहलहा रही है।

जनपद लखीमपुर खीरी के इंडो नेपाल बोर्डर से सटी बेलरायां रेंज के थाना तिकुनिया के खैरटिया के अनूप नगर में वन विभाग की हजारों एकड़ जमीन जिसमें हरे भरे पेंड लगे हुए है। उसी जमीन पर वन विभाग के विशाल काय वृक्ष लगे थे। वक्त के साथ ही धीरे-धीरे से सैकडों एकड़ क्षेत्रफल की भूमि से पेंड पौधे गायब हो। अब उसमे गैंहू की फसल बोई जा चुकी है सूत्र बताते हैं की उक्त जमीन सैकड़ो एकड़ बहराइच के कर्तानिया वन बीट की है। जिसपे भू माफियाओं का कब्जा है और सैकड़ो एकड़ वन बीट बेलरायां की भी है

◆ भू-माफिया ने लगा रखी सैकड़ों एकड़ जमीन पर फसल

जिस पर रसूखदार लोगो का ही कब्जा हो चुका है। सवाल इस बात का है की सैकड़ो एकड़ जमीन जो वन विभाग की है उसपे भू-माफियाओं का कब्जा है। तो वन के राजा शेर, चीता, पारवासी पक्षी, विदेशी पक्षी, सायवेरिन कहाँ जाएेगें। उनका बसेरा छीन जाने पर विलुप्त होते जा रहे।जंगल राजा शेर विदेशी पछी अगर ऐसे माफिया राज करेंगे तो एक दिन जंगल का अस्तित्व खतम हो जायेगा योगी सरकार का फरमान की सरकारी जमीन पर से कब्जा हटाया कर जमीन को कब्जा मुक्त करने का फरमान जारी किया है। लेकिन सरकारी आदेश की खुलेआम धज्जिया उड़ाई जा रही है। योगी सरकार का फरमान है सरकारी अवैध कब्जे भूमि पर जमीन को भूद्ममाफियायों के चुंगल से छुड़ाने के लिए एंटी भू-माफिया टाक्स फोर्स का गठन किया गया है।

सामूहिक विवाह योजना में एक दूसरे के हुए 484 जोड़े

अमर भारती ब्यूरो

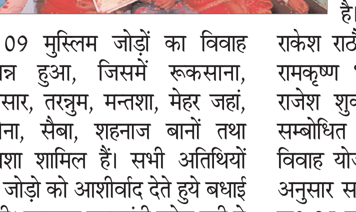

सीतापुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत राजकीय इण्टर कॉलेज सीतापुर में सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही, नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरू द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 484 जोड़े शामिल हुये। जिसमें ऐलिया के 14, बेहटा के 19, बिसवां के 58, गोंदलामऊ के 39, हरगांव के 30, कसमण्डा के 24, खैराबाद के 27, लहरपुर के 09, मछरेहटा के 35, महमूदाबाद के 56, महोली के 06, पहला के 26, परसेण्डी के 18, रामपुरमथुरा के 08, रेउसा के 10, सकरन के 28, सिधौली के 45, खैराबाद नगर निकाय के 07, मिश्रिख नगर निकाय के 01, महोली नगर निकाय के 13, सीतापुर नगर निकाय के 06, सिधौली नगर निकाय के 02 तथा बिसवां नगर निकाय के 03 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 09 मुस्लिम जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ, जिसमें रूकसाना, रूकसार, तरन्नुम, मन्तशा, मेहर जहां, रूबीना, सैबा, शहनाज बानों तथा अयाशा शामिल हैं। सभी अतिथियों द्वारा जोड़ो को आशीर्वाद देते हुये बधाई भी दी। कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि गरीब परिवार के घर जब कन्याओं का जन्म होता है तो उस परिवार पर क्या बीतती है, उसका पूरा जीवन उसके विवाह की तैयारियों में ही व्यतीत हो जाता है। कन्या के विवाह के लिये परिवार यो तो खेत बेचता है या गहने गिरवी रखता है। इन्हीं सभी समस्याओं को देखते हुये मुख्यमंत्री ने यह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लागू की है, जिससे गरीब परिवारों को इसका लाभ मिले और उनकी परेशानियां कम हों और यह बहुत ही बड़ा सौभाग्य है कि हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का विवाह एक साथ एक ही स्थान सम्पन्न हो रहा है। नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरू, विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत उक्त विवरण के अनुसार सम्मिलित जोड़ो को धनराशि रू0 25 हजार की सामग्री का वितरण किया गया तथा कन्या के खाते में रू0 60हजार प्रति जोड़े की दर से स्थानान्तरित की जायेगी तथा आयोजन हेतु प्रति जोड़ा रू0 15000 की दर से व्यय करते हुये प्रति जोड़े पर धनराशि रू0 100000 व्यय होगा। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0, मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या, जिला विकास अधिकारी संतोष नारायण गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान की हुई बैठक

बलरामपुर (अमर भारती)। आदर्श नगरपालिका परिषद बलरामपुर में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने की। बैठक में अभियान को बूथ स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने,दायित्वों के विभाजन और समयबद्ध कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ज्योति राय ने बताया की मतदाता सूची का शुद्धिकरण एक सतत प्रक्रिया है। पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने और त्रुटियों को सुधारने में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। प्रत्येक सभासद अपने अपने वार्ड में घर घर टीमों को सहयोग दें,ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए। उपजिलाधिकारी हेमंत गुप्ता ने बताया की मतदाता सूची लोकतांत्रिक प्रणाली की आधारशिला है। सभी कर्मचारी निर्धारित समयसीमा के भीतर सत्यापन कार्य पूर्ण करें।

आखिर खमरिया की जांच से क्यों बचे रहे डीपीआरओ व डीसी मनरेगा!

अमर भारती ब्यूरो

मैगलगंज खीरी। विकासखंड पसगामा की बहुचर्चित ग्राम पंचायत खमरिया में सड़क और चबूतरा निर्माण के नाम पर फर्जी तरीके से किए गए लाखों के सरकारी धन गण की जांच किया जाना ग्रामीणों की प्रमुख मार्ग बनी है इसके बावजूद भी अधिकारियों के कान पर जून तक नहीं देख रहा है सूत्र बताते हैं मामले की दर्जनों शिकायतें की गई है, लेकिन ऊपर तक चल रही साथ घाट के चलते सभी शिकायतों में ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा बगैर जांच के मनमाने तरीके से फर्जी जांच अच्छा लगाकर शासन प्रशासन को गुमराह किया जा रहा है और जिम्मेदार अधिकारी मामले की जांच करने से बचते नजर आ रहे हैं आखिर क्यों हम सवाल बना हुआ है। यदि केवल नल रिबोर और मरम्मत सहित साफ सफा ई दबा छिडकाव की करा ली जाय निष्पक्ष जांच तो कई ईमानदार

◆ मामले की दर्जनों शिकायतें की गई हैं

चेहरे होंगे बेनकाब- ग्राम पंचायत खमरिया में अधूरे करनोवा कार्यों पर काम दिखाकर पैसे का बंदर बात कर लिए जाने का मामला भले ही अखबारी सुर्खियां बना है और इसकी निगरानी को नियुक्त किए गए जिम्मेदार अधिकारी अपनी कुंभकर्णी नींद में सोए दिखाई पड़ रहे हैं सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार विकासखंड पसगवां की ग्राम पंचायत खमरिया में हैंडपंप मरम्मत और रिपोर्ट के नाम पर लाखों रुपए का भुगतान निकाल कर बंदर बांट कर लिया गया सच पर जल योजना के अंतर्गत हर साल लाखों का भुगतान तो निकल गया पर गांव के काफी लोग आज भी पीने के पानी को दूर-दूर से पानी भरकर लाने को भी बस दिखाई पड़ रहे हैं। इतना ही नहीं कई नालों से गंदा और दूषित पानी निकल रहा है जो नाल रिपोर्ट और मरम्मत की पोल खोलने को काफी है ग्राम पंचायत खमरिया व डाकिया रूप में कई नल खराब पड़े बताए जाते हैं अधिकारियों की मिली भगत से बगैर कार्य कराए महज कागजों पर काम दिखाकर पैसा निकल जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है प्रधान पूनम देवी और पंचायत सचिव पर विकास के नाम पर धन निकालकर आपस में बंदर बात किए जाने के ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाए गए हैं।

देखा जाए तो कई योजनाओं में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है चाहे वह स्ट्रीट लाइट खरीद का मामला हो या फिर हम पाइप खरीद तथा दवा छिड़काव और साफ सफाई अथवा ठेलिया खरीद का मामला हो। ग्रामीणों में सुशील कुमार मिश्रा मुन्नालाल सहित तमाम ग्रामीणों के बताएं अनुसार ग्राम पंचायत खमरिया में ब्रह्मा देव पर चबूतरा निर्माण के नाम पर हजारों रुपए निकाल कर बंदर बांट कर लिया गया लेकिन हकीकत के जमीन पर चबूतरे का निर्माण आज तक नहीं कराया गया है यह पहली घटना नहीं है

क्या कहते हैं डी सी मनरेगा

उक्त मामले की जानकारी जब डी.सी.मनरेगा अमित कुमार सिह परिहार से चाही गयी तो उनहोने बताया मामला अब संज्ञान मे आया है जांच करायी जायेगी और जांच मे दोषी पाये जाने वालो के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी ।आप शिकायत की कापी भिजवा दीजिये।

इसके साथ ही प्रेम कुमार के खेत से कामता के खेत तक रास्ता निर्माण कागजों पर दिखाकर भारी भरकम बजट निकल गया है रास्ता कहां बनवाया गया यह पंचायत सचिव तक को शायद पता नहीं है ऐसा ग्रामीणों का आरोप है ग्रामीणों का कहना है यदि जिला अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल कारण मामले की निष्पक्ष जांच तो लाखों का घोटाला आएगा सामने और कई लोगों पर आएगी कार्रवाई की आंच ।अब देखना यह है कि जिले की ईमानदार जानी जाने वाली जिला अधिकारी द्वारा उपरोक्त मामले पर क्या कार्रवाई की जाती है?

मानकों को दरकिनार कर करवाया जा रहा आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण

लखीमपुर खीरी (अमर भारती)। एक तरफ जहां सुबे के मुखिया निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं गुणवत्ता से खिलवाड़ करने वाले जिम्मेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने व गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के सख्त फरमान अपने मातहतो को जारी किए जा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ ब्लॉक बिजु आ की ग्राम पंचायत बहादुर नगर के ग्राम सिमरिया में कराए जा रहे आंगनबाड़ी केंद्र में मानकों को ताक पर रखकर गुणवत्ता विहीन निर्माण दोयम दर्जे की ईट लगाकर शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार इसकी जानकारी खंड विकास अधिकारी विजुआ को होने के बाद भी उन्हें शासन के आदेशों का मजाक उड़ते दिखाई नहीं पड़ रहा है ।शायद ग्राम प्रधान काके पर शासन के आदेश प्रभावित न होते हों। सूत्र बताते हैं उक्त आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण को प्रकाशित कराए गए टेंडर व एस्टीमेट में फर्स्ट क्लास ईंट व रोड़ा होने के बावजूद प्रधान व पंचायत सचिव ने मिली भगत करके

◆ ग्राम प्रधान की दबंगई के आगे बौने साबित हो रहे शासन के आदेश

दोयम दर्जे की ईट जिसमें पीला ,दोम ईंट का खुलेआम प्रयोग किया जा रहा है इतना ही नहीं चुनाई.में भी मसाला घटिया किस्म का लगाए जाने का मामला चर्चा का विषय बना है। ग्रामीणों का आरोप है कि गुणवत्ता विहीन कराए जा रहे आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण कार्य में भवन कितने दिन तक चलेगा यह समय से पहले ही भरभरा कर ढह जाने की आशंका बनी रहेगी। मामले की यदि जांच टीम बनाकर करा ली जाए निष्पक्ष जांच तो लगाई गई सामग्री और एस्टीमेट में वर्णित सामग्री के बीच किए गए खेल एवं निम्न गुणवत्ता का निर्माण कराए जाने के मामले का खुलासा होना तय है। ग्रामीणों के बताएं अनुसार उपरोक्त मामले पर ग्राम प्रधान का कहना है की ऐसी खबरें रोजाना छपा करती हैं इससे क्या फर्क पड़ता है ?सभी जगह इसी तरीके से निर्माण कराया जाता है और ऊपर तक हिस्सा देना पड़ता है।

वरिष्ठ जनों ने किया नवनिर्मित सीसी रोड का उद्घाटन

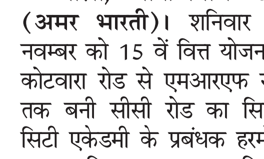

गोला, गोकर्णनाथ खीरी (अमर भारती)। शनिवार 22 नवम्बर को 15 वें वित्त योजना से कोटवारा रोड से एमआरएफ सेंटर तक बनी सीसी रोड का सिल्वर सिटी एकेडमी के प्रबंधक हरमोहन खुराना, शिक्षक राज कुमार मिश्रा , गुरबाज सिंह ने पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू की मौजूदगी में आचार्य लवकुश शास्त्री के द्वारा मन्त्रोच्चारण, पूजन से उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि इस रोड के बनने से एमआरएफ सेंटर तक नगर का कूड़ा सुगमता से पहुंच सकेगा।इस अवसर पर राम गुलाम पाण्डेय ,सभासद सुफियान खान,खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा, जे ई सिविल अनिल यादव,शत्रोहन मिश्रा, रविन्द्र कटियार, काके सहगल, महेश पटवारी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

दिव्य-भव्य कीर्तन की गूंज से गुंजायमान हुआ नर्मदेश्वर धाम

हरदोई (अमर भारती)। तहसील शाहाबाद क्षेत्र के ग्राम गुजीदेई में निर्माणाधीन नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में शुक्रवार रात आयोजित दिव्य-भव्य कीर्तन एवं भजन-संध्या ने पूरे क्षेत्र को भक्ति-रस से गुंजायमान कर दिया। पत्रकार लक्ष्मीकांत पाठक द्वारा सम्पन्न कराए गए इस पावन आयोजन में कीर्तन मंडली प्रमुख उमेश चन्द्र त्रिवेदी के नेतृत्व में कलाकारों ने मनभावन भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ रामकिशोर गुप्ता द्वारा ÷गाइए गणपति जगवंदन, शंकरसुवन भवानी नंदन गणपति स्तुति से हुआ। इसके बाद उमेश चन्द्र त्रिवेदी ने बड़ी देर भई नंदलाला, वरगदिया निवासी

◆ गुजीदेई में उमड़ा भक्ति का सागर

गिरिंद ने धनश्याम तेरे दर पर, परेली निवासी नन्हेलाल सक्सेना ने बिन पग धोये न चढ़ाएं नाव÷, तथा सूरापुर निवासी शिशुपाल ने जो करुणाकर तुम्हारा जैसे भजनों से श्रद्धालुओं को भक्ति-भाव में सराबोर कर दिया। साथ ही राजेश्वर परेली, रामकिशोर गुप्ता और कुलदीप बरगदिया ने भी अपने मधुर भजनों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि ढोलक पर कुलदीप और हारमोनियम पर महेश राजपूत बरगदिया ने संगीत को और भी प्रभावशाली बना दिया। मात्र 12 वर्षीय अनमोल सक्सेना की भावपूर्ण प्रस्तुति संसार के लोगों से आशा न किया करना ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सचिदानंद पाण्डेय, रमाकांत पाठक, ऋषिकांत, करुणाशंकर, आयुष, शरदेंदु, प्रच्छित, हिमांशू, अच्युत, प्रत्यूष पाठक सहित बड़ी संख्या में भक्तगणों की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को और अधिक दिव्य एवं भव्य बना दिया।

डीएम व एसपी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

बलरामपुर (अमर भारती)। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन व पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार की अध्यक्षता में थाना महराजगंज तराई में थाना समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान डीएम एवं एसपी द्वारा शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना गया एवं कतिपय शिकायतों का मौके पर ही समझौता कराया गया। उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों को गम्भीरता से लेकर शत प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। डीएम ने कहा कि भूमि विवाद एवं लॉ एंड ऑर्डर के संवेदनशील मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर त्वरित कारवाही की जाए। इस दौरान संबंधित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

◆ थाना समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने सुनी शिकायतकर्ताओं की शिकायतें

एसबीएस पब्लिक इंटर कॉलेज में खेल प्रतियोगिताओं का समापन

अमर भारती ब्यूरो

कछौना, हरदोई। एसबीएस पब्लिक इंटर कॉलेज कलौली रोड बालामऊ हरदोई में चार दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं के समापन अवसर पर सोमवार को नगर अध्यक्ष राधा रमण शुक्ला उर्फ पंकज ने नगर पंचायत कछौना पतसेनी हरदोई एवं अध्यक्ष जिला स्थानीय निकाय परिषद हरदोई द्वारा विजई प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर छात्र एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षो द्वारा छात्र छात्राओं को खेलकूद के साथ-साथ अच्छी शिक्षा ग्रहण करने पर जोर दिया गया।विद्यालय के प्रबंधक पुष्प कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि को विद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र छात्राएं- 400 मीटर दौड़ जूनियर वर्ग में अरुण कक्षा 8 प्रथम बालक वर्ग तथा शबनम कक्षा 7 बालिका वर्ग 800 मीटर दौड़

◆ विजई प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर किया सम्मानित

सीनियर में अजय कक्षा 10 प्रथम तथा मुस्कान कक्षा 10 प्रथम, कबड्डी प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में बालकों में कक्षा 8 की टीम तथा बालिकाओं में कक्षा 7 की टीम विजय रही तथा सीनियर वर्ग में बालकों में कक्षा 10 की टीम तथा बालिकाओं में कक्षा 12 की टीम विजई रही। बैडमिंटन प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में कक्षा 7 तथा सीनियर वर्ग में कक्षा 10 ने बाजी मारी। क्रिकेट प्रतियोगिता में कक्षा 12 की टीम विजयी रही।

विकास कार्यों का डीएम ने किया स्थलीय सत्यापन व समीक्षा

अमर भारती ब्यूरो

महराजगंज। जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा ने शनिवार को ग्राम पंचायत बजहा उर्फ अहिरौली में प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित ग्राम चौपाल में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय सत्यापन एवं समीक्षा की।

चौपाल को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनको भरकर समय पर बीएलओ के पास जमा करना अत्यंत आवश्यक है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और इससे सटीक एवं शुद्ध मतदाता सूची तैयार की जा सकेगी। कहा कि किसी मतदाता को घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि किसी भी अर्ह मतदाता नाम निर्वाचक नामावली में छूटने नहीं पाएगा। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि फार्म मिल चुके हैं, लेकिन कुछ घरों में मतदाता की संख्या के अनुसार गणना प्रपत्र उपलब्ध नहीं हुए हैं। जिलाधिकारी ने एसडीएम निचलौल को निर्देशित किया कि सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्राप्त हो जाएं, इसको सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने एसआईआर और मतदाता प्रपत्र के संदर्भ में अन्य आवश्यक जानकारियां भी साझा कीं।

जिलाधिकारी ने फॉर्मर रजिस्ट्री के विषय में भी विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि आगामी समय में समस्त कृषि संबंधी सुविधाओं और योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु फॉर्मर रजिस्ट्री आवश्यक होगा। इसलिए सभी लोग अपनी फॉर्मर रजिस्ट्री अवश्य कराएं। अगर कोई समस्या आती है तो ब्लॉक या तहसील में संपर्क कर उनको निस्तारित करा लें। सभी को निर्देश है कि फॉर्मर रजिस्ट्री में आने वाली समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता पर किया जाए। जिलाधिकारी ने पराली जलाने की समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पराली जलाने से खेत की मिट्टी और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचता है। इसलिए पराली जलाने से किसान भाई बचें। उन्होंने कहा कि पराली जलाना दंडनीय अपराध है। इस पर ?50,000 तक का जुर्माना तथा अन्य कार्यवाही भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने की घटनाओं को सैटेलाइट तकनीक से मॉनिटर किया जा रहा है तथा किसानों की खेतवार मैपिंग भी की जा रही है। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने चौपाल में आयोजित स्वास्थ्य कैंप का अवलोकन किया। कैंप में लगभग 200 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्री और एसआईआर के कामों को भी देखा। उन्होंने बीएलओ सुनीता कुशवाहा, सुधा कुशवाहा और रीता देवी से बात की और निर्देशित किया कि गणना प्रपत्र वितरण और जमा कराने का कार्य प्रभावी तरीके से सुनिश्चित करें । चौपाल के दौरान पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तथा अन्य योजनाओं के प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, एआर कोऑपरेटिव, प्रोबेशन अधिकारी, खंड विकास अधिकारी मिठौरा, ग्राम विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

सोहगीबरवा ईको टूरिज्म परियोजना का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा द्वारा तहसील निचलौल के ग्राम रामचन्द्रही निर्माणाधीन सोहगीबरवा इको टूरिज्म परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना की लागत, उसके आरम्भ और पूर्ण तिथि की जानकारी ली गई। सहायक पर्यटक अधिकारी प्रभाकर मणि ने बताया कि परियोजना की लागत 484.73 करोड़ रुपए है। इसमें एडमिन ब्लॉक, एकोमोडेशन ब्लॉक टाइप 1 व टाइप 2, कैफेटेरिया सहित अन्य कार्य प्रस्तावित हैं। उन्होंने बताया कि परियोजना को सितंबर 2024 में आरम्भ होना था, किंतु वन विभाग की आपत्ति और जल जमाव के कारण परियोजना जुलाई 2025 में आरम्भ हो सकी है। कार्यदाई संस्था द्वारा आरंभ तिथि में परिवर्तन हेतु विभाग को पत्र प्रेषित किया गया है। जिलाधिकारी ने पानी को निकालकर कर कार्य की गई को तेज करने का निर्देश दिया गया, ताकि परियोजना को जल्द से जल्द पूर्ण किया जा सके। उन्होंने तिथि परिवर्तन के लिए कार्यदाई संस्था को कहा कि पर्यटन विभाग और शासन से पत्राचार कर जल्द से जल्द तिथि परिवर्तन को सुनिश्चित कराएं, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विपरीत प्रभाव न पड़े। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में पर्यटन की काफी बेहतर संभावना है। इसलिए पर्यटन परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराएं। निरीक्षण के दौरान एआर कोऑपरेटिव सुनील गुप्ता व लोग उपस्थित रहे।

फुटपाथों पर फिर शुरू हुई सब्जी बिक्री, जाम का बढ़ा खतरा

अमर भारती ब्यूरो

◆ प्रशासन की कार्रवाई कई बार, पर हालात जस के तस
◆ स्थायी मंडी न होने से व्यापारी खुद को बता रहे बेबस

सलेमपुर, देवरिया। नगर में एक बार फिर सड़क किनारे सब्जी बेचने वालों की मौजूदगी बढ़ने लगी है, जबकि पुलिस और प्रशासन अब तक आधा दर्जन से अधिक बार कार्रवाई कर चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्थाई सब्जी मंडी न होने के कारण व्यापारी सड़कों का सहारा लेने को मजबूर हैं, जिसका सीधे असर यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है। शनिवार की सुबह गांधी चौक से लेकर स्टेशन रोड तक वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। भीड़ ऐसे बढ़ी कि राहगीरों को निकलने में भारी परेशानी उठानी पड़ी। करीब बीस दिन पहले वायरल हुए एक वीडियो ने पूरे प्रदेश का ध्यान खींचा था, जिसमें जाम के चलते एक युवक अपनी बीमार बहन को गोद में उठाकर अस्पताल पहुंचने को विवश दिख रहा था। इसके बाद अधिकारियों ने तेजी दिखाते हुए लगातार कई चरणों में अभियान चलाया, लेकिन हालात ज्यादा नहीं बदले। व्यवसायियों का कहना है कि कोविड काल में सीमित समय में खरीदारी की व्यवस्था लागू होने के बाद से सड़क पर दुकानें लगाने की आदत बन गई। तब से लेकर अब तक यह व्यवस्था औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हो पाई। कोतवाली प्रभारी महेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि संबंधित दुकानदारों को थाने बुलाकर कड़ी चेतावनी दी गई है और फुटपाथ खाली रखने के निर्देश जारी किए गए हैं।

न्यूज डायरी

एक साथ दो ट्रेलरों के आ जाने से लगा जाम

महावीर छपरा (अमर भारती)। बांसगांव कुसमौल मार्ग के महावीर छपरा चौराहे पर सड़क किनारे इधर-उधर गाड़ियां व अतिक्रमण होने की वजह से जाम की स्थिति शाम के वक्त बनी रहती है। इस दौरान एक साथ दो ट्रेलर के आ जाने की वजह से बांसगांव कुसमौल मार्ग के महावीर छपरा चौराहे पर जाम करीब आधे घंटे लग रहा। बताते चले की महावीर छपरा चौराहे पर सप्ताहिकी बाजार लगने की वजह भीड़ अधिक हो जाती है और सर्विस रोड पर दुकानें लग जाने से जगह शंकर ही हो जाती है दूसरी ओर गाड़ियों की ज्यादा आवाजाही के वजह से शाम करीब 5:30 बजे से लेकर :00 बजे तक भयंकर जाम लगने की सूचना पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने करीब आधे घंटे तक कड़ी मस्कट के बाद जाम को खुलवाया और यातायात बहाल किया गया।

ठंड बढ़ते ही गर्म कपड़ों की बिक्री में तेजी

बृजमनगंज(अमर भारती)। ठंड बढ़ने के साथ ही बाजार में सस्ते एवं महंगे हर प्रकार के पटर, जैकेट आदि के बाजार सज गए हैं। सर्दी की शुरुआत में लोगों ने हाफ स्वेटर, जैकेट, मफलर एवं टोपियों की खरीदारी शुरू कर दी है। सुबह टहलने वाले ट्रैक शूट, पैंट एवं स्पोर्टस जैकेट की खरीदारी में रुचि दिखा रहे हैंठंड में तेजी आने से दुकानों पर पसरा सन्नाटा अब खत्म होने लगा है। गर्म कपड़ों की दुकान पर भीड़ देखी जा रही है। इसके अलावा अन्य छोटी दुकानों पर भी लोगों की भीड़ उमड़ रही है। ठंड में राहत पाने के लिए लोग गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। नगर में कई फेरी वाले भी वाहनों पर गर्म कपड़े बेचते देखे जा रहे हैं। फेरीवालों की दुकानों पर भी सस्ता गर्म कपड़ा पाने की चाहत में लोगों की भीड़ एकत्र हो रही है। शनिवार को नगर पंचायत में स्थित गांव वाले के नाम से मशहूर दुकान पर गर्म कपड़े खरीदने वालों की भीड़ से उसके लगभग सारे कपड़े बिक गए।

स्पेल बी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

घुघली (अमर भारती)। घुघली ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन बी आरसी घुघली में हुआ, इस प्रतियोगिता में पूर्व माध्यमिक विद्यालय बारीगांव की छात्रा आकांक्षा पुत्री राकेश कक्षा 8 ने घुघली ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि विद्यालय लगातार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का प्रयास कर रहा है जिसका परिणाम है कि आकांक्षा ने ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है इसके लिए आकांक्षा को ढेर सारी शुभकामनाएं साथ ही अन्य बच्चों को इससे प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनवरत मेहनत करना चाहिए ।

सड़क पर मिट्टी, राहगीर परेशान

घुघली (अमर भारती)। घुघली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पिपरा ब्राह्मण उर्फ बारीगांव नहर की सफाई पोकलेन मशीन लगाकर कराई जा रही साफ सफाई बारीगांव नहर की पटरी पर सही से मिट्टी नहीं रखी जा रही है नहर किनारे रोड एकदम पक्की सड़क बनी है। पोकलेन मशीन नहर की मिट्टी निकालकर सडक के ऊपर छोड़ दे रहे हैं जिससे उस पर चलने वालों को बहुत समस्या हो रही।पूरा रास्ता उबड़-खाबड़ बन गया है।धूल उड़कर लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है। विभाग के अधिकारी फोन करने पर या तो रिसीव नहीं करते और यदि रिसीव कर लिए तो केवल आश्वासन देकर टरका देते हैं। इसी रास्ते दो पहिया वाहन चार पहिया वाहन व छोटे-छोटे बच्चे पढ़ने जाते है और इस सड़क से बरहरा फॉर्म नेबुया लक्ष्मीपुर लोग आते जाते है लेकिन सम्बंधित अधिकारियों की कान पर जूं नहीं रेंगती।

थाना समाधान दिवस पर हुई जन सनुवाई

महराजगंज (अमर भारती)। शनिवार को जनपद के समस्त थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक महराजगंज द्वारा थाना बरगदवा में थाना समाधान दिवस पर फरयादियों की समस्याओं को सुना गया। पुलिस अधीक्षक महराजगंज द्वारा निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बन्धित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पडे तथा प्रकरणों का त्वरित व न्यायपूर्ण निस्तारण हो सके।

अस्पताल से डॉक्टर हुईं नदारद, खाली हाथ लौटें मरीज

अमर भारती ब्यूरो

◆ 3:14 बजे हॉस्पिटल छोड़कर गईं डॉक्टर, मरीजों को बिना उपचार लौटना पड़ा

सलेमपुर, देवरिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में शनिवार को उस समय मरीजों में नाराजगी देखने को मिली, जब तैनात चिकित्सक डॉ. संगीता पाण्डेय निर्धारित समय से काफी पहले ही अस्पताल से चली गईं। जानकारी के अनुसार अस्पताल का नियमित कार्य समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक है, लेकिन डॉ. संगीता पाण्डेय लगभग दोपहर 3:14 बजे ही हॉस्पिटल से उठ गईं, जिससे इलाज कराने आए कई मरीजों को बिना उपचार के वापस लौटना पड़ा। अस्पताल पर मौजूद मरीज ज्योति, नीतू, खुशबू, सीमा, मुस्कान, बुची देवी, वंदना, रूबी यादव ने बताया कि वे समय से पहले पर्ची बनवाकर लाइन में खड़े थे, लेकिन डॉक्टर के अचानक चले जाने से उन्हें निराशा हाथ लगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनहित में संचालित स्वास्थ्य सेवाएं तभी प्रभावी होंगी, जब डॉक्टर नियत समय तक अपनी ड्यूटी पर मौजूद रहें। उधर, स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों का कहना है कि डॉक्टरों के समय से पहले अस्पताल छोड़ने की शिकायतें पहले भी आती रही हैं। इस मामले पर उच्च अधिकारियों द्वारा संज्ञान लेकर कार्रवाई किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। अधीक्षक अतुल कुमार से बात किया गया तो उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में आया है इनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है।

प्रधानपति समेत चार तस्करों पर मुकदमा दर्ज

◆ सौ बोरी सरकारी खाद पकड़ने का मामला

कोल्हुई (अमर भारती)। स्थानीय थाना क्षेत्र में पुलिस और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए जोगियाबारी के पास एक ईंट भट्ठे से करीब 100 बोरी सब्सिडी वाली इफ्को उर्वरक पकड़ा था। विगत मंगलवार रात जोगियाबारी के पास एक ईंट भट्ठे पर खड़ी डीसीएम गाड़ी से भारी मात्रा में इफ्को ब्रांड की उर्वरक भरी बोरी बरामद हुईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन चालक शेषमन पुत्र मुस्तफा निवासी नौनिया थाना सोनौली को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में चालक ने खुलासा किया कि यह उर्वरक नेपाल भेजने की योजना थी और इसमें ग्राम प्रधान पति जमाल अहमद निवासी बटइडिहा समेत तीन अन्य लोग शामिल हैं। शनिवार को कृषि विभाग की तहरीर पर कोल्हुई थाने में जमाल अहमद निवासी बटइडिहा नियाज अहमद निवासी बटइडिहा,अफसर अली निवासी नौतनवा,शेषमन डीसीएम चालक, निवासी नौनिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

इस सम्बन्ध में जिला कृषि अधिकारी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बरामद उर्वरक पर प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना का लोगो अंकित है। यह उर्वरक केवल सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को सब्सिडी दर पर उपलब्ध कराया जाता है। इतनी बड़ी मात्रा का दुरुपयोग राजस्व को भारी क्षति पहुंचाता है। इसकी जांच बड़े पैमाने पर हो रही है । जो भी दोषी है उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि उर्वरक की उठान कहां से हुई, इसकी गहन जांच चल रही है। जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तस्करों को चिन्हित किया जा रहा है जल्द ही बड़ी कार्यवाही की जाएगी।

खेत की जुताई के दौरान हादसा, 14 वर्षीय बालक की मौत

निचलौल (अमर भारती)। ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के नौनिया उर्फ नेटूआहिया गांव में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत की जुताई के दौरान रोटावेटर की चपेट में आने से 14 वर्षीय अमरीश उर्फ मुनीब पुत्र गिरिजेश की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अमरीश खेत के पास खेल रहा था, तभी अचानक वह रोटावेटर के पास चला गया और मशीन की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि बालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही ठूठीबारी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गांव में मासूम की मौत से मातमी सन्नाटा पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है ।

दो दुकानों पर चोरों ने बोला धावा

अमर भारती ब्यूरो

◆ सीसीटीवी बॉक्स उड़ा ले गए चोर

भटनी, देवरिया। नगर पंचायत क्षेत्र में शुक्रवार की रात चोरी की एक हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। भटनी नगर पंचायत के पूर्वी बाईपास पर चोरों ने ऐसे तांडव मचाया कि पूरा क्षेत्र दहशत में है। चोरों ने न सिर्फ दो दुकानों के ताले तोड़े, बल्कि दुकानों के अंदर घुसकर माल और नगदी चुरा ले गए। इतना ही नहीं सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी कैमरे का पूरा बॉक्स तक उठा ले गए। घटना हतवा गांव प्राइमरी टोला निवासी मनीष शर्मा पुत्र स्व. राजाराम की गुमटी पर हुई। सुबह करीब 5 बजे मनीष जैसे ही दुकान पर पहुंचे, ताला टूटा देख उनके पैरों तले ज़मीन खिसक गई। अंदर जाकर देखा तो सिगरेट, गुटखा, चांदी की राखी और करीब 13 हजार रुपये नगद गायब थे। उन्होंने तुरंत पास की देशी शराब की दुकान के मुंशी को फुटेज देखने के लिए बुलाया लेकिन चोर इससे भी चालाक निकले। जब देशी शराब दुकान का ताला खोला गया तो वहां मंज़र और भी चौंकाने वाला था। अनुज्ञापी प्रेमशंकर धार द्विवेदी की दुकान में चोर छत से घुसे थे। सीमेंट की करकट चादर तोड़कर अंदर दाखिल हुए और 28 परसेंट की 15 पेटियाँ, 25 परसेंट की 10 पेटियाँ, मसाला की 5 पेटियाँ समेट ले गए। ऊपर से लगभग 12 हजार रुपये फुटकर नगद भी। सबसे बड़ी बात यह रहा कि चोर वारदात के बाद सीसीटीवी कैमरे का पूरा बॉक्स ही उखाड़कर ले गए जिससे साफ है कि पूरी चोरी रातभर की प्लानिंग के साथ की गई थी। चोर कैमरे की दिशा, दुकान की बनावट और अंदर की हर जानकारी पहले से जानते थे। घटना के बाद व्यापारियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अगर रात में गश्त बढ़ी होती तो यह साहसिक चोरी नहीं हो पाती। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच तेज कर दी है, लेकिन फिलहाल चोरों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। भटनी में चर्चाओं का बाजार गर्म है और लोग पूछ रहे हैं। आखिर इतनी बड़ी चोरी किसने और कैसे कर दी। वही खबर लिखे जाने तक चोरों का कोई पता नही चला।

केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री ने की समीक्षा बैठक

महराजगंज (अमर भारती) । केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को नगर पंचायत चौक कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी, अध्यक्ष प्रतिनिधि और सभी सभासदों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर पंचायत क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, जनसुविधाओं और स्वच्छता व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में सबसे पहले अधिशासी अधिकारी ओमप्रकाश ने नगर पंचायत के विभिन्न विभागों की स्थिति, बजट, चल रहे प्रोजेक्ट्स और आगामी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।केंद्रीय मंत्री ने रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से स्थानीय समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत स्तर पर छोटी-छोटी कमियों को दूर करके जनता को बेहतर सुविधाएँ देना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और कूड़ा प्रबंधन जैसे मूलभूत मुद्दों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मिठौपीढ़ियां व्रत उत्सव पर घाट से बाजार तक दिखी रौनक

भटनी, देवरिया (अमर भारती)। नगर पंचायत के जंगली जालपा दुर्गा मंदिर घाट पर शनिवार को पारंपरिक आस्था और सांस्कृतिक उत्साह का मनमोहक संगम देखने को मिला। पीढ़ियां व्रत रखने वाली हजारों युवतियों ने मां गंगा की आराधना करते हुए विधि-विधान से पीढ़ियों का उत्तराणी गंडक नदी में विसर्जन किया और परिवार की सुख-समृद्धि तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। युवतियों ने गाजे बाजे के साथ नदी घाट पर पहुँची। जहा भजन-कीर्तन और दीपों की रोशनी से वातावरण पावन और भक्तिमय बना रहा। विसर्जन के बाद युवतियों की भारी भीड़ गांधी चौक, रामलीला मैदान तथा जंगली जालपा दुर्गा मंदिर के आसपास लगे खाद्य स्टॉलों पर उमड़ पड़ी। चौमिंग, बर्गर, चाट, अंडा, पेठा, जलेबी, समोसा, छोला और गोलगप्पे की दुकानों पर लम्बी कतारें लगीं।

गांधी चौक से लेकर रामलीला मैदान होते हुए मंदिर परिसर तक हजारों की आवाजाही देखी गई। भीड़ नियंत्रण और व्यवस्था बनाए रखने में स्थानीय पुलिस और नगर पंचायत कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। भीड़ अधिक होने के बावजूद माहौल शांतिपूर्ण, उत्साहपूर्ण और आनंदमय बना रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार पीढ़ियां व्रत का यह वार्षिक दृश्य भटनी की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करता है। युवतियों की आस्था और बाजार की चहल-पहल मिलकर पूरे नगर में उत्सव जैसा वातावरण बना देती है।

मुलायम सिंह की जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

अमर भारती ब्यूरो

◆ गोरखपुर में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने अनाथ बच्चों संग मनाई जयंती

गोरखपुर। समाजवादी आंदोलन के जननायक, किसानों के हितों की आवाज, देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के तीन बार के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती आज पूरे जिले में श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक सेवा के रूप में मनाई गई।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी महानगर के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सचिव आफताब अहमद एवं शहर विधानसभा महासचिव अनिल यादव के नेतृत्व में एशियन सहयोगी संस्था, जेल रोड एशियन सहयोगी संस्था पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ अनाथ बच्चों के बीच फल, मिठाई, चॉकलेट, चिप्स और आवश्यक सामग्री वितरित की गई। बच्चों ने नेताजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

कार्यक्रम की शुरुआत नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण और मौन श्रद्धांजलि के साथ हुई। इस दौरान सपा के वरिष्ठ नेता आफताब अहमद एवं अनिल यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव गरीबों, पिछड़ों, किसानों और मजदूरों के वास्तविक संरक्षक थे। उनकी राजनीति का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान और अधिकार दिलाना था। सपा नेता गोलू यादव एवं शुभम यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव सिर्फ एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक विचार, एक आंदोलन और सामाजिक न्याय की मज़बूत आवाज थे। मुख्यमंत्री हो या रक्षा मंत्री उन्होंने हमेशा किसानों, युवाओं और शोषित वर्गों की आवाज को प्राथमिकता दी। उनकी जयंती पर लोगों ने भावुक होकर कहा कि नेताजी का व्यक्तित्व सादगी, संघर्ष, जनसेवा और जमीनी राजनीति की मिसाल था। उनकी विचारधारा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेग! इस मौके पर अनिल कुमार यादव, अक्षबर कनौजिया, शुभम यादव, गोलू यादव, अनूप यादव, आफताब अहमद, विनोद विश्वकर्मा, हिमालय कुमार, शक्ति पांडे, इरफानुल्लाह, नदीम अहमद सहित समाजवादी पार्टी के कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

गोद लिये गये टीबी उपचाराधीन मरीज, आरबीएस के कार्यक्रम की हुई समीक्षा

जिले भर में पुरुष नसबंदी पखवाड़े को सफल बनाने की अपील

अमर भारती ब्यूरो

◆ टीबी मुक्त पंचायत और पखवाड़े को लेकर हुआ सीएचओ का अभिमुखीकरण

गोरखपुर। जिले में सीएमओ डॉ राजेश झा ने शनिवार को विविध स्वास्थ्य गतिविधियों में हिस्सा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला क्षय रोग केन्द्र में उनकी मौजूदगी में टीबी उपचाराधीन मरीजों को गोद लिया गया । उन्होंने जिले में शुरू हुए पुरुष नसबंदी पखवाड़े और टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम को लेकर सीएचओ का अभिमुखीकरण किया। साथ ही राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की वृहद समीक्षा करते हुए डॉ झा ने गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों का सम्पूर्ण उपचार व फॉलो अप कराने का निर्देश दिया।

आरबीएसके की समीक्षा करते हुए सीएमओ ने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि हृदय रोग, क्लब फुट, कटे होंठ व तालू, जन्मजात मूक बधिर बच्चों सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित बच्चों को समय से चिन्हित करें। न केवल उन बच्चों को चिन्हित करना है बल्कि उपचार के हर स्तर पर उनकी मदद करनी है। कोशिश यह होनी चाहिए कि बच्चे को उपचार के लिए उसी स्तर की चिकित्सा इकाई पर ले जाएं जहां ले जाने की आवश्यकता है। बेवजह हायर सेंटर रेफर नहीं करना है। साथ ही कोशिश हो कि यथासंभव बच्चों को जिले से बाहर न भेज कर उनका एम्स गोरखपुर और बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्तर पर उपचार हो। सीएमओ ने कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ एके चौधरी और डीईआईसी मैनेजर डॉ अर्चना के साथ मिल कर बिंदुवार समीक्षा की। जिला क्षय रोग केन्द्र में सीएमओ डॉ झा की मौजूदगी में ग्रोथ वेल फाउंडेशन ने पचीस टीबी उपचाराधीन मरीजों को गोद लिया। इसी क्रम में निजी चिकित्सक डॉ वीएन अग्रवाल ने भी शनिवार को ही पांच टीबी मरीजों को गोद लिया। इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ नंदलाल कुशवाहा ने बताया जिले में इस समय दो हजार आठ सौ सोलह निक्षय मित्र नौ हजार सात सौ अड़सठ उपचाराधीन टीबी मरीजों को गोद लेकर उनकी देखभाल कर रहे हैं। इन मरीजों को निक्षय मित्र द्वारा प्रत्येक माह पोषण पोटली दी जाती है। साथ ही उन्हें नियमित दवा सेवन के लिए प्रेरित किया जाता है। एडॉप्शन कार्यक्रम में उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ विराट स्वरूप श्रीवास्तव, डीपीसी धर्मवीर प्रताप सिंह, पीपीएम समन्वयक अभय नारायण मिश्रा, मिर्जा आफताब बेग, एसटीएस और सभी स्टॉफ सहयोग कर रहे हैं।

सीएमओ डॉ झा ने बताया कि जिले के सभी सीएचओ का टीबी मुक्त पंचायत और पुरुष नसबंदी पखवाड़े को लेकर वर्चुअल माध्यम से अभिमुखीकरण किया गया है। उनसे अपील की गई कि इस साल के अंत तक जिले में टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को सफल बनाएं। साथ ही आशा और एएनएम की मदद से अधिकाधिक पुरुषों को नसबंदी के लिए प्रेरित करें। सीएमओ ने बताया कि उप जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी सुनीता पटेल, डीपीएम पंकज आनंद, डीसीपीएम रिपुंजय पांडेय व फैमिली प्लानिंग लॉजिस्टिक मैसेजर अवनीश चंद्र की मदद से पखवाड़े को सफल बनाने के लिए वृहद कार्ययोजना पर काम हो रहा है। शुक्रवार को जिला स्तर से सारथी वाहन रवाना किए गए हैं। पूरे जिले में करीब 59 सारथी वाहन चला कर लोगों को पुरुष नसबंदी के प्रति जागरूक किया जाएगा। राज्य से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार 27 नवम्बर तक मोबिलाइजेशन पखवाड़ा चलाया जा रहा है और उसके बाद चार दिसम्बर तक सेवा प्रदायगी पखवाड़ा होगा जिसमें फोकस कर पुरुष नसबंदी सेवाएं दी जाएंगी। हमारा पूरा जोर पुरुष नसबंदी के प्रति व्याप्त मिथक एवं भ्रांतियों को दूर करने पर होगा।

डीएम ने बीडीओ कार्यालय का किया निरीक्षण

अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने शनिवार को खंड विकास अधिकारी सिकरारा के कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और प्रगति को तेज करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में जिलाधिकारी ने गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन की चरणवार स्थिति देखी। डिजिटलाइजेशन के दौरान सामने आ रही तकनीकी या कार्यगत दिक्कतों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को तुरंत समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

डॉ. चंद्र ने बीडीओ को सख्त निर्देश दिया कि बूथवार प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि जिन बूथों पर बीते दिन प्रगति संतोषजनक नहीं थी, वहां आज सुधार अनिवार्य रूप से दिखाई देना चाहिए। सभी बूथों पर रोजाना सक्रिय रूप से कार्य किया जाए, ताकि पुनरीक्षण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा हो सके। जिलाअधिकारी ने गणना प्रपत्र वितरण और फीडिंग

♦प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता न बरतने की चेतावनी दी। उन्होंने स्वयं कई बीएलओ से दूरभाष पर बात कर प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण की वास्तविक स्थिति की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान बीडीओ, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जमीन विवादों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम निस्तारण करें: डीएम

नपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों द्वारा आमजनमानस की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने थाना पवारा पहुंचकर लोगों की शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष भूमि पर अवैध कब्जा, आपसी विवाद, मार्ग विवाद, पैमाइश संबंधी शिकायतें सहित विभिन्न प्रकरण प्रस्तुत हुए।

जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जमीन विवादों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अपनी समस्या के समाधान हेतु अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारी, राजस्व विभाग के अधिकारी, सहित अन्य उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में दो सगे भाइयों समेत तीन गिरफ्तार

जौनपुर (खेतासराय) (अमर भारती)। स्थानीय पुलिस टीम ने जमीनी विवाद को लेकर झगड़ रहे दो सगे भाइयों समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर विधिक कार्यवाई करते हुए शांति भंग चालान न्यायालय भेज दिया। पुलिस के मुताबिक सरवरपुर मोहल्ला निवासी दो सगे भाई अजीत, सुजीत पुत्रगण सन्तलाल जमीन को लेकर विवाद कर रहे थे। इसी दौरान सूचना के आधार पर पहुँची पुलिस टीम ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं क्षेत्र के गुरैनी सुम्बुलपुर से इरसाद पुत्र शब्बीर अहमद को भी शांति भंग की प्रबल सम्भावना के मद्देनज़र हिरासत में लिया गया। तीनों अभियुक्तों को 170, 126, 135 बीएनएसएस के तहत चालान न्यायालय भेज दिया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार सफाई कर्मी की मौत

जौनपुर (अमर भारती)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के किरतापुर मोड़ के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार सफाई कर्मी की मौत हो गई और उसका साथी घायल हो गया। जफराबाद थाना क्षेत्र की कर्मही गांव निवासी जितेंद्र कुमार यादव उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र तेज बहादुर यादव अपने साथी अजय प्रजापति जो उसी के गांव का रहने वाला है। उसके साथ अपनी बाइक से शहर जौनपुर आए हुए थे। शहर से वापस शुक्रवार रात्रि लगभग 10:30 बजे अपनी बाइक से जा रहे थे केराकत की तरफ से आ रहे एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। काफी देर तक सड़क पर पड़े रहने के कारण सड़क से गुजर रहे राहगीरों द्वारा दोनों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सक डॉ पवन कुमार सिंह ने जितेंद्र कुमार यादव को मृत घोषित कर दिया। इनके साथ घायल हुए अजय प्रजापति को मरहम पट्टी के बाद छुट्टी कर दी गई है। मृतक सफाई कर्मी के पद पर कार्यरत रहा। पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इंदिरा मैराथन के तीसरे विजेता रोहित का हुआ स्वागत

अमर भारती ब्यूरो

प्रयागराज। इंदिरा मैराथन में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बहरिया के रोहित सरोज का गांव पहुंचने पर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। बधाई देने वालों का उनके घर पर तांता लग रहा। रोहित की सफलता की जैसे ही उद्घोषणा हुई वैसे ही बहरिया क्षेत्र के लोगों ने सोशल मीडिया पर रोहित के जीत की तस्वीर डालकर क्षेत्र का नाम रोशन करने पर खुशी का इजहार करते हुए बधाई देने लगे। बता दें कि 40वीं प्राइज मनी इंदिरा मैराथन दौड़ में बहरिया के धर्मीर गांव निवासी रोहित सरोज ने 2 घंटे 22 मिनट 43 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की दौड़ लगाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। रोहित सरोज की शिक्षा और प्रशिक्षण क्षेत्र के केवीएम संस्थान कमलानगर से हुई।

इनके प्रशिक्षक खेल प्रवक्ता अली अहमद खान रहे। इन्हीं के संरक्षण में रोहित ने खेलकूद और दौड़ का अभ्यास शुरू किया।ब्लॉक प्रमुख बहरिया शशांक मिश्रा ने कहा गांव की पगडंडियों पर दौड़ का अभ्यास

♦लोगों ने सोशल मीडिया पर रोहित के जीत की तस्वीर डाल कर क्षेत्र का नाम रोशन करने पर दी बधाई

करने वाले रोहित सरोज ने इंदिरा मैराथन दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। रोहित के पिता संतलाल मजदूर किसान है एवं माता शान्ति देवी गृहणी हैं। सन्तलाल के दो बेटे एवं दो बेटियां है। बड़ा बेटा कमलेश पीएसी में कार्यरत है । माता-पिता ने बेटे के सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि रोहित शुरु से ही मेहनती एवं लगनशील रहा। मेरा बेटा इसी तरह सफलता की ओर बढ़ता रहे। यही कामना है।

रोहित ने कहा कि अगली बार वह इंदिरा मैराथन दौड़ का प्रथम विजेता होगा। रोहित की सफलता पर क्षेत्र के लोग अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। रोहित के गांव पहुंचने पर गर्म जोशी के साथ उनका स्वागत किया गया और जश्न मनाया गया। लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। ग्राम प्रधान मानसिंह यादव, फूल सिंह चौहान व कोटेदार दिनेश कुमार यादव, गुफरान मलिक,अशोक भारतीया,सम्बल प्रसाद पासी, रणजीत यादव,राम शंकर मिश्रा रंजीत यादव ,विकास निगम अनुज यादव, विशाल व शोले आदि ने रोहित की सफलता पर खुशी का इजहार किया है।

न्यूज डायरी

सात में तीन माललों का हुआ समाधान

मीरजापुर (अमर भारती ब्यूरो)। तहसीलदार लालगंज दीक्षा पांडे के अध्यक्षता में थाना परिसर में समाधान दिवस संपन्न हुआ। फरियादियों द्वारा कुल सात प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें तीन प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया शेष बचे हुए प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु तहसीलदार ने राजस्व एवं पुलिस टीम गठित कर निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। फरियादियों द्वारा प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से अध्ययन करते हुए तहसीलदार दीक्षा पांडे ने क्षेत्रीय लेखपाल को बुलाकर मामले को गंभीरता से परख करते हुए निस्तारण करने का निर्देश दिया। शेष बचे हुए प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस टीम को निर्देशित करते हुए तहसीलदार दीक्षा पांडे ने कहा कि शासन की मंशा है कि फरियादी को बार-बार अपनी समस्या लेकर थाना तहसील का चक्कर न काटना पड़े जिसके परिपेक्ष्य में आप लोग मौके पर जाकर फरियादी से मिलकर समस्या का गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करते हुए दो गवाहों के समक्ष फोटोग्राफी कराते हुए रिपोर्ट समय के अंदर प्रस्तुत करें। तहसीलदार ने टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादी की समस्या निस्तारण करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगा।

आशा कार्यकर्ता को फोन कर मांगे 55 सौ रुपये

हलिया, मीरजापुर (अमर भारती ब्यूरो)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के देवहट खरका गांव निवासी आशा कार्यकर्ता रंजना देवी को शनिवार दोपहर एक बजे के करीब क्राइम ब्रांच के नाम पर एक व्यक्ति ने फोन किया और रंजना देवी से साढ़े पांच हजार रुपए भेजने के लिए कहा। फोन करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने आशा कार्यकर्ता को साढ़े पांच हजार रुपए नहीं भेजने पर घर से एक घंटे के भीतर उठा ले जाने की धमकी दी। क्राइम ब्रांच के नाम पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा दी गई धमकी से डरी सहमी महिला ड्रमंडगंज थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की। आशा कार्यकर्ता रंजना देवी ने बताया कि दोपहर एक बजे के करीब मोबाइल नंबर 6389463166 से कॉल आई, जिसमें एक व्यक्ति अपने को क्राइम ब्रांच का बताकर साढ़े पांच हजार रुपए फोन पे करने के लिए कहा। क्राइम ब्रांच के नाम पर फोन करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने रूपए नही भेजने पर एक घंटे के भीतर घर से उठा ले जाने की धमकी दी। ड्रमंडगंज थाना पर साइबर सेल में तैनात कांस्टेबल साकेत कुमार सैनी ने आशा कार्यकर्ता को बताया कि किसी ठग ने आपको डरा धमकाकर रूपए ऐंठने के लिए अपने को क्राइम ब्रांच का बताकर आपको ठगने का प्रयास कर रहा था। घबराएं नही पुलिस आपकी सहायता करेगी। साइबर अपराध से संबंधित कार्य देख रहे कांस्टेबल साकेत कुमार सैनी ने बताया कि आशा कार्यकर्ता की शिकायत पर क्राइम ब्रांच के नाम पर फोन करने वाले मोबाइल नंबर की जांच की जा रही है।

सब-इंस्पेक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जौनपुर (अमर भारती ब्यूरो)।तेजीबाजार थाने पर तैनात सब-इंस्पेक्टर का सुभाष चौक पर स्थित किराये के मकान में देहांत हो गया वो अपने रूम में बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़े हुये थे। इस सम्बन्ध में सब -इंस्पेक्टर उमेश सिंह ने बताया की सब- इंस्पेक्टर सुरेश सिंह शनिवार की सुबह जब थाने पर नही आये तो उनके मोबाइल पर संपर्क किया गया लेकिन कोई जबाब नहीं आया उसके बाद थाने का सिपाही उनके रूम पर गया जो की अंदर से बंद था काफ़ी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी कोई जबाब नहीं आया तो उसने थाने पर इसकी जानकारी दी तब थाने से पहुंचे कुछ सिपाहियों ने दरवाजे की कुण्डी तोड़ी और उनके कमरे में गये तो देखा की सुरेश सिंह अपने बिस्तर पर मृत पड़े हुए थे, घटना की सूचना आला अधिकारीयों को दी गयी। मौके पर पहुंचे सी0ओ0 सदर देवेश सिंह ने बताया की सब इंस्पेक्टर सुरेश सिंह उम्र लगभग 53 वर्ष थी ये बलिया जिले के रहने वाले थे जिनका देहांत हो गया हैं, इनके परिवार वालों को सूचना दे दी गयी हैं, फिलहाल पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम हॉउस भेज दिया गया है। सुरेश सिंह 1990 बैच के थे, वर्षो से तेजीबाजार थाने पर सब -इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। वही पुलिस द्वारा इनके रूम के दरवाजे की कुण्डी तोड़ने के समय सुभाष चौक पर काफ़ी भीड़ जुटी हुई थी।

बेकाबू होकर पुल से जा टकराई स्कॉर्पियो

जौनपुर (अमर भारती ब्यूरो)। जौनपुर-भदोही राजमार्ग पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब जमालापुर के निकट सिरया पुल पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बेकाबू होकर पुल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।बताते है कि स्कॉर्पियो वाराणसी की ओर से तेज रफ्तार में आ रही थी। तेज गति के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और सीधे पुल के किनारे जा भिड़ा। दुर्घटना में स्कॉर्पियो का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, शीशे टूट गए और हेडलाइट का हिस्सा दब गया। हादसे के दौरान पास से गुजर रही एक बोलेरो भी स्कॉर्पियो की चपेट में आ गई, जिससे बोलेरो का पिछला हिस्सा दब गया। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।स्कॉर्पियो में चालक के साथ कुछ महिलाएं सवार थीं। सभी को चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत मड़ियाहूं अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है।मौके पर पहुँची पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारु कराया। हादसे के कारण कुछ समय तक राजमार्ग पर जाम जैसी स्थिति बनी रही।

रेलवे ट्रैक पर कटी मिली युवती की लाश

प्रयागराज (अमर भारती ब्यूरो)। यमुनानगर के करछना रेलवे स्टेशन पर शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक अज्ञात युवती की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। युवती की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घटना स्थल के आस-पास मौजूद लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।

राजस्थानी मजदूर युवक हुआ हादसे का शिकार

प्रयागराज (अमर भारती ब्यूरो)। राजस्थान से मजदूरी करने प्रयागराज अपने साथियों संग आए एक युवक की पिकअप से कुचलकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना गंगानगर में उतरांव थानाक्षेत्र के मर्दापुर गांव के पास हाईवे पर शनिवार सुबह हुई। मजदूर युवक की मौत से उसके साथियों में कोहराम मचा रहा। इसकी जानकारी उसके परिवार को हुई तो वहां भी रोना-धोना मच गया। जानकारी के अनुसार राजस्थान अलवर निवासी कन्हैयालाल (25) पुत्र गंगाधर उतरांव क्षेत्र के हाईवे पर अपने साथियों के साथ पिकअप जीप पर मटेरियल और मशीन रखकर पेंटिंग का कार्य करता था।

बीडीओ के निरीक्षण के दौरान चार बीएलओ मिले अनुपस्थित

अमर भारती ब्यूरो

♦शिक्षा विभाग को कार्रवाई के लिये भेजा पत्रक

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय विकासखंड के विशेष प्रगणन पुनरिक्षण के दौरान शनिवार को खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी को चार बीएलओ अनुपस्थित पाए जाने तथा कार्य में सिथिलता व मोबाइल स्वीच आफ मिलने पर शिक्षा विभाग को कार्यवाही के लिये पत्रक भेजा है कल तक आनलाइन फिडिंग नहीं होने पर संबंधित बीएलओ के विरुद्ध कार्यवाही होने की बात बीडीओ ने कहा है वही इस कार्यवाही से हडकंप मचा हुआ है।

खंड विकास अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सिकटा गांव में कार्यरत बीएलओ हरिनारायण, बीरपुर में श्रीराम, सहजी में गणेश केसरवानी, बसुहरा में जगदीश प्रसाद के कार्यों में शिथिलता पाए जाने तथा मोबाइल स्विच ऑफ होने पर चार बीएलओ के विरुद्ध शिक्षा विभाग को पत्रक भेजा गया है बीडीओ ने कहा कि हलिया, गलरा, मवयी, महुगढ, ऊटी आदि गांव में निरिक्षण के दौरान बीएलओ के कार्य सही चलता पाया गया सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि 30 नवम्बर तक सत प्रतिशत आन लाइन गणना प्रपत्रों को करना अनिवार्य है। इसमें शिथिलता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। विकास खंड में कुल 246 बीएलओ लगे हुए है ऐसे में ड्यूटी में लापरवाही करने वालों में खलबली मच गई है।

टीबी और एचआईवी जैसे गंभीर रोग के बारे में किया जागरूक

अमर भारती ब्यूरो

मड़िहान, मीरजापुर। जनपद को टीबी मुक्त श्रेणी में लाने के प्रयास क्रम में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा भिन्न-भिन्न स्थानों पर जाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में 22 नवंबर 2025 शनिवार को पुनः विभागीय टीम द्वारा विकास खंड राजगढ़ क्षेत्र के बाबा सिद्धनाथ इंटर कॉलेज जौगढ़ के प्रांगण में उपस्थित छात्रों को टीबी एवं एचआईवी जैसे गंभीर रोग के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया।

क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा विद्यार्थियों को टीबी के समस्त लक्षण से परिचित कराते हुए उसके बचाव एवं सरकारी निःशुल्क सभी जांच इलाज सुविधाओं के साथ-साथ पोषण योजना के तहत दिए जा रहे टीबी

♦जनपद को टीबी मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों ने किया प्रयास

मरीजों को प्रति माह 1000 रुपये के विषय में भी विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। श्री यादव द्वारा उक्त के साथ ही बच्चों को एचआईवी जैसे गंभीर बीमारी के होने के कारण एवं उसके बचाव को भी विधवत समझाया गया और कहा गया कि आप सभी निःक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के मदद में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाते हुए लक्षण प्रभावित व्यक्ति को जांच एवं इलाज हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र तक भेजने का प्रशंसनीय कर्तव्य निभाने का प्रयास अवश्य करें, जिससे कि हमारा जनपद जल्द से जल्द टीबी मुक्त जनपद होने का गौरव प्राप्त कर सके। उपरोक्त कार्यक्रम में क्षय विभाग के अजीत कुमार सिंह, जेड अहमद, मनभावन तथा विद्यालय प्रधानाचार्य सतीश कुमार यादव एवं प्रवक्ता राजीव दुबे, अमरनाथ सिंह, सुभाष चंद्र, रमाशंकर तिवारी आदि मौजूद रहे।

समाधान दिवस पर आए सात राजस्व मामले

जौनपुर (बक्शा) (अमर भारती)। स्थानीय थाना बक्शा परिसर में 22 नवंबर शनिवार को संपूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल सात राजस्व संबंधी मामले प्रस्तुत किए गए, लेकिन मौके पर एक भी प्रकरण का निस्तारण नहीं हो सका।थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने की। कार्यक्रम में कानूनगो अशोक द्विवेदी, कानूनगो रमेशचंद्र सहित हल्का लेखपाल भी उपस्थित रहे।प्रस्तुत सभी सात राजस्व मामलों को संबंधित गांवों के राजस्वकर्मियों को आगे की कार्यवाही के लिए सौंप दिया गया।सभी गांवों के लेखपालों ने मौके पर मौजूद रहकर मामलों के निस्तारण का प्रयास किया। थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने भी फरियादियों की समस्याओं को बेहतर ढंग से सुलझाने का प्रयास किया, जिससे मौके पर पहुंचे फरियादियों को सुविधा मिली।

बीएलओ से अभद्रता दो लोग गिरफ्तार

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी (अमर भारती)।बदोसराय क्षेत्र में बीएलओ और उनके पति से अभद्रता करने के आरोप में दो भाइयों को जेल भेज दिया गया है। उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका पर यह कार्रवाई की। यह घटना ग्राम किंतूर में शनिवार को हुई। पंचायत सहायक साजिदा बानो जो किंतूर में बीएलओ के रूप में कार्यरत हैं, अपने पति मोहम्मद रिजवान उर्फ राजा के साथ स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का काम कर रही थीं। इसी दौरान गांव के नूर आलम और सरवर पुत्रगण पीर मोहम्मद उनके पास आए और एसआईआर फॉर्म वापस मांगने लगे। साजिदा बानो के पति रिजवान ने बताया कि फॉर्म ऑनलाइन हो चुका है, जिसके बाद दोनों युवक जबरदस्ती दबाव बनाने लगे और गाली-गलौज करने लगे। वे मारपीट पर भी आमादा हो गए। सूचना मिलने पर कोतवाली बदोसराय पुलिस ने दोनों भाइयों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके एसडीएम कोर्ट में पेश किया। उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने मामले की गंभीरता और शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका को देखते हुए दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

मुलायम सिंह की 86वीं जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

अमर भारती ब्यूरो

बीकापुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की 86 वीं जयंती पर शनिवार को बीकापुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके नेता जी को श्रद्धांजलि दी गई। इसी कड़ी में पूर्व विधायक परशुराम यादव की पुत्री समाजवादी पार्टी की जिला सचिव तथा पूर्व सदस्य एससी एसटी आयोग की सदस्य रोली यादव ने दिव्यांगों को कंबल की सौगात दी गई।

तहसील के अध्यक्षता सभागार में शनिवार को करीब डेढ़ सौ दिव्यांगों को कंबल वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जयशंकर पांडे ने पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव द्वारा समाज के गरीब, पिछड़े ,दलित ,वर्ग के हितार्थ किए गए कार्यों का स्मरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा जिला अध्यक्ष पारस नाथ यादव ने कार्यकर्ताओं से गरीब, वंचित, पिछड़ों ,के हक की प्रति संघर्षरत रहने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय यादव, गोसाईगंज सपा प्रभारी लौटन राम निषाद, अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष आबाद अहमद, फिरोज खान गब्बर, संदीप यादव, जयप्रकाश यादव, बृजेश यादव, फरीद खान, विकलांग पार्टी के जिला अध्यक्ष पप्पू गुप्ता, तारिक अहमद, प्रभाकर सिंह मौजूद रहे। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के जन्म दिवस पर पूर्व विधायक परशुराम यादव द्वारा पहले सुल्तानपुर बॉर्डर चौरे बाजार से बीकापुर तहसील मुख्यालय तक करीब 16 किलोमीटर लंबी साइकिल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता रहा है।

उसके बाद उनकी पुत्री रोली यादव द्वारा परंपरा को आगे बढ़ाया गया लेकिन पिछले 2 वर्षों से साइकिल रेस प्रतियोगिता के स्थान पर कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सपा नेता राघवेंद्र प्रताप अनूप सिंह ने भी मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर पहुंचकर अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किया गया। और उनके स्वस्थ होने की कामना की गई। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉक्टर अंशुमान यादव, डॉक्टर एसके मौर्या, डॉ अनुराग गुप्ता, स्टाफ नर्स अमिता वर्मा, फार्मासिस्ट गिरधारी लाल आदि मौजूद रहे।

लैब टेक्नीशियन के विरुद्ध छेड़खानी का मुकदमा दर्ज

ड्रमंडगंज, मीरजापुर (अमर भारती)। क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की मां की तहरीर पर नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमंडगंज में तैनात लैब टेक्नीशियन राकेश कुमार पटेल के विरुद्ध शुक्रवार की देर रात छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की मां ने शुक्रवार शाम को थाने में तहरीर देकर नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमंडगंज में तैनात लैब टेक्नीशियन पर जांच के नाम पर बेटी के साथ छेड़खानी का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी।दी गई तहरीर में युवती की मां ने आरोप लगाया था कि बीते गुरुवार को 18 वर्षीया बेटी पिता के साथ जांच रिपोर्ट दिखाने और दवा इलाज के लिए नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमंडगंज गई थी। एलटी ने पिता को चाय लाने के लिए अस्पताल से बाहर भेज दिया। उसी दौरान एलटी जांच के नाम पर बेटी के साथ छेड़खानी करने लगा। पिता के साथ घर पहुंची पुत्री ने एलटी द्वारा की छेड़खानी के बारे में बताया। युवती की मां की तहरीर पर पुलिस लैब टेक्नीशियन राकेश कुमार पटेल के विरुद्ध छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पांडेय ने बताया कि युवती की मां की तहरीर पर न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज के लैब टेक्नीशियन के विरुद्ध छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

परमहंस आश्रम में संतवाणी सुनने उमड़े श्रद्धालु

अमर भारती ब्यूरो

♦संत किसी दल के नहीं होते, वे भगवान के होते हैं: भावानंद

मीरजापुर। लालगंज तहसील क्षेत्र के जयकर परमहंस आश्रम में गुरुवार को सत्संग और कथा का माहौल ऐसा रहा कि सुबह से ही श्रद्धालु संतवाणी सुनने उमड़ पड़े। भक्ति, भजन और आध्यात्मिक चर्चा के बीच भावानंद महाराज ने जीवन, अनुशासन और ज्ञान पर विस्तार से उपदेश दिया।

महाराज ने कहा कि जीवात्मा को हंस इसलिए कहा गया है कि वह सार को ग्रहण कर सकता है और व्यर्थ को छोड़ सकता है। उन्होंने बताया कि मनुष्य के चेतन में दो प्रमुख दोष, मोह और अहंकार जमे रहते हैं। जिन्हें केवल सद्गुरु की शरण ही दूर कर सकती है। उन्होंने कहा कि गुरु के संरक्षण में आने से मन के पाप, रोग और दोष नष्ट हो जाते हैं और मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने लगता है।भावानंद महाराज ने कहा कि संसार में स्थायी सहारा केवल भगवान राम ही हैं। बाकी दुनिया अस्थायी है। इसलिए मनुष्य को अपनी आशा और विश्वास उसी ईश्वर से रखना चाहिए जो सर्वोच्च और सर्वशक्तिमान है। उन्होंने कहा कि मनुष्य भगवान का अंश है।इसलिए उसे अपने भीतर दिव्यता खोजनी चाहिए।नशे को उन्होंने गरीबी, मूर्खता और पतन की जड़ बताया। महाराज ने कहा कि नशा मनुष्य को बुद्धिहीन बना देता है। त्याग और संयम ही वास्तविक धन हैं। अनुशासनहीन व्यक्ति जीवनभर दुख और भटकाव में रहता है, जबकि अनुशासित व्यक्ति ही आगे बढ़ता है। सत्संग की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि संत किसी दल के नहीं होते, वे भगवान के होते हैं। संतों की संगति से सद्भाव, सद्विचार और कल्याण की दिशा मिलती है।उन्होंने यथार्थ गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान कृष्ण की वाणी मन को पवित्र करती है।पवित्रता जल स्नान से नहीं ज्ञान से आती है।आश्रम परिसर में दिनभर आध्यात्मिक कार्यक्रम चलता रहा। अंत में भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

यातायात माह अभियान में 621 वाहन का चालान

अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में यातायात माह–नवंबर 2025 के तहत मुरादगंज, जौनपुर शहर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी यातायात सुशील कुमार मिश्र तथा टीडी कॉलेज चौकी इंचार्ज अरविंद यादव के नेतृत्व में ई-रिक्शा, टेंपो और स्टैंड के कुल 45 ड्राइवरों को नुक्कड़ सभा के माध्यम से यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया। लाउडस्पीकर के माध्यम से हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग, हाई स्पीड, तीन सवारी न बैठाने, वाहनों पर काली फिल्म न लगाने और यातायात नियमों के अनुपालन पर विशेष जानकारी दी गई। काली फिल्म लगे वाहनों की मौके पर जांच करते हुए कई वाहनों से काली फिल्म उतरवाई भी गई। इसके साथ ही पूरे जनपद में व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 621 वाहन चालकों का चालान किया गया।

सेना का सम्मान बढ़ाने वाले महान नेता थे मुलायम सिंह: राकेश

अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक, संरक्षक, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रक्षा मंत्री भारत सरकार, पद्म विभूषण, धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव जी की जयंती जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में धरतीपुत्र दिवस के रूप में 11:00 बजे दिन, सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज स्थित जिला पार्टी कार्यालय पर समारोह पूर्वक मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने मुलायम सिंह यादव जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया तथा उनके संघर्षों, बलिदानों को याद करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लिया।

गोष्ठी का संचालन कर रहे ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव के जीवन दर्शन के विषय में बताया।गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे

हैं जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि 22 नवंबर 1939 को इटावा के ग्राम सैफई में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव अपने संघर्षों और समाजवादी विचारधारा के कारण असाधारण व्यक्तित्व के प्रतीक रहे।

उन्होंने सदैव सामाजिक न्याय, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति उनकी सोच और उद्देश्य को जमीन पर साकार किया। नेताजी मुलायम सिंह यादव तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, भारत के रक्षा मंत्री रहे तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी, डॉ राममनोहर लोहिया एवं संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर से प्रभावित होकर समाजवादी पार्टी का गठन किया। आज समाजवादी पार्टी देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी का स्थान रखती है ये नेताजी मुलायम सिंह यादव का ही आशीर्वाद है।

नेताजी मुलायम सिंह यादव जी की जीवन गाथा संघर्ष, सरलता एवं जनसेवा की अनूठी मिसाल है जो उन्हें युग पुरुष बनाती है।आज उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हैं श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

बैंक खाते से निकले पांच लाख, छानबीन में जुटी पुलिस

जौनपुर (अमर भारती)। नगर के मण्डी नसीब खां में स्थित यूनियन बैंक की मुख्य शाखा से एक ग्राहक के खाते से 5 लाख रूपये बिना उसकी जानकारी के निकल गये। भुक्तभोगी के मोबाइल पर पैसे कटने का मैसेज आया तो उसके होश उड़ गये। उसने बैंक जाकर संपर्क किया। साइबर सेल को जानकारी देते हुए लाइन बाजार थाने पर तहरीर दिया। तहरीर मिलने पर थाना पुलिस मुकदमा पंजीकृत करते हुए मामले की छानबीन में जुट गयी। जानकारी के अनुसार लाइन बाजार थाना क्षेत्र के विशेषरपुर क्षेत्र के रसीदाबाद निवासी शकील अहमद अंसारी ने बताया कि यूनियन बैंक की मंडी नसीब खां शाखा में उनका बैंक खाता है। बीते 17 नवम्बर उनके खाते से बिना उनकी जानकारी के 5 लाख रूपये कट गये। थाना पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज करते हुए विवेचना में जुड़ गये हैं।

अमर भारती में प्रकाशित समाचार, विचार, लेख अथवा विज्ञापन से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.com पर प्रेषित करें अथवा 9311222595 पर व्हाट्सएप करें।

15 करोड़ श्रद्धालु लगाएंगे त्रिवेणी में डुबकी: योगी

800 हेक्टेयर में बसेगा माघ मेला

अमर भारती ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्य नाथ शनिवार को प्रयागराज में व्यक्तिगत कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ ही माघ मेले की तैयारियों को देखा। स्टीमर से त्रिवेणी संगम का लाइफ जैकेट पहने भ्रमण किया और पंक्षियों को दाना खिलाया। फिर वेद मंत्रोच्चार के बीच संगम नोज पर ब्राह्मणों ने उनसे गंगा पूजन कराया। संगम धारा में बनाए गए मंच पर से मां गंगा को दूध अर्पित किया। फिर अफसरों के साथ माघ मेले की समीक्षा की। इसके बाद सीएम ने प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि %नौ महीने बाद मैंने गंगा पूजन किया। माघ मेले की तैयारी शुरू हो चुकी है। पिछले वर्ष 2024 की तुलना में इस बार इसका दायरा बढ़ाया गया है। इस बार माघ मेला 800 हेक्टेयर में बसेगा और 12-15 करोड़ लोग संगम में स्नान करेंगे।% इसके पहले योगी शनिवार सुबह करीब साढ़े बजे प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से

सबसे पहले योगी सिविल लाइंस के होटल कान्हा श्याम पहुंचे। यहां हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश एम.सी. त्रिपाठी की पुत्री के विवाह समारोह में उपस्थित होकर वर-वधु को आशीर्वाद दिया। फिर कुछ देर रुकने के बाद भाजपा शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी के घर पहुंचे। यहां हनुमान प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुए। रुद्रावतार हनुमान की पूजा-अर्चना कर सीएम माघ मेला क्षेत्र पहुंचे और लेटे हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की।महाकुंभ के बाद यह पहला माघ मेला है। योगी सरकार की तैयारी माघ मेले को भी भव्य बनाने की है। इसके लिए प्रयागराज प्रशासन ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। गंगा में पांटून पुल बनाए जा रहे हैं। सीएम योगी ने बताया कि सीसीटीवी और एआई कैमरों से मेले की मॉनिटरिंग की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए 3800 बसें चलाई जाएंगी। इसमें परिवहन निगम की 3000 बसें भी रहेंगी। 75 शटल बस मेला क्षेत्र के अंदर, शहर से मेला क्षेत्र और मेला क्षेत्र से शहर तक लाने-ले जाने के लिए इलेक्ट्रिक बसें भी रहेंगी। 200 बसें रिजर्व में रहेंगी। टेंट सिटी का भी निर्माण किया जा रहा है।

25 हजार बनेंगे शौचालय

योगी ने बताया कि मेले में 25 हजार शौचालय निर्माण होंगे।स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है। 8 हजार डस्टबिन, 10 लाख से अधिक लाइनर बैग, 20 सक्शन गाड़ियां और 3000 सफाईकर्मी तैनात रहेंगे। मेला पुलिस अधीक्षक के साथ ही पहले चरण में एडिशनल एसपी, सीओ, इंस्पेक्टर समेत अन्य पुलिस कर्मियों की तैनाती हो चुकी है। शेष की तैनाती प्रक्रिया कार्रवाई चल रही है। पुलिस लाइन निर्माण कार्य बढ़ाया जा चुका है। मेला क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकी, 20 फायर टेंडर, सात अग्निशमन चौकी, 20 वाच टावर, एक जल पुलिस थाना, एक जल पुलिस कंट्रोल रूम और चार जल पुलिस सब कंट्रोल रूम स्थापित किए जाने हैं। आठ किमी. का डीप वाटर बैरिकेडिंग भी यूपी पुलिस द्वारा लगाया जाएगा

20-20 बेड वाले होंगे दो अस्पताल

सीएम योगी ने बताया कि मेले की प्रगति युद्ध स्तर पर है। कल्पवासियों और श्रद्धालुओं के साथ पूरे आयोजन को भव्यता - दिव्यता के साथ संपन्न करेंगे। माघ मेले की तिथि तीन जनवरी को पौष पूर्णिमा, 15 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को बसंत पंचमी, एक फरवरी को माघ पूर्णिमा व 15 फरवरी को महाशिवरात्रि (छह प्रमुख स्नान) होंगे। माघ मेले के दृष्टिगत यूपी सरकार के सभी संबंधित विभागों को जोड़ दिया गया है।

जल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा सिंचाई विभाग

सिंचाई विभाग बाढ़ निरोधक उपाय करने के साथ ही जल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। संगम में 19-20 हजार क्यूसेक शुद्ध जल की उपलब्धता है, लेकिन माघ मेला में भी 10 हजार क्यूसेक जल की उपलब्धता निरंतर बनी रहे, विभाग यह प्रयास कर रहा है। नमामि गंगे को जल की शुद्धता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पावर कॉरपोरेशन नियमित विद्युत आपूर्ति के साथ इलेक्ट्रिक सेफ्टी की व्यवस्था करेगा।

एचटी और एलटी लाइन बिछाने का काम शुरू

यूपी पावर कॉर्पोरेशन मेला क्षेत्र में 47 किमी. की एचटी और 360 किमी. की एलटी लाइन बिछाने और 25 अस्थाई सब स्टेशन बनाने का कार्य भी प्रारंभ कर चुका है।

पीडब्ल्यूडी को मेले में मार्ग बनाने की जिम्मेदारी

पीडब्ल्यूडी सम्पर्क मार्ग के साथ ही मेले के अंदर के मार्गों की भी व्यवस्था देखेगा। आवागमन में दिक्कत न हो, इसके लिए विभाग सात पांटून ब्रिज, लगभग 160 किमी. के दायरे में चकर्ड प्लेट बिछाएगा।

242 किमी. लंबी पेयजल पाइप लाइन

उप्र जल निगम द्वारा 242 किमी. की पेयजल पाइप लाइन बिछाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। 85 किमी. की सीवर लाइन बिछाने जाएगी, जिससे सीवर के एक भी बूंद का रिसाव गंगा-यमुना में नहीं हो सके।

विश्व मात्स्यिकी दिवस पर कबीना मंत्री ने मत्स्य अंगुलिकाओं का नदी में किया संचयन

प्रयागराज (अमर भारती)। विश्व मात्स्यिकी दिवस पर उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डा. संजय कुमार निषाद एवं केन्द्रीय अंतस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान प्रयागराज के केन्द्राध्यक्ष बाला साहेब रामदास चव्हाण की गरिमामई उपस्थिति में एक दिवसीय गोष्ठी का शनिवार को आयोजन किया गया। मत्स्य पालक विकास अभिकरण के बैनर तले हुई इस गोष्ठी में भाग लेने पहुंचे मंत्री डॉ संजय निषाद ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत संगम नोज पर रिवर रैंचिंग कार्यक्रम के तहत भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन नदी में किया। बालासाहेब रामदास

♦ संगम नोज पर मंत्री ने की गोष्ठी

चव्हाण ने मत्स्य पालकों, मछुआ समुदाय व स्थानीय लोगों को तकनीकी रूप से मत्स्य पालन कर मत्स्य उत्पादन क्षमता में वृद्धि लाने तथा मछलियों में जनित रोगों के निराकरण को आवश्यक जानकारी प्रदान करते हुए विभाग में संचालित योजनाओं में आवेदन प्रस्तुत कर लाभ अर्जित करने की सलाह दी।

मौके पर उपनिदेशक मत्स्य प्रयागराज विजय पाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय प्रकाश शुक्ला, उपजिलाधिकारी तहसील हण्डिया सहित मत्स्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

घर में खड़ी बाइक चोरी, अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट

जालौन (अमर भारती)। घर के गैरेज में खड़ी बाइक को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। पीड़ित वाहन स्वामी की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर बाइक की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जगतपुरा बुजुर्ग निवासी आशीष कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी बाइक गैरेज में खड़ी रहती थी। दो दिन पूर्व उन्होंने बाइक को गैरेज में खड़ा किया था। रात में किसी अज्ञात चोर ने गैरेज का ताला तोड़कर बाइक को चोरी कर लिया। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कहीं पता नहीं चला। पीड़ित वाहन स्वामी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर बाइक चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

नाले में उतराता मिला शव

जालौन (अमर भारती)। घाट वाली माता के पास स्थित मलंगा नाले में एक 30 वर्षीय युवक का लगभग एक सप्ताह पुराना शव पड़ा पानी में उतराता मिला है। शव की पहचान नहीं हुई है। फोरेंसिक टीम नमूने एकत्रित कर रही है। नगर के औरैया रोड से प्रतापुरा के रास्ते में घाट वाली माता जाने के लिए रोड निकला है। घाट वाली माता के पास ही मलंगा नाला निकला है। इस नाले में शनिवार की शाम करीब साढ़े चार बजे किसान निकल रहे थे तो उल्हें एक युवक का शव पानी में उतराता हुआ दिखा। शव को देखकर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एसएसआई संजय यति मौके पर पहुंच गए और फोरेंसिक टीम को बुलाया। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने नमूने एकत्रित किए और शव का बाहर निकलवाकर वहां मौजूद लोगों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। एसएसआई संयज यति ने बताया कि शव लगभग एक सप्ताह पुराना लग रहा है। शायद शव पानी में बहकर आ गया है। फोरेंसिक जांच कराई गई है। साथ ही शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

पति से अभद्रता पर महिला ने की शिकायत

जालौन (अमर भारती)। कुछ लोगों ने पति के साथ अभ्रदता कर जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित की पत्नी ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। वहीं, पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कटरा निवासी प्रियांशी ने पुलिस को बताया कि उनके पति अमित एलयूसीसी कंपनी में एजेंट थे। यह कंपनी भाग चुकी है। इसी को लेकर कुछ लोग उसके घर आ धमके और पति के साथ अभद्रता करते हुए गाली, गलौज करने लगे। जब उन्होंने रोका तो जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। पीड़िता ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई है। वहीं, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसआरआई की तैयारियां जोरों पर

मौदहा, हमीरपुर (अमर भारती)। शासन के निर्देशन प्रदेशन अनुसार एस आई आर की तैयारियां जोरों पर चल रही है वही बी.एल. ओ. घर-घर जाकर मतदाता सूची तैयार कर रहे हैं बी. एल. ओ. नितेंद्र कुमार गुप्ता निजामी पूरा हुसैनगंज वार्ड नंबर 9 की जिम्मेदारी दी गई है जो घर-घर जाकर एस. आई. आर. को लेकर मतदाता सूची बड़ी कुशलता के साथ तैयार कर रहे हैं वही मतदाताओं को पूरी जानकारी देते हुए प्रत्येक व्यक्ति का फॉर्म चेक कर भरकर शासन को भेजने की तैयारी में लगे हुए वहीं उनके सहयोगी जाने माने समाजसेवी नूर मोहम्मद उर्फ साका, मोहम्मद शाहिद, गुल्ली भाई,पिंटू भाई आदि लोग ने भरपूर बी. एल. ओ.का सहयोग किया

ई-रिक्शा चालक ने ट्रेन से कटकर की आत्महत्या

भरूआ सुमेरपुर (अमर भारती)। शुक्रवार को देर शाम ईरिक्शा चालक ने चंद्रपुरवा गेट के समीप ट्रेन से कटकर जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजन घटना का कारण नहीं बता पा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।चंद्रपुरवा बुजुर्ग निवासी दयाराम साहू का सबसे बड़ा पुत्र आशीष साहू 22 वर्ष ईरिक्शा चलाकर परिवार का सहयोग करता था। शुक्रवार को देर शाम इसने चंद्रपुरवा गेट के समीप किसी ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। परिजन घटना का कारण नहीं बता पा रहे हैं।

सीएमएस बिना अनुमति शहर से नदारत, डीएम ने जताई नाराजगी

उरई (अमर भारती)। बीते रोज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित दिशा की बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारी और जन प्रतिनिधि शामिल रहे। जब कि जिला अस्पताल के सीएमएस इस बैठक से नदारत रहे। जिस पर जिलाधिकारी ने जब प्रभारी सी एम ओ से जानकारी मांगी तो वह भी कोई संतोष जनक जवाब नहीं दे सके। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताकर कार्रवाई की बात कही है। जिला पुरुष अस्पताल में जब से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के रूप में डा आनंद उपाध्याय ने चार्ज सम्हाला है। तब से लेकर आज तक जिला अस्पताल में उनकी कार्य शैली पर प्रश्न चिन्ह लगते रहे हैं। आज भी कई डाक्टर से लेकर अन्य स्वास्थ्य कर्मी उनका विरोध करते हुए दिखाई पड़ते हैं। इसके बाद भी उनकी कार्य शैली में सुधार नहीं हो पा रहा है। वह आज भी हर सप्ताह गुरुवार या शुक्रवार को उच्च अधिकारियों को बिना सूचित किये ही शहर से नदारत हो जाते हैं। सूत्र बताते हैं कि वह खुद एक नेत्र सर्जन हैं। वह आगरा में निजी प्रेक्टिस करते हैं इनके आने पर मरीजों की आंख की सर्जरी का दिन पहले से निर्धारित कर दिया जाता है। इस कारण यह ज्यादातर शुक्रवार से लेकर सोमवार को दिन के 11 बजे तक अस्पताल से नदारत रहते हैं। जिसका विरोध कई बार जिला अस्पताल के डाक्टर और स्वास्थ्य कर्मी तक कर चुके हैं। एक बार तो अस्पताल के कुछ डाक्टरों ने उनके अस्पताल परिसर से बिना सूचना बाहर जाने पर उनकी कार रोककर जमकर नारेबाजी कर दी थी। जिस कारण उन्हें शहर में ही रुकना पड़ा था। लेकिन इसके बाद भी उनकी आदतों में सुधार नहीं हुआ और वह इस बार भी गुरुवार को चले गए। जिससे जिला स्तरीय दिशा की बैठक में शामिल न होने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की बात कही गई है। वही प्रभारी सीएमओ डॉ डी के भिटौरिया का कहना है, कि वह कब बाहर गए उन्हें जानकारी नही है।

दिव्यांगजन में होती है दिव्य रचनात्मक क्षमता: क्षितिज

अमर भारती ब्यूरो

प्रयागराज। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग एवं उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय प्रयागराज के संयुक्त सहयोग से उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में तीन दिवसीय दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति विपिन चन्द्र दीक्षित की गरिमामई उपस्थिति रही।न्यायमूर्ति ने दिव्यकला एवं कौशल प्रदर्शनी में दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत एवं सरकारी विभागों के स्टालों का अवलोकन किया। इस दौरान दिव्यांगजन के हितार्थ उत्तर प्रदेश मूकबधिर विद्यालय की ओर से संचालित कौशल प्रशिक्षण स्टाल का भी न्यायाधीश द्वय ने अवलोकन किया। न्यायमूर्ति ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगजन में दिव्य रचनात्मक क्षमता होती है। इस अवसर पर 50 दिव्यांग बच्चों को

श्रवण यंत्र, एमआर किट एवं टिफिन बॉक्स वितरित किए गए।

त्रिदिवसीय प्रर्दशनी के समापन सत्र के मौके पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रदर्शनी में बचपन डे केयर सेण्टर, उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय, भाविनी वेलफेयर सोसाइटी, माता कलावती कालेज, उडान स्पेशल स्कूल, ट्रेन ट्रस्ट, जन चेतना संस्थान, सक्षम इत्यादि स्वैच्छिक एवं विभागीय संस्था ने प्रतिभाग किया। समापन सत्र में उपनिदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग प्रयागराज मंडल अभय कुमार श्रीवास्तव, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अशोक कुमार गौतम, डा केएन मिश्र, प्रधानाचार्य उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय प्रयागराज, विकास पाण्डेय जिला समन्वयक समेकित शिक्षा एवं संदेश मिश्र पाठ्यक्रम समन्वयक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता डा. प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

डीएम-एसपी ने जनता की शिकायतों को सुन किया निस्तारण

बांदा (अमर भारती)। जनपद के समस्त थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा समस्त थानों में जनता की शिकायतें सुन उनका निस्तारण किया गया । थाना समाधान दिवस पर जिलाधिकारी बांदा जे. रीभा व पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल द्वारा थाना पैलानी में जनता की शिकायतों को सुन उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । इस दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक बांदा सुश्री मेविस टॉक भी मौजूद रही । इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा श्री शिवराज द्वारा थाना कोतवाली नगर में जनता की शिकायतों/समस्याओं को सुन उनका निस्तारण किया गया । थाना समाधान दिवस पर जनपद में कुल 45 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 09 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु टीमों का गठन किया गया ।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के नाम पर मरीजों से उगाही

अमर भारती ब्यूरो

उरई। जिले के निजी अस्पतालों में लगने वाले निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों के नाम पर मरीजों के साथ जमकर उगाही का सिलसिला जारी है। हास्पिटल संचालक सोशल मीडिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर बाहरी डाक्टरों का प्रचार प्रसार करके मरीजों का स्वास्थ्य शिविरों में आने के लिए एकत्रित करते हैं। जहां मरीजों से रजिस्ट्रेशन के नाम पर शुल्क जमा कराकर उन्हें बाहरी कमीशन बेस महंगी दवाएं लिखी जाती हैं। स्वास्थ्य शिविर में जितनी भी आय होती है। उसका निजी अस्पताल के संचालक फायदा उठाते हैं। हालांकि बाहर से आने वाले डाक्टर सिर्फ अपने प्रचार प्रसार पर ही निर्भर रहते हैं। शिविर में अगर किसी मरीज को जरा सा आराम मिल जाता है, तो वह मरीज कानपुर और झांसी से आए डाक्टर के पास इलाज के लिए जाता है। जिसका फायदा बाद में बाहरी डाक्टर को मिलना शुरू होने लगता है। जिला समेत शहर के कोने कोने में खुले निजी हास्पिटल अब निशुल्क

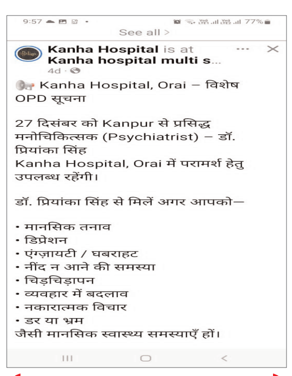

♦ कान्हा हॉस्पिटल समेत अन्य निजी अस्पतालों में बुलाए जाते बाहरी चिकित्सक

स्वास्थ्य शिविर के नाम मरीजों के साथ धोखा कर रहे हैं। जिसमे एक दो नहीं बल्कि कई निजी हास्पिटल संचालक बाहर से अलग अलग रोग के डाक्टर अपने यहां बुलाते हैं। जिसमे स्वास्थ्य शिविर की तारीख पहले से ही निर्धारित कर दी जाती है। मरीजों को एकत्रित करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जाता है। सुबह से शाम तक चलने वाले इन शिविरों में मरीजों से पहले रजिस्ट्रेशन के नाम पर शुल्क लिया जाता है। इसके बाद डाक्टर से इलाज के समय मरीज को कमीशन बेस दवाएं लिख दी जाती हैं। इतना ही नहीं यह दवाएं सभी दुकानों पर नहीं बल्कि किसी निर्धारित मेडिकल स्टोर पर ही मरीज को उपलब्ध होने की बात कही जाती है। जिसमे निजी अस्पतालों के संचालक मरीजों के साथ जमकर उगाही कर लेते हैं। शहर में इस गोरख धंधे के लिए राजकीय मेडिकल कालेज के आसपास के कई मेडिकल स्टोर संचालक और निजी हास्पिटल संचालक बाहरी डाक्टर को बुलाकर मरीजों से उगाही करने के इस खेल में शामिल हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार जानकारी के बाद भी अनजान बने रहते हैं। जिले में निजी हास्पिटल में होने वाली गति विधियों की देखरेख और कार्रवाई की जिम्मेदारी के लिए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा अरविंद भूषण को नोडल के रूप में नामित किया गया है, लेकिन वह भी अपनी इन जिम्मेदारियों से पलड़ा झाड़ने में लगे रहते हैं। वही जब नोडल अधिकारी से जानकारी ली गई तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

मौदहा, हमीरपुर (अमर भारती)। कस्बे के एक युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया जिसे इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां से युवक को सदर अस्पताल के लिए रेफर किया गया था लेकिन कानपुर ले जाते समय युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।कस्बे के मोहल्ला मराठीपुरा टेमन बाबा के निवासी भगवान दास (22)पुत्र स्व. चुनुबाद ने अपने घर में देररात अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उसकी हालत बिगडने पर परिजनों द्वारा इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां से युवक की हालत खराब होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया था लेकिन सदर अस्पताल से कानपुर ले जाते समय रास्ते में युवक की मौत हो गई। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया है।

20 दिन की कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने पकड़ा मगरमच्छ

ओरन/बांदा (अमर भारती)। शनिवार को वन विभाग के प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार व क्षेत्रीय वनाधिकारी परवेज शहजाद के कुशल निर्देशन पर लगभग 20 दिन की कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम द्वारा रेस्क्यू किया गया।

कस्बे के तिलहर माता मंदिर तालाब में 2 नवम्बर सोमवार को दोपहर करीब 12रू00 एक मगरमच्छ देखने को मिला जिससे आसपास हड़कंप मच गया,लोगों ने चौकी पुलिस को सूचना दिया, पुलिस की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम तालाब से मगरमच्छ को रेस्क्यू करने पर लग गई, मगर मगरमच्छ के बार-बार स्थान बदलने से पकड़ने में सफ्लता नहीं मिल पा रही थी। मगरमच्छ होने से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ था।

आज वन विभाग की टीम द्वारा पिछले दो सप्ताह की कड़ी मेहनत की बाद मगरमच्छ को पकड़ने में सफ्लता पाई। मगरमच्छ के पकड़े

जाने पर लोगों ने राहत की सांस लिया। वन विभाग के उप क्षेत्रीय वन अधिकारी संतोष कुमार ने बताया की लगभग दो सप्ताह टीम द्वारा रेस्क्यू कार्य किया गया मगर मगरमच्छ कई स्थान बदलते-बदलते तिलहर देवी मंदिर तालाब से चतुराई तालाब के बाद अतर्रा रोड पोखर एवं पुनः तिलहर देवी मंदिर तालाब पर आया अंत में अतर्रा रोड स्थित पोखर में रेस्क्यू कर पकड़ लिया गया। जिसे सुरक्षित उसके प्रकतवास में छोड़ा जाएगा। रेस्क्यू करने वाली टीम में वनरक्षक शुभम द्विवेदी, संदीप पाल, युवराज सिंह, जगदीश मौर्य, प्रमोद उर्फअक्षय, राम सिंह, आदि शामिल रहे।

किसानों को जिले में नहीं मिल रहा बाजार

अमर भारती ब्यूरो

भरूआ सुमेरपुर। सूखे बुंदेलखंड में धान की बेशकीमती प्रजाति बासमती का रिकॉर्ड उत्पादन करने वाले किसान जिले में धान का बाजार नहीं होने से मायूश है। बाहर से आने वाले व्यापारियों को औने पौने दामों में धान बेचकर नुकसान उठा रहे हैं। किसानों का कहना कि अगर एक अदद धान मिल स्थापित हो जाए, तो इसका लाभ किसानों को मिलने लगेगा। कभी बुंदेलखंड की पहचान सूखे चटियल मैदान के रूप में होती थी। किसानों ने इस मिथक को तोड़ा और सूखे चटियल बुंदेली धरा पर धान की वेशकीमती बासमती की प्रजाति 1121 एवं 1718 को उठाकर रिकॉर्ड उत्पादन किया है। लेकिन इस धान का बाजार जिले में नहीं है। बांदा,अतर्रा,बबेरू, खुरहंड से आने वाले धान व्यापारी औने पौने दामों में बासमती धान खरीद रहे हैं। किसानों की मजबूरी है कि वह बाजार के अभाव में इसको कौड़ियों के भाव बेचकर नुकसान उठा रहे हैं।

टेढ़ा के किसान सौरभ सिंह, अनिल यादव, राजा सिंह, जगदीश

♦ औने पौने दामों में बाहरी व्यापारियों को बेचने को है मजबूर किसान

वर्मा,राजेंद्र सिंह, मुलायम सिंह परिहार आदि ने बताया कि एक दशक पूर्व टेढ़ा से बासमती धान की उत्पादन की शुरुआत हुई थी। तब यह कुछ ही बीघे में रोपित किया गया था। अब यह हजारों हेक्टेयर क्षेत्र में उत्पादित हो रहा है। प्रगतिशील कृषक सौरभ सिंह ने बताया कि पंजाब हरियाणा में बासमती धान का वास्तविक मूल्य 3500 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल है। जबकि यहां महज 2800 से 3000 रुपये प्रति कुंतल बिक रहा है। इस लिहाज से किसानों को करीब 1000 रुपये प्रति क्विंटल का नुकसान उठाना पड़ रहा है। अगर एक अदद चावल मिल जिले में स्थापित हो जाए, तो किसानों को इसका लाभ मिल सकता है। किसानों के अनुसार ब्लाक क्षेत्र में 15000 हेक्टेयर में इस वर्ष बासमती धान का उत्पादन हुआ है। औसत उत्पादन 5 से 6 क्विंटल प्रति बीघा है। लाखों क्विंटल बासमती धान पैदा करने वाले किसानों को वाजिब दाम नहीं मिल पा रहे हैं। किसान औने पौने दामों में धान बेचने को मजबूर है। धान खरीद केंद्र के प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि सरकारी केंद्र में बासमती प्रजाति के धान खरीद का प्रावधान नहीं है। यहां पर महज मोटा धान खरीदा जा रहा है। मंडी सचिव ब्रजेश निगम ने बताया कि दो व्यापारियों ने टेढ़ा मंडी में धान खरीद का लाइसेंस लिया है।

वरिष्ठ नागरिकों का शत-प्रतिशत बनाया जाए आयुष्मान कार्ड: आयुक्त

आयुक्त की अध्यक्षता में समपन्न हुई बैठक

अमर भारती ब्यूरो

बांदा। आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा अजीत कुमार की अध्यक्षता में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मण्डलीय/जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से मण्डल के अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, सीएमओ,सीएमएस, एसीएमओ, डीआईओ, मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, जनपदीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के स्टाफ डेवलपमेंट पार्टनर एजेंसी डब्लूएचओ, यूनीसेफ एवं अन्य जनपदीय नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन आलोक कुमार मण्डलीय कार्यक्रम प्रबंधक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन/सिफ्सा, चित्रकूट धाम मंडल द्वारा किया गया। बैठक में मण्डल के चिकित्सा विभाग की रैंकिंग एवं कार्य में सुधार होने पर आयुक्त ने प्रसन्नता व्यक्त की। बैठक के दौरान ÷इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब÷ जनपद बांदा एवं चित्रकूट में शीघ्र प्रारम्भ कराने हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय पुरुष को निर्देश दिये तथा जनपद महोबा एवं

हमीरपुर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को मानक अनुरूप समस्त जाँचे प्ब्भ्स् लैब में कराने हेतु निर्देशित किया। जनपद हमीरपुर के जिला पुरुष चिकित्सालय मे अब तक ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट प्रारम्भ नही होने पर शीघ्र लाइसेन्स प्राप्त करते हुये इकाई प्रारम्भ करने हेतु सीएमएस को निर्देशित किया गया। मण्डल, जनपद एवं ब्लाक के समस्त पर्यवेक्षकीय अधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक माह पर्यवेक्षकीय भ्रमण करते हुये चेकलिस्ट में जानकारी अपडेट कराने एवं प्राप्त गैप पर संबन्धित इकाई/ब्लाक/ जनपद द्वारा कार्यवाही कराने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने हेतु छैट पखवाड़े को दिनांक 21 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक मोबिलाइजेशन चरण (21 से 27 नवंबर) तथा सेवा प्रदायगी चरण (28 नवंबर से 4 दिसंबर 2025) को बेहतर गुणवत्ता पूर्ण ढंग से मनाए जाने एवं व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु जनपदों को निर्देशित किया गया। प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में इशेंशियल ड्रग लिस्ट की उपलब्धता तथा उनकी अपडेटेड सूची का प्रदर्शन इकाई के ओपीडी परिसर में कराने हेतु जनपदों को निर्देशित किया गया। बैठक में आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन संकेतकों (इंडीकेटर्स) पर प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनमें आगामी माह तक सुधार अवश्य परिलक्षित होना चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों (70 वर्ष से अधिक आयु) का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाया जाए, जिससे उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। आयुक्त ने वी.एच.एन.डी. सत्रों के नियमित आयोजन पर विशेष बल दिया। सभी सीएमओ यह सुनिश्चित करें कि नियमित सत्र समय से आयोजित हों तथा इसका मोबिलाजेशन आशाओं द्वारा गुणवत्ता पूर्ण हो। डाक्टरों तथा सीएचओ को ई-संजीवनी पोर्टल का अधिकतम उपयोग करने और आम जनता को इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए । आयुक्त महोदय सभी संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों का वेतन समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए। मरीजों की सुविधा को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने पंजीकरण व्यवस्था को सरल एवं डिजिटल बनाने पर बल दिया। पंजीकरण कक्ष पर लम्बी लाइनों की समस्या से निजात दिलाने हेतु आभा के माध्यम से जिला चिकित्सालयों में ओपीडी पर्चे की लाइन कम करने हेतु डिजिटल पंजीकरण प्रणाली को अपनाने और जनता को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। अस्पतालों में डाक्टरों की समय पर उपस्थिति अनिवार्य हो और मरीजों के साथ सहजता एवं शालीनता से व्यवहार किया जाए। आयुक्त अजीत कुमार ने कहा कि सरकार की मंशा है कि स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक और अधिक सरल, सहज एवं प्रभावी रूप में पहुँचाया जाए। इसके लिए सभी अधिकारी पूरी निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करें। उपरोक्त के अतिरिक्त बैठक के दौरान कोविड 19 स्टाफके शेष स्टाफका समायोजन, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, एबीबीएस/आयुष चिकित्सक के वाक इन साक्षात्कार, एनएचएम की वित्तीय उपलब्धि, आशा / आशा संगिनी चयन, क्टक्डै पोर्टल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशीलता, एनसीडी स्क्रीनिंग, प्रथम संदर्भन इकाई क्रियाशीलता, मातृ स्वास्थ्य के 11 की परफ़ेर्मेंस इंडीकेटर, नियमित टीकाकरण, क्वालिटी कार्यक्रम के अंतर्गत कायाकल्प / एनक्यूएएस, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, एनबीएसयू, दिनांक 14 दिसंबर 2025 से जनपद बांदा, हमीरपुर एवं महोबा में आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान, जनपदीय कार्य योजना 2026-27 का प्रेषण शीघ्र राज्य को उपलब्ध कराने, आदि की समीक्षा की गयी।

अमर भारती में प्रकाशित समाचार, विचार, लेख अथवा विज्ञापन से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.com पर प्रेषित करें अथवा 9311222595 पर व्हाट्सएप करें।

डीएम ने एसआईआर कार्यों का किया निरीक्षण

अमर भारती ब्यूरो

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने आज शनिवार को कसया एवं फाजिलनगर विकासखंडों के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से फॉर्म जमा होने की स्थिति एवं ऑनलाइन प्रविष्टियों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्राथमिक विद्यालय दमवतीया (पडरौना) में निरीक्षण दौरान 920 वोटर में फॉर्म जमा 25 पाया गया। जिलाधिकारी ने अत्यंत धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और बीएलओ को फटकार लगाते हुए तेजी लाने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार प्राथमिक विद्यालय धर्मपुर बुजुर्ग में 1280 वोटर के सापेक्ष फॉर्म जमा 700 एवं ऑनलाइन प्रविष्टियाँ – 250 कि पाई गई। जिलाधिकारी ने इसे संतोषजनक बताया, पर शेष परिवारों तक पहुंच बनाने हेतु त्वरित अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य बूथ (कसया क्षेत्र) 1285 वोटर के सापेक्ष फॉर्म जमा 350 एवं ऑनलाइन प्रविष्टियाँ 350 पाया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने फॉर्म व ऑनलाइन संख्याओं को संतुलित रूप से बढ़ाने पर बल दिया।

◆25 नवम्बर तक सभी प्रविष्टियां पूर्ण करने के कड़े निर्देश, जनपदवासियों से एसआईआर फॉर्म जमा करने की अपील

उच्च प्राथमिक विद्यालय बहोरापुर में 829 वोटरों के सापेक्ष फॉर्म जमा 135 का ऑनलाइन प्रविष्टियाँ 80 पाई गई। जिलाधिकारी ने बीएलओ को घर-घर संपर्क तेज करने के निर्देश दिए।

प्राथमिक विद्यालय धुनवालिया (फाजिलनगर) में 1370 वोटरों के सापेक्ष फॉर्म जमा 135 का एवं ऑनलाइन प्रविष्टियाँ 105 पाई गई कार्य में अपेक्षित गति न होने पर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी बीएलओ 25 नवम्बर तक प्रत्येक पात्र मतदाता का एसआईआर फॉर्म पूर्ण कर जमा एवं ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां प्रगति धीमी है वहाँ विशेष अभियान चलाकर प्रतिदिन प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

उन्होंने पर्यवेक्षक अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए कि वे प्रतिदिन कार्यों की समीक्षा/ निरीक्षण सुनिश्चित करें। जनपदवासियों से जिलाधिकारी की अपील जिलाधिकारी ने सभी मतदाताओं से अनुरोध किया है कि SIR फॉर्म भरकर 25 नवम्बर तक अपने संबंधित बीएलओ को अवश्य जमा करें, ताकि आपकी प्रविष्टि समय से ऑनलाइन की जा सके और मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का अद्यतन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसमें सभी की सहभागिता आवश्यक है।

लापरवाही पर बीएसए सख्त

कुशीनगर (अमर भारती)। राजेंद्र नगर चिरगोड़ा प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक राजीव गुप्ता और विकासखंड विशुनपुरा के खंड शिक्षा अधिकारी जयंत भारती की पदीय लापरवाही सामने आने के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. रामजियावन मौर्य ने सख्त रुख अपनाते हुए स्टोनो सिस्टम से नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। मामला प्रकाश में तब आया जब उक्त विद्यालय की महिला शिक्षामित्र चंदा तिवारी अपनी शिकायत लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पहुंची और बीएसए डॉक्टर रामजियावन मौर्य को लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र सौंप कर अपनी पूरी बात बताई।शिकायत में बताया गया कि महिला शिक्षामित्र की उपस्थिति का सत्यापन समय पर नहीं किया गया, जिससे उसका वेतन भुगतान विलंबित हो रहा है। जांच में पाया गया कि खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा फोन पर निर्देश देने के बावजूद प्रधानाध्यापक ने आवश्यक हस्ताक्षर नहीं किए।

बीएलओ को 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पर मिला पुरस्कार

पडरौना, कुशीनगर (अमर भारती)। जिले की रामकोला विधानसभा में प्रथम तीन BLO जो 100% SIR फॉर्म डिजिटाइजेशन का कार्य समय पर पूर्ण करेंगे, उन्हें और उनके परिवार को गोरखपुर में फ्री मूवी टिकट, फ्री डिनर जैसी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही उन्हें प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा। यह सुविधा सहायक रजिस्ट्रीकरण एवं निर्वाचन अधिकारी, उप जिलाधिकारी कप्तानगंज, विनोद कुमार गुप्ता द्वारा स्वयं के खर्चे पर उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारी ने कहा कि यह पहल BLO में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और SIR फॉर्म के डिजिटाइजेशन को समय पर पूरा करने के उद्देश्य से की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार इस निर्णय से रामकोला विधानसभा के सभी BLO अपने कार्य में और सक्रिय होंगे, जिससे मतदाता सूची का 100% सटीक और समय पर अद्यतन सुनिश्चित होगा।

पद्मश्री उमाशंकर समेत 4 को मिला शंकर लाल पुरस्कार

अमर भारती ब्यूरो

महोबा। बुंदेलखंड राज्य आंदोलन के जनक शंकर लाल मेहरोत्रा की 24वीं पुण्य तिथि पर आज आल्हा चौक के आंबेडकर पार्क में आयोजित सम्मान समारोह में बांदा के पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, दिल्ली के राजन धमेरिया, हमीरपुर के विनय तिवारी व महोबा के यज्ञेश गुप्ता को सम्मानित किया गया। इस मौके पर लोकसभा में नौ बार बुंदेलखंड राज्य का मुद्दा उठाने वाले पूर्व सांसद पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल ने कहा कि उन्होंने सिर्फ संसद में नहीं, पार्टी के हर फोरम में राज्य निर्माण का मुद्दा उठाया। ये बात अलग है कि अभी तक हम सफल नहीं हो पाए।

पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने कहा कि ऐसी क्या बात है जिसकी वजह से बुंदेलखंड राज्य की 36 साल पुरानी मांग अभी तक पूरी नहीं हो पाई। बुंदेलखंड के साथ आजादी के बाद सबसे ज्यादा अन्याय हुआ है और अभी भी हो रहा है। दिल्ली के राजन धमेरिया ने कहा कि दिल्ली में हम बुंदेलों की संख्या बिहार, पंजाब के लोगों से कम नहीं है लेकिन आपसी संवादहीनता की वजह से हमारे विधायक, सांसद नहीं बन पाते। अब हम दिल्ली में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बुंदेलों को लगातार जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इस मौके पर महामंत्री अजय बरसैंया, खरेला चेयरमैन संतोष सिंह, गया प्रसाद, हरीओम निषाद, अमरचंद विश्वकर्मा, मनीष जैदका, रोहित मिश्र, दिलीप जैन, भागीरथ नगायच, महेन्द्र चौरसिया, डा. देवेन्द्र, अन्नू पुरवार समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

◆बुंदेलखंड राज्य के शांतिपूर्ण आंदोलन को गंभीरता से ले रही केन्द्र सरकारः चंदेल

न्यूज डायरी

चार निरीक्षकों का किया गया फेर बदल

महोबा (अमर भारती ब्यूरो)। जिले में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह द्वारा जिले में तैनात प्रभारी निरीक्षकों को एक बार फिर इधर से उधर किया गया है अर्जुन सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना पनवाड़ी से प्रभारी निरीक्षक थाना खन्ना बनाए गए। वीरेंद्र प्रताव सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना खन्ना से प्रभारी निरीक्षक थाना पनवाड़ी बनाए गए। निरीक्षक राधेश्याम वर्मा थाना कुलपहाड़ से प्रभारी डीसीआरबी बनाए गए। विनोद कुमार सिंह प्रभारी डीसीआरबी से प्रभारी निरीक्षक थाना कुलपहाड़ बनाए गए।

लेखपाल संघ ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

महोबा (अमर भारती ब्यूरो)। जिले के उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने प्रदेश कार्यकारणी के आवाहन पर 8 सूत्रीय मांगों को लेकर काली पट्टी बांध विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान लेखपालों ने सरकारी कार्यो का भी निर्वहन किया।लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष शिवभान ने बताया कि प्रदेश कार्यकारणी के निर्देशानुसार जनपद के सभी लेखपालों ने शांति पूर्ण तरीके से विरोध स्वरूप काली पट्टी बांध कर सरकारी कार्यों का निर्वहन कर लंबित पड़ी 8 सूत्रीय मांगे प्रारंभिक वेमनतान उच्चीकरण ग्रेट पर बेतन लेबल 5 किया जाय, पदोन्नति के पदों में वृद्धि राजस्व निरीक्षक के 1886 अतिरिक्त पदों को सृजन किया जाय,एसीपी प्रसंगति दूर की जाय, भत्तों में वृद्धि,पदनाम परिवर्तन लेखपाल पदनाम के स्थान पर राजस्व उपनिरीक्षक किया जाय, अंतरमंडलीय स्थांतरण सूची आदेश निर्गत किया जाय,पेंशन विसंगति दूर की जाय, लेखपालों के पदों में वृद्धि, कार्यालय एंव राजस्व सहायक तथा राजस्व पुलिस चौकी की ब्ययवस्था की जाय आदि की मांगो को लेकर प्रदर्शन किया गया गया है। जारी पत्र में बताया कि उत्तरप्रदेश लेखपाल संघ विगत 9 वर्षो से अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार को सैकड़ो बार पत्राचार व वार्ताओं के जरिये अवगत कराया गया पर मांगो को पूर्ण नही किया गया।

विधायक खेल स्पर्धा 29 और 30 को होगी आयोजित

महोबा (अमर भारती ब्यूरो)। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग महोबा के तत्वाधान में विधान सभा चरखारी की विधायक खेल स्पर्धा बालक/बालिका श्रेणी के समस्त वर्गों में दिनांक 29 नवंबर 2025 को एथलेटिक्स, वॉलीबाल, बैडमिन्टन एवं जूडो एवं 30 नवंबर 2025 को फुटवॉल, कबड्डी, कुश्ती एवं भारोत्तोलन की सबजूनियर, जूनियर एवं सीनियर आयु वर्ग में प्रतियोगिताओं का आयोजन मिनी स्टेडियम चरखारी में कराया जायेगा। प्रतिभागी अपना जन्मतिथि अभिलेख आधार कार्ड तथा पासपोर्ट साइज 01 रंगीन फोटो साथ अवश्य लायें एवं कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी के लिए नोडल अमर सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रा0वि0 30 अधिकारी के मो0नं0 8299607678 से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त करें।

दुर्घटना में विकलांग युवक की मौत

राजापाकड़/कुशीनगर (अमर भारती ब्यूरो)। तुर्कपट्टी -तमकुहीरोड मार्ग पर थानाक्षेत्र सेवरही अन्तर्गत बंगरा पुल से दो सौ मीटर पूरब एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से तुर्कपट्टी थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत बरवाराजापाकड़ निवासी टोला बजरिया टोला निवासी एक 32 वर्षीय विकलांग युवक दयानन्द पुत्र कमल की अज्ञात वाहन के कुचलने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर तुर्कपट्टी व सेवरही दोनो थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई जहाँ सेवरही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेंज दिया। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की देर सायं करीब आठ बजे के आसपास निवासी दयानंद पुत्र कमल बंगरापुल बाजार से सब्जी खरीदकर अपने घर लौट रहा था।दयानन्द अभी साबरी स्कूल के सामने ही पहुँचा था कि तभी पीछे से तेज गति से आ रहा वाहन उसे कुचलते हुए निकल गया। बुरी तरह से कुचल जाने के कारण दयानंद की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।मृतक दोनों पैरों से विकलांग होने के चलते बैसाखी की सहायता से चलता था।दुर्घटना के बाद मृतक की बैशाखी घटनास्थल पर टूटी हालत में मिला।दयानन्द को कुचलने वाला चालक दुर्घटना के बाद वाहन सहित फरार हो गया।घटना की सूचना मिलने पर दोनों थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई जबकि सेवरही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु भेंज दिया।थानाध्यक्ष धीरेन्द्र राय ने बताया कि घटना के सम्बन्ध में अग्रिम कार्यवाई की जा रही है।

गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस पर रहेगा अवकाश

कुशीनगर (अमर भारती ब्यूरो)। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस पर पूर्व में दिनांक 24 नवम्बर 2025 को घोषित कार्यकारी अवकाश के स्थान पर अब 25 नवम्बर 2025 (मंगलवार) को अवकाश घोषित किया गया है। शक संवत 1947 आग्रहायण 04 तथा विक्रम संवत 2082 मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी के अनुसार दिनांक 25 नवम्बर 2025 को जनपद कुशीनगर में अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि शासन के उपर्युक्त आदेशों के अनुपालन में जनपद के सभी कार्यालयों, संस्थानों एवं विभागों में यह अवकाश यथावत लागू रहेगा।

स्व. मुलायम सिंह यादव की मनी जयंती

कुशीनगर (अमर भारती ब्यूरो)। पूर्व केंद्रीयमंत्री, समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की जयंती नपाप कुशीनगर के सिसवा- महंथ चौराहे पर मनाई और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। शनिवार को आयोजित जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संतोष यदुवंशी ने कहा कि समाजवाद के पुरोधा स्व. मुलायम सिंह यादव किसान, मजदूर और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे। प्रदेश कार्य समिति सदस्य और पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि फाजिलनगर हसमुद्दीन अंसारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व.मुलायम सिंह यादव ने देश के विकास में अहम योगदान दिया।प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी 2027 में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। इसलिए मतदाता सर्वेक्षण फॉर्म जमा करने में आप सभी सहयोग करें ताकि किसी पात्र का नाम न कटे। इससे पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री यादव और प्रदेश समिति सदस्य श्री अंसारी का माल्यार्पण कर समाजवादी अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष एड उदयभान यादव, वरिष्ठ नेता केदारनाथ यादव, सचिव राम गुलाब यादव, प्रधानाचार्य संजय यादव, मुक्तिनाथ पाण्डेय आदि ने किया। इस अवसर पर पप्पू अली, विनय, राजेश सिंह, रमेश सिंह, जयराम सिंह, प्रिंस, वशिष्ट यादव, राम प्रवेश शर्मा, अवधेश प्रसाद, रामप्रीत सिंह, विवेक, शाकिर अली, राजीव प्रसाद भारती, आदि मौजूद रहे।

राहत योजना से दो लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

अमर भारती ब्यूरो

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी विद्युत बिल राहत योजना के तहत विद्युत वितरण मंडल द्वितीय आजमगढ़ के अंतर्गत आने वाले दो लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं को बकाया बिल में भारी छूट मिलेगी। योजना 1 दिसंबर 2025 से शुरू होकर तीन चरणों में पूरी होगी। अधीक्षण अभियंता विद्युत द्वितीय दिग्विजय सिंह ने बताया कि योजना के पहले चरण (1 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025) में पात्र उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत ब्याज माफी के साथ-साथ मूलधन पर 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। दूसरे चरण में मूलधन छूट 20 प्रतिशत और तीसरे चरण में केवल 15 प्रतिशत रह जाएगी।

बिजली चोरी के प्रकरणों में भी पहले चरण में राजस्व निर्धारण राशि पर अधिकतम 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। मंडल के तीनों खंडों - फूलपुर, कप्तानगंज और सठियांव में कुल पात्र उपभोक्ता 2,04,129 हैं। इन पर कुल बकाया करीब 1078 करोड़ रुपये है, जिसमें से 495 करोड़ रुपये केवल ब्याज है। जो उपभोक्ता एकमुश्त राशि जमा करने में असमर्थ हैं, उनके लिए मासिक बिल के साथ 500 या 750 रुपये की न्यूनतम किश्त में भी बकाया चुकाने का प्रावधान रखा गया है। अधीक्षण अभियंता ने सभी पात्र उपभोक्ताओं से अपील की है कि 1 दिसंबर से ही नजदीकी विद्युत केंद्र पर केवल 2000 रुपये जमा कर अपना पंजीकरण करा लें, ताकि पहले चरण का अधिकतम लाभ लिया जा सके। जागरूकता के लिए सभी अवर अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं कि ब्लॉक मुख्यालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर लगवाएं तथा ग्राम प्रधानों के साथ मिलकर लाउडस्पीकर से प्रचार करें, जिससे कोई भी पात्र उपभोक्ता इस योजना से वंचित न रह जाए।

◆योजना एक दिसंबर से शुरू होकर तीन चरणों में होगी पूरी

रैन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर हुई एक दिवसीय ट्रेनिंग

अमर भारती ब्यूरो

महोबा। यूनोप्स द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन विकासखंड सभागार कबरई में किया गया। इस प्रशिक्षण में जल सहेलियां, आशा कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, पंप ऑपरेटर, ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य सदस्य आदि ने प्रतिभाग किया।

मुख्य प्रशिक्षक जल जीवन मिशन के सेक्टर पार्टनर यूनोप्स के जिला सलाहकार मनीष तिवारी ने वर्षा जल संचयन के लिए रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, मेडबंदी, चेकडैम, आदि बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सूखा, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए वर्षा की एक एक बूंद को सहेजना होगा। जलवायु अनुकूलन खेती के तरीके अपनाते हुए, वर्षा जल संचयन, सिंचाई के नवीन तरीके, और जल की बचत कर सकेंगे। इससे पानी, पैसा और बिजली की बचत होगी। जल प्रहरी पुरस्कार से सम्मानित इटौरा सहायक विकास अधिकारी पंचायत राकेश कुमार त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर इस प्रशिक्षण का शुभारंभकिया। संगीता आंगनवाड़ी चंद्रपुरा ने कहा कि निश्चित रूप से वर्षा जल संचयन जरूरी है।

◆वर्षा जल संचयन के लिए रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, मेडबंदी और चेकडैम जरूरी: मनीष

बरसात के पानी को सहेज कर रखना है। उन्होंने अपने गांव में आंगनबाड़ी केंद्र पर बनवाए गए रेन वाटर हार्वेस्टिंग टैंक संरचना का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी सभी छतों के बरसात के पानी को सहेजा जा रहा है। बरा ग्राम प्रधान मलखान तिवारी ने बताया कि उन्होंने पंचायत भवन पर रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनवा बहुत जरूरी है। वहीं स्कूली छात्र, छात्राओं को जागरूक कर रहे है।

पंचायतराज विभाग की प्रशिक्षक अजय मिश्रा द्वारा वर्षा जल संचयन के अनुभवों और समुदाय की जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने जल के महत्व और प्राचीन समय में परंपरागत जल संचयन प्रणालियों की जानकारी दी। इस दौरान आशा कार्यकर्ता , आंगनवाड़ी, जलसहिया आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में इनामिया गो-तस्कर गिरफ्तार

आजमगढ़ (अमर भारती)। जनपद में अतरौलिया पुलिस और प्रतिबंधित पशु तस्करों के बीच शनिवार सुबह हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामिया बदमाश करीम पुत्र मकसूद अहमद घायल हो गया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लगी। मौके से उसे दबोच लिया गया जबकि उसका साथी आरिफ अंधेरे का फायदा उठाकर मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया। मुठभेड़ सुबह करीब 4ः08 बजे सुखीपुर अंडरपास के पास गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन पर हुई। थाना अतरौलिया पुलिस रात्रि चेकिंग कर रही थी। दूर से आती मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति दिखे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें करीम को गोली लगी। बदमाश के पास से एक देशी तमंचा , दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, अवैध मांस बिक्री से कमाए 3,200 रुपये बरामद किए गए। घायल करीम को तुरंत सीएचसी अतरौलिया भेजा गया है।

मुलायम सिंह की मनाई गई 86वीं जयंती

तीन बार प्रदेश के सीएम और देश के रक्षा मंत्री के रूप में किए ऐतिहासिक कार्य

अमर भारती ब्यूरो

आजमगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री व पद्मविभूषण से सम्मानित मुलायम सिंह यादव की 86वीं जयंती पार्टी कार्यालय पर उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर दृढ़ संकल्प के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष हवलदार यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव गरीबों, मजलूमों और किसानों के नेता थे, जिन्होंने आजीवन संघर्ष करते हुए तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के रक्षा मंत्री के रूप में ऐतिहासिक कार्य किए।

रक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने शहीद सैनिकों के शव को ससम्मान घर भेजने का निर्णय लेकर मिसाल पेश की। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने किसानों के हित में कई फैसले लिए–दुर्घटना बीमा योजना, दैवीय आपदा में मृतकों के परिजनों को अनुदान, कन्या विद्याधन, सिंचाई व्यवस्था और दवाइयों की मुफ्त व्यवस्था जैसी ऐतिहासिक योजनाएँ लागू कीं। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करते हुए पिछड़े व दलित वर्ग को सम्मानजनक भागीदारी दिलाने के लिए आरक्षण लागू किया।

◆गरीबों, किसानों और मजलूमों के सच्चे नेता थे स्व. मुलायम सिंह यादवः हवलदार

मंदिर-मस्जिद प्रकरण में भी उन्होंने संविधान की मर्यादा को सर्वोपरि रखते हुए कठोर निर्णय लेकर देश की गरिमा बढ़ाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हवलदार यादव ने की तथा संचालन हरिप्रसाद दुबे ने किया।

इस अवसर पर चंद्रदेव राम यादव करैली, विधायक एच. एन. सिंह पटेल, कमलाकांत राजभर, अखिलेश यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष विजय यादव, विधायक नफीस अहमद, पूर्व एमएलसी कमला प्रसाद यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख सुशील आनंद, पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लापरवाही मामले में मेडिकल हॉल सीज

आजमगढ़ (अमर भारती)। नगर पंचायत जहानागंज बाजार क्षेत्र के मुस्तफाबाद मोहल्ले में स्थित आशुतोष मेडिकल हॉल पर गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही का मामला सामने आया है। चार वर्षीय मासूम बच्ची को बुखार की शिकायत पर लगाया गया इंजेक्शन गलत तरीके से देने के कारण सुई का आधा हिस्सा बच्ची के पीछे भाग में फंस गया। मामले के तूल पकड़ने पर स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल हॉल को सील कर दिया। मुस्तफाबाद निवासी अशोक गुप्ता अपनी चार साल की पोती साबी को सोमवार को अचानक तेज बुखार आने पर आशुतोष मेडिकल हॉल ले गए थे। वहां मौजूद तथाकथित डॉक्टर ने एक नर्स से बच्ची को इंजेक्शन लगवाया। घर लौटते ही बच्ची जोर-जोर से रोने लगी और लगातार दर्द की शिकायत करने लगी। परिजनों ने इसे सामान्य समझकर घरेलू उपचार किया, लेकिन जब दर्द नहीं थमा तो गुरुवार को दोबारा मेडिकल हॉल पहुंचे और हंगामा खड़ा कर दिया। एक्स-रे कराने पर चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि बच्ची के पीछे भाग में इंजेक्शन की सुई का टूटा हुआ हिस्सा फंसा हुआ है।

सेंट पीटर्स एकेडमी में यातायात जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अमर भारती ब्यूरो

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देशन में यातायात माह नवंबर के तहत जनपद महोबा में सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज प्रभारी यातायात महोबा सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम द्वारा सेंट पीटर्स अकैडमी, महोबा में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं को सुरक्षित यातायात के महत्त्व, सड़क पर पालन किए जाने वाले आवश्यक नियमों और दुर्घटनाओं की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात हेतु शपथ दिलाई गई, यातायात जागरूकता पम्पलेट वितरित किए गए तथा स्कूल वाहनों पर यातायात जागरूकता स्टिकर्स भी लगाए गए। यातायात जागरूकता संदेश- सड़क सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। हेलमेट और सीट बेल्ट जीवन रक्षा कवच की तरह हैं, इन्हें हर यात्रा में अपनाएँ। छोटी-सी लापरवाही बड़ा हादसा बन सकती है, लेकिन एक जिम्मेदार कदम कई जीवन बचा सकता है। सुरक्षित चलें और दूसरों को भी सुरक्षित चलने के लिए प्रेरित करें।

याद किए गए पूर्व केंद्रीय मंत्री पं. राजमंगल

अमर भारती ब्यूरो

कुशीनगर। पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प.राजमंगल पांडेय की 32 वीं पुण्य तिथि पर लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जनप्रतिनिधियों ने स्व.पांडेय के व्यक्तित्व व कृतित्व को अनुकरणीय बताया व जनता की भलाई के लिए उनके दिखाए रास्तों पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

शनिवार को सपहा स्थित मिलेनियम इंटरनेशनल स्कूल परिसर में स्व.पांडेय के पुत्र पूर्व सांसद राजेश पांडेय की अगुआई में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि स्व.पांडेय का व्यक्तित्व विराट था। वह वचन के धनी थे, जो कहा वह किया। राजनीति में रहते हुए उन्होंने जीवन पर्यंत शुचिता, मर्यादा व मूल्यों का पालन किया। उनके दिखाए रास्तों पर चलना सच्ची श्रद्धांजलि होगी। स्थानीय विधायक पी एन पाठक ने कहा की स्व.पांडेय ने हजारों की संख्या में लोगों को रोजगार देने का कार्य किया। मूल

देवरिया जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संसाधनों की स्थापना में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। फाजिलनगर के विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा, हाटा के विधायक मोहन वर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व सांसद ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता लल्लन मिश्र, जिला उपाध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह, गन्ना समिति के अध्यक्ष सतीश मणि त्रिपाठी, पूर्व एडीजीसी प्रभुनाथ मिश्र व अभय त्रिपाठी , पत्रकार विनयकांत मिश्र, कविंद्र पांडेय, विशाल गुप्ता, अमरचंद जायसवाल,ज्ञानी जायसवाल, पुनीत पांडेय , प्रवीण पांडेय, सोनू दुबे, मंटू मिश्रा समेत अनेक लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।

पुण्यतिथि पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

कुशीनगर (अमर भारती)। पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्व.राज मंगल पांडेय की 32 वीं पुण्यतिथि उनके कसया के रामजानकी नगर स्थित राजभवन में मनाई गयी। इस दौरान उनकी चित्र पर उनकी धर्मपत्नी रमा राज पाण्डेय सहित अतिथियों ने माल्यार्पण कर स्व. पाण्डेय को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. पांडेय के चित्र पर उनकी पत्नी श्रीमती पाण्डेय और विशिष्ट जनों ने माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित कर नमन किया। पूर्व पीसीसी सदस्य नागेंद्र शुक्ला, पंचानंद मिश्रा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविन्द्र उर्फ राधे विश्वकर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष तारा देवी, जिलाध्यक्ष वृंदा प्रजापति, एड. एड बद्री नारायण दूबे, जितेंद्र पटेल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष सपा वाजिद अली, पूर्व प्रमुख बैतालपुर शैलेश मणि, एड. उदयभान यादव, पवन कुमार पांडेय, सुयश मणि त्रिपाठी, ओम प्रकाश जायसवाल, सीमा भारती, आदि ने स्व. पांडेय के चित्र पर पुष्पार्चन किया।

पुलिस को मिली सूचना निकली झूठ

अवैध असलहे की फैक्ट्री का बहू ने लगाया था आरोप

अमर भारती ब्यूरो

आजमगढ़। जनपद के थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला लच्छिरामपुर में कथित तौर पर चल रही अवैध असलहा फैक्ट्री की सूचना पूरी तरह निराधार और झूठी पाई गई है। न्यायालय के आदेश पर पत्नी रागिनी सिंह को ससुराल में प्रवेश दिलाने पहुंची पुलिस व जिला प्रोबेशन अधिकारी की टीम के सामने महिला ने अवैध हथियार बनाने का आरोप लगाया था, जिसके आधार पर मुकदमा भी दर्ज हुआ, लेकिन गठित पुलिस टीम की सघन जांच-पड़ताल में कोई भी असलहा, अर्द्ध-निर्मित हथियार या हथियार बनाने का उपकरण बरामद नहीं हुआ। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे मकान की तलाशी ली।

जांच के दौरान केवल निर्माणाधीन बाथरूम और मकान से संबंधित सामान मिला, जिसमें ड्रिल मशीन, कटर मशीन, हथौड़ी, रिंच, लोहे की आरी, प्लास, चुड़ी बनाने की मशीन, रेती और कटी हुई पाइप आदि शामिल है। पुलिस के अनुसार ये सभी सामान सामान्य प्लम्बिंग, इलेक्ट्रिक और मकान निर्माण के काम आते हैं।

◆पुलिस टीम की सघन जांच-पड़ताल में कोई भी असलहा, अर्द्ध-निर्मित हथियार या हथियार बनाने का उपकरण नहीं हुआ बरामद

स्थानीय लोगों ने भी बताया कि उक्त मकान में सिर्फ 65 वर्षीय पार्वती देवी रहती हैं, कोई किरायेदार या फैक्ट्री नहीं चल रही है।

पुलिस की प्रारंभिक पड़ताल से पता चला है कि रागिनी सिंह और उनके पति कुंवर सत्येंद्र प्रताप सिंह के बीच लंबे समय से वैवाहिक विवाद चल रहा है। न्यायिक मजिस्ट्रेट (FTC महिला) ने 15 सितंबर 2025 को रागिनी सिंह को पति के घर में रहने का आदेश दिया था। आदेश के अनुपालन में जब 21 नवंबर को पुलिस और DPO टीम उन्हें घर में प्रवेश कराने पहुंची तो परिवार के सदस्यों ने विरोध किया और गाली-गलौज की। इसी दौरान रागिनी सिंह ने घरेलू सामान का वीडियो बनाकर उसे अवैध असलहा फैक्ट्री बताकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसकी पुलिस जांच में कोई पुष्टि नहीं हुई।

घटना के संबंध में थाना कोतवाली में पांच लोग नामजद अभियुक्त हैं, जिनमें सत्येंद्र प्रताप सिंह, विक्रम सूर्यवंश सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, पार्वती सिंह और वनिशा सिंह (निशा) शामिल हैं। इनमें से अधिकांश अभियुक्तों का पहले से दहेज प्रताड़ना, मारपीट और अन्य आपराधिक मामलों में इतिहास रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह पूरा प्रकरण पारिवारिक विवाद का हिस्सा है और अवैध असलहा फैक्ट्री का आरोप जानबूझकर लगाया गया ताकि परिवार को बदनाम किया जा सके। मामले की आगे की जांच जारी है।

अमर भारती में प्रकाशित समाचार, विचार, लेख अथवा विज्ञापन से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.com पर प्रेषित करें अथवा 9311222595 पर व्हाट्सएप करें।

अब घुसपैठियों पर होगी कार्रवाई: योगी

सभी डीएम को जारी हुए सख्त निर्देश

अमर भारती संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में घुसपैठ और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों (डीएम) को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि जिले में मौजूद सभी घुसपैठियों की तुरंत पहचान की जाए और उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाए। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि घुसपैठियों को रखने के लिए हर जिले में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाए जाएँ, जहाँ उन्हें कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक रखा जाएगा। इसके बाद उन्हें उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों के साथ हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि उत्तर प्रदेश की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन विदेशी नागरिकों की वीज़ा अवधि समाप्त हो चुकी है, या जो फर्जी दस्तावेजों के सहारे प्रदेश में प्रवेश करके रह रहे हैं, उनके खिलाफ ÷जीरो टॉलरेंस÷ की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि घुसपैठ केवल एक कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। सरकार के इस कठोर रुख के बाद प्रदेश के सभी जिलों में प्रशासन हरकत में आ गया है। डीएम और एसपी स्तर पर संयुक्त टीमों का गठन किया जा रहा है, जो अपने-अपने जिलों में ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने में जुटेंगी जो संदिग्ध रूप से रह रहे हैं, फर्जी पहचान पत्र बनवा चुके हैं या जिनकी गतिविधियाँ संदिग्ध हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पहचान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और स्थानीय स्तर पर पुलिस, खुफिया विभाग सहित राजस्व टीमों के बीच लगातार तालमेल रखा जाए। योगी सरकार द्वारा बनाए जाने वाले अस्थायी डिटेंशन सेंटर इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी माने जा रहे हैं। इन सेंटरों में उन घुसपैठियों को रखा जाएगा जो अवैध रूप से प्रदेश में ठहरे हुए हैं ताकि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया और दस्तावेज सत्यापन पूरा होने तक सुरक्षित निगरानी में रखा जा सके। सरकार ने स्पष्ट किया है कि डिटेंशन सेंटर किसी दंडात्मक स्थान की तरह नहीं होंगे, लेकिन यहाँ सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मजबूत रखी जाएगी। सेंटरों में बायोमेट्रिक रिकॉर्डिंग, निगरानी कैमरे और स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि ऐसे सभी मामलों में मानक प्रक्रिया (स्ब्क्क) का पूरी तरह पालन किया जाए। फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय पहचान प्राप्त करने की घटनाओं पर भी विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। जहाँ कहीं भी अवैध रूप से बनाए गए राशन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज पाए जाएँ, उन्हें तुरंत निरस्त करते हुए संबंधित कर्मचारियों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

योगी सरकार का यह कदम अवैध प्रवासियों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सुरक्षा व्यवस्था को और सशक्त करने की दिशा में प्रयास माना जा रहा है। कई जिलों से ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं कि घुसपैठिए स्थानीय पहचान बनाकर अपराध, तस्करी, जालसाजी और संगठित गिरोहों से जुड़े मामलों में शामिल पाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे तत्व न केवल प्रदेश की सुरक्षा के लिए बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं। इसलिए प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे किसी भी विदेशी नागरिक को रियायत नहीं दी जाएगी।

सरकार की इस नई नीति के बाद प्रदेश में एक बड़ा सत्यापन अभियान चलने की उम्मीद है। जिलों में पुलिस और प्रशासनिक टीमों को हॉटस्पॉट क्षेत्रों की लिस्ट तैयार करने को कहा गया है, जहाँ विदेशी नागरिकों की संख्या अधिक पाई गई है। इसके साथ ही किरायेदार सत्यापन को और सख्त करने पर भी बल दिया गया है। मकान मालिकों को चेतावनी दी गई है कि वे बिना पहचान सत्यापन के किसी भी विदेशी नागरिक को किराये पर न रखें, अन्यथा उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था बड़ी मेहनत से मजबूत की गई है, और किसी भी कीमत पर इसे कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देशहित को सर्वोपरि रखती है और घुसपैठ किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। आने वाले दिनों में इस अभियान को और तेज किया जाएगा तथा सभी जिलों से साप्ताहिक रिपोर्ट लेने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। प्रदेश सरकार के इन सख्त निर्देशों के बाद यह साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश अब अवैध घुसपैठियों को लेकर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगा और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

एक दिसंबर से लागू हो रही बिजली बिल राहत योजना

बकायेदारों को बड़ी राहत

लखनऊ (अमर भारती)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के लाखों बिजली उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देने के उद्देश्य से बिजली बिल राहत योजना-2025 को मंजूरी दे दी है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि यह विशेष अभियान 1 दिसंबर 2025 से शुरू होकर अगले तीन महीनों तक तीन चरणों में चलेगा। सरकार का मानना है कि योजना से उन उपभोक्ताओं को विशेष राहत मिलेगी जो लंबे समय से आर्थिक तंगी के चलते अपने बिजली बिल चुकाने में असमर्थ रहे हैं। ऊर्जा मंत्री ने जानकारी दी कि योजना के अंतर्गत लेट पेमेंट सरचार्ज (स्फ्र) पर 100 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इससे उपभोक्ताओं पर वर्षों से बढ़ते आ रहे जुर्माने जैसे भारी बोझ से तत्काल राहत मिलेगी। इसके अलावा, मूल धन यानी प्रिंसिपल अमाउंट में भी 25 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध होगी, जो उपभोक्ताओं के लिए बड़ा फ़ायदा है। सरकार का अनुमान है कि इस कदम से लाखों घरों, दुकानों, छोटे उद्योगों और किसानों को राहत मिलेगी। योजना के तहत बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं के बकाया बिल और चालू बिल को अलग करने का निर्णय लिया है। इसका अर्थ यह है कि उपभोक्ता अब अपना वर्तमान बिल नियमित तौर पर भरते रहेंगे, जबकि पुराना बकाया–जो कई उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त भरना मुश्किल था–अब आसान किश्तों में जमा किया जा सकेगा। इस प्रावधान को लागू करने का उद्देश्य उपभोक्ताओं पर तत्काल आर्थिक दबाव कम करना और उन्हें नियमित भुगतान की श्रेणी में वापसी का अवसर देना है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि सरकार चाहती है कि बकाया बिलों का निपटारा एक सकारात्मक वातावरण में हो। बिजली विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशान न करें और उन्हें राहत योजना के लाभ आसानी से उपलब्ध कराएं।

यूपीएसटीडीसी ने लॉन्च किए विशेष टूर पैकेज: जयवीर

अमर भारती संवाददाता

लखनऊ। उउत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ 23 से 29 नवंबर 2025 तक आयोजित होने जा रही 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का भव्य मेजबान बनने जा रही है। देश-विदेश से आने वाले 35,000 से अधिक स्काउट्स और गाइड्स के स्वागत की तैयारियों के बीच, उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने प्रतिभागियों के लिए दो विशेष पर्यटन पैकेज–'लखनऊ दर्शन' और 'अयोध्या दर्शन'–जारी किए हैं। ये पैकेज न केवल प्रतिभागियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराएंगे, बल्कि उन्हें उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान से नजदीक से परिचित होने का अवसर भी देंगे। मंत्री ने बताया कि जम्बूरी के लिए बनाए गए 300 एकड़ में फैले भव्य टेंट सिटी में ठहरने वाले प्रतिभागियों के लिए तैयार किए गए ये पैकेज युवाओं को ज्ञानवर्धक, रोचक और यादगार यात्रा अनुभव देने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं। हमारा संकल्प है कि उत्तर प्रदेश आने वाले हर युवा प्रतिनिधि को ऐसा अनुभव मिले, जो जीवनभर उनकी स्मृतियों में दर्ज रहे, मंत्री ने कहा। उन्होंने बताया कि जम्बूरी में शामिल छात्र, देश-विदेश के प्रतिनिधि और स्काउट्स-गाइड्स इन टूर के माध्यम से उत्तर प्रदेश की अनूठी विरासत को नजदीक से जान सकेंगे। यूपीएसटीडीसी द्वारा तैयार पहला पैकेज 'लखनऊ दर्शन' नवाबी तहज़ीब, गंगा-जमुनी संस्कृति, स्थापत्य कला और शिल्पकला से भरपूर है। प्रतिभागियों को शहर की प्राचीन विरासत रेजीडेंसी, विशालकाय संरचना बड़ा इमामबाड़ा, ऐतिहासिक भूल भुलैया, रूमी दरवाज़ा, छोटा इमामबाड़ा, पिक्चर गैलरी और चौक बाजार का भ्रमण कराया जाएगा। चौक क्षेत्र में प्रतिभागी विश्व प्रसिद्ध चिकनकारी और जरदोजी की कला को प्रत्यक्ष रूप से देख सकेंगे, जो लखनऊ की कला पहचान का अभिन्न हिस्सा है।

इस पैकेज में आरामदायक परिवहन, स्थानीय प्रशिक्षित गाइड, पानी की बोतल, हल्का नाश्ता और सुरक्षित मूवमेंट की व्यवस्था की गई है। प्रतिभागियों से इसके लिए मात्र 500 रुपये का रियायती शुल्क लिया जाएगा। यात्रा सुबह 09:00 बजे जम्बूरी ग्राउंड से शुरू होकर दोपहर 02:30 बजे तक समाप्त हो जाएगी, ताकि प्रतिभागी अपने शेड्यूल के अनुसार वापस कैंप में अन्य गतिविधियों में सम्मिलित हो सकें। दूसरा पैकेज 'अयोध्या दर्शन' एक दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा है, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को अयोध्या की आस्था, विरासत और आध्यात्मिक वैभव का सजीव अनुभव कराया जाएगा। इस पैकेज में हनुमानगढ़ी, श्री राम जन्मभूमि मंदिर, कनक भवन, सरयू रिवर फ्रंट (राम की पैड़ी) और नागेश्वरनाथ मंदिर का भ्रमण शामिल है। यात्रा में शामिल प्रतिभागियों के लिए लंच, पानी, प्रशिक्षित स्थानीय गाइड, रिफ्रेशमेंट और सुरक्षित परिवहन की संपूर्ण व्यवस्था की गई है।

अधिक रजिस्ट्रियों वाले स्थानों पर अब बढ़ेगी औचक निरीक्षणों की संख्या: रवींद्र

लखनऊ (अमर भारती)। उत्तर प्रदेश सरकार ने संपत्ति रजिस्ट्री प्रक्रिया में पारदर्शिता और त्रुटि-रहित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश के स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि प्रदेश भर में उन सभी स्थानों पर, जहां संपत्ति रजिस्ट्रियों की संख्या अधिक दर्ज की जा रही है, अब औचक स्थलीय निरीक्षणों की संख्या में वृद्धि की जाएगी। यह निर्णय हाल ही में धार्मिक और पर्यटन महत्व वाले क्षेत्रों में हुए भूमि सौदों की जांच के संदर्भ में व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए लिया गया है। मंत्री ने कहा कि सरकार हर स्तर पर पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और विभाग इसी उद्देश्य से निरंतर सुधार कर रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व व्यवस्था के अनुसार सभी जिलों में उप-निबंधक द्वारा 50, एडीएम द्वारा 25 तथा जिलाधिकारी द्वारा 5 औचक निरीक्षण किए जाने का प्रावधान था। नई व्यवस्था में उन स्थानों पर विशेष

♦ त्रुटि रहित निगरानी पर विशेष जोर

फोकस किया जाएगा जहां रजिस्ट्री की संख्या में अचानक वृद्धि हुई है। इससे विभागीय कार्यों की निगरानी अधिक प्रभावी होगी और संभावित अनियमितताओं को शुरुआती चरण में ही रोका जा सकेगा। जायसवाल ने कहा कि निरीक्षणों की संख्या बढ़ाने का प्रमुख उद्देश्य अधिक रजिस्ट्री वाले स्थानों पर विभागीय कार्यप्रणाली की त्रुटि-रहित निगरानी सुनिश्चित करना है। यह कदम संपत्ति क्रय-विक्रय में होने वाली संभावित धोखाधड़ी और राजस्व हानि को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे आम जनता के हितों की रक्षा हो सकेगी।

दिव्यांगजन स्वास्थ्य देख-रेख पर संवेदीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

अमर भारती संवाददाता

लखनऊ। राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय के सभागार में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 की धारा-25 के अंतर्गत स्वास्थ्य देख-रेख और सर्टिफिकेशन से संबंधित संवेदीकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में दिव्यांगजनों को उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी, तकनीक-आधारित, सरल तथा सुलभ बनाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूतपूर्व आईएएस अधिकारी एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम केवल कानूनी ढांचा नहीं, बल्कि अधिकार-आधारित न्याय और सामाजिक समावेशन का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए इसकी सभी प्रक्रियाओं को नागरिक-अनुकूल, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना अत्यंत आवश्यक है। अवस्थी ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म, एकीकृत मूल्यांकन प्रणाली, समयबद्ध

♦ तकनीक आधारित सेवाओं को सुदृढ़ करने पर बल

प्रमाणन और सुगम चिकित्सा प्रक्रियाएँ दिव्यांगजन कल्याण के महत्वपूर्ण आधार बन सकती हैं। उन्होंने जोर दिया कि चिकित्सा अधिकारियों, जिलास्तरीय प्रशासन और विभागीय कर्मियों के बीच समन्वय मजबूत होने से दिव्यांगता मूल्यांकन में होने वाली देरी, भ्रम और असमानताओं को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार दिव्यांगता प्रमाणन व सेवाओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है, और स्वास्थ्य विभाग को इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञों ने दिव्यांगता मूल्यांकन, स्वास्थ्य व्यवस्था, मनोवैज्ञानिक पहलुओं और कानूनी प्रावधानों पर विस्तृत व्याख्यान दिए। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता राहुल बजाज ने दिव्यांगता मूल्यांकन के अद्यतन मानकों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एकरूपता, पारदर्शिता और त्वरित प्रक्रिया दिव्यांग व्यक्तियों के न्यायपूर्ण अधिकार का हिस्सा हैं। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि सभी मेडिकल बोर्डों को नवीनतम दिशा-निर्देशों, डिजिटल दस्तावेज़ीकरण और यूडीआईडी प्लेटफॉर्म के उपयोग में दक्ष बनाया जाए।

लखनऊ विवि में मनाई गई पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष की 34वीं पुण्यतिथि

लखनऊ (अमर भारती)। लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह 'ज्ञानू' की 34वीं पुण्यतिथि आज विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्रसंघ भवन के सामने लगी उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में पढ़े वरिष्ठ पूर्व छात्र, छात्रनेता, विधायक, मंत्री, पूर्व पदाधिकारी और छात्रावास के अंतःवासी बड़ी संख्या में एकत्र हुए। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन पूर्व महामंत्री अनिल सिंह बीरू ने किया तथा संचालन वरिष्ठ छात्रनेता एवं कांग्रेस प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने किया। कार्यक्रम में छात्रों के प्रिय वरिष्ठ नेता और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष (1956) अमीर हैदर, पूर्व विधायक एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष (केकेसी) श्याम किशोर शुक्ला, राज्य सूचना आयुक्त मो. नदीम, पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह, पूर्व एमएलसी राकेश सिंह, प्रो. नीरज जैन (पूर्व अध्यक्ष रुड्ढ), पूर्व अध्यक्ष प्रमोद तिवारी, पूर्व अध्यक्ष अमरपाल सिंह, वरिष्ठ छात्रनेता फरीद मिर्जा सहित बड़ी संख्या में पूर्व पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने स्वर्गीय ज्ञानू के संघर्षपूर्ण जीवन को याद करते हुए उन्हें छात्रहितों का सच्चा प्रहरी बताया। वक्ताओं ने कहा कि ज्ञानू ने अपना संपूर्ण जीवन छात्रहितों की लड़ाई में समर्पित किया और उनके विचार आज भी छात्र राजनीति को प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में चचा अमीर हैदर ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि ÷90 वर्ष की उम्र में भी मैं अपने आप को छात्र मानता हूं। ज्ञानू मेरे छोटे भाई की तरह थे। उनकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि 34 साल बाद भी सैकड़ों लोग उन्हें याद करने यहां आए हैं। राज्य सूचना आयुक्त मो. नदीम ने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि ज्ञानू सदैव छात्रों के हक़ के लिए संघर्षरत रहे। उनका जीवन प्रेरणा देता है कि छात्रहित सर्वोपरि है।

पुलिस ने आत्म-सुरक्षा और साइबर जागरूकता का दिया संदेश

अमर भारती संवाददाता

लखनऊ/मलिहाबाद। मिशन शक्ति 5.0 के तहत थाना मलिहाबाद की पुलिस टीम ने ग्राम कसमंडी खुर्द स्थित जूनियर स्कूल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हुए बालक-बालिकाओं को आत्म-सुरक्षा, महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों की जानकारी देकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार करना था, जिनमें जागरूकता और त्वरित निर्णय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। पुलिस टीम ने सबसे पहले आत्म-सुरक्षा के मूलभूत गुर छात्रों को समझाए। अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि खतरे की किसी भी स्थिति में घबराना नहीं चाहिए, बल्कि साहस और समझदारी से काम लेते हुए तुरंत शोर मचाना, सुरक्षित स्थान की ओर बढ़ना और भरोसेमंद व्यक्ति को जानकारी देना सबसे पहला कदम होता है। विशेषकर बालिकाओं को सरल तकनीकें और कार्यात्मक उपाय सिखाए गए, जिनसे वे जरूरत पड़ने

पर स्वयं को सुरक्षित रख सकें।

इसके साथ ही पुलिस ने छात्रों को यह भी बताया कि वर्तमान समय में सड़क सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। यातायात माह के अवसर पर बालक-बालिकाओं को ट्रैफिक रूल्स, हेलमेट और सीटबेल्ट के महत्व, सड़क पार करने के नियम, ओवरस्पीडिंग के खतरे, तथा मोबाइल पर बात करते हुए सड़क पार करने से होने वाले जोखिमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बच्चों से अपील की कि वे स्वयं भी इन नियमों का पालन करें और अपने परिवारजनों को भी इसका पालन करने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रहा–महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और बढ़ते साइबर अपराधों की जानकारी। अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि सोशल मीडिया और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधियों की गतिविधियाँ भी बढ़ रही हैं। पुलिस टीम ने सरल भाषा में बच्चों को यह समझाया कि अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करना, व्यक्तिगत फोटो-वीडियो साझा न करना, किसी भी तरह का संदेश या लिंक खोलने से पहले उसकी सत्यता जांचना, और किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धमकी या ब्लैकमेलिंग की सूचना तुरंत परिवार व पुलिस को देना क्यों आवश्यक है। महिला सुरक्षा से जुड़े अपराधों–जैसे छेड़छाड़, पीछा करना, गलत स्पर्श, और ऑनलाइन उत्पीड़न–की बारीकियों को भी बच्चों को समझाया गया। पुलिस ने विशेष रूप से बालिकाओं से कहा कि किसी भी प्रकार की असहज या गलत स्थिति को नज़रअंदाज़ न करें और तुरंत सहायता मांगें। पुलिस टीम ने उन्हें 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 1098 बाल हेल्पलाइन सहित अन्य महत्वपूर्ण नंबर भी याद रखने को कहा। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने उत्साह के साथ प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने धैर्यपूर्वक समाधान करते हुए उन्हें सही मार्गदर्शन दिया। अंत में पुलिस टीम ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य केवल सुरक्षा देना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, विश्वास और आत्मनिर्भरता का वातावरण बनाना है।

अखिलेश का चुनाव आयोग पर निशाना बीजेपी सरकार पर लगाएं आरोप

लखनऊ (अमर भारती)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज अपनी प्रेस वार्ता में चुनाव आयोग, बीजेपी सरकार और प्रशासनिक तैयारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए। वार्ता के दौरान उन्होंने सैफई में बन रहे नेताजी मुलायम सिंह यादव के भव्य मेमोरियल के उद्घाटन की तारीख का भी ऐलान किया। अखिलेश यादव ने कहा कि सैफई में नेताजी मुलायम सिंह यादव के मेमोरियल का उद्घाटन 22 नवंबर 2026 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह स्मारक समाजवादी आंदोलन की भावनाओं, मूल्यों और नेताजी के ऐतिहासिक योगदान का प्रतीक होगा। उन्होंने याद दिलाया कि नेताजी ने लखनऊ में राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी की स्थापना कराई थी और आज उसी यूनिवर्सिटी के टॉपर को लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया है। प्रेस वार्ता का सबसे तीखा हिस्सा चुनाव आयोग और

♦ अखिलेश यादव की प्रेस वार्ता में तीखे तेवर

बीजेपी पर लगाए गए आरोप रहे। अखिलेश यादव ने दावा किया कि यूपी और पश्चिम बंगाल की हर विधानसभा में मतदाता सूची से 50 हजार वोट काटने की तैयारी की जा रही है। उनका कहना था कि बीएलओ पर अनुचित दबाव बनाया जा रहा है जबकि बीएलओ स्वयं परेशान हैं। अखिलेश ने चुनाव आयोग के उस दावे पर सवाल उठाए जिसमें कहा गया है कि उसने 99.48त्न फॉर्म बांट दिए हैं। उन्होंने इसे पूरी तरह फर्जी करार दिया और कहा कि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलटी है।

नई श्रम संहिता लागू होने से श्रमिकों को मिलेगा लाभ

अमर भारती संवाददाता

लखनऊ। देश में श्रमिक कल्याण को सुदृढ़ करने और औद्योगिक इकाइयों के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारत सरकार ने 29 पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर उनकी जगह 04 नई श्रम संहिताएं लागू कर दी हैं। ये संहिताएँ–मजदूरी संहिता-2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020, औद्योगिक संबंध संहिता-2020 और व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएँ संहिता-2020–21 नवम्बर 2025 से प्रभावी हो गई हैं। नई संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों के हितों की रक्षा करते हुए औद्योगिक माहौल को अधिक पारदर्शी, सरल और विकासोन्मुख बनाना है। नई संहिताओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि अब सभी श्रमिकों को न्यूनतम एवं समय पर वेतन सुनिश्चित किया जाएगा। पहली बार देश में फ्लोर वेज व्यवस्था लागू की गई है, जिससे राज्यों में मजदूरी के असमान अंतर में कमी आएगी। ओवरटाइम नियमों को भी सख्ती से लागू करते हुए यह

♦ सरकार ने 29 पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर उनकी जगह चार नई श्रम संहिताएं की लागू

प्रावधान किया गया है कि श्रमिकों को ओवरटाइम के बदले दुगुना भुगतान मिलेगा। साथ ही सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना अनिवार्य कर दिया गया है। महिला श्रमिकों के लिए नई संहिताएँ अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगी। अब महिलाओं को रात्रि पाली (नाइट शिफ्ट) में कार्य करने की अनुमति होगी, लेकिन सुरक्षा के सख्त नियमों के साथ। इसके साथ ही 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश, स्तनपान कक्ष (क्रेच सुविधा), स्वास्थ्य बीमा लाभ और कार्यस्थल पर सुरक्षा के अतिरिक्त उपायों को भी अनिवार्य बनाया गया है, ताकि महिलाएँ सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में कार्य कर सकें। फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को भी बड़ी राहत दी गई है। अब एक वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर वे ग्रेच्युटी के हकदार होंगे, जो पहले केवल स्थायी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध था। सभी श्रमिकों को चिकित्सा सुविधाओं के साथ छुट्टियों का अधिकार भी सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा, 40 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य होगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता और स्वास्थ्य सुरक्षा में सुधार होगा। सबसे प्रभावी परिवर्तन गैर-संगठित क्षेत्र के लिए किया गया है।

देश के लगभग 40 करोड़ गैर-संगठित श्रमिक, जिनमें गिग वर्कर्स, प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स, डिलीवरी पार्टनर्स और कैब ड्राइवर्स भी शामिल हैं, अब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आएंगे। नई संहिताओं के माध्यम से उन्हें पीएफ, ईएसआईसी, बीमा एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। सेवायोजकों यानी उद्योगों और कंपनियों के लिए भी नई संहिताएँ बड़ी राहत लेकर आई हैं।

ठण्डी पछुआ हवाओं के लौटने से यूपी में बढ़ेगी सर्दी

तापमान 2-4°C तक गिरने के आसार

अमर भारती संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से महसूस हो रही हल्की गर्माहट अब थमती दिख रही है और मौसम एक बार फिर ठंड की तरफ तेजी से मुड़ रहा है। प्रदेश में कोई सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ या वर्षा कराने वाला मौसम तंत्र मौजूद नहीं है, लेकिन हवा के रुख में आ रहे बदलाव ने अगले एक सप्ताह के मौसम को पूरी तरह प्रभावित करने के संकेत दे दिए हैं। पिछले कुछ दिनों में हवा के प्रवाह में अस्थिरता के कारण तापमान में थोड़ी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई थी, लेकिन अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं और मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार सतही स्तर पर पश्चिमी हिमालयीय क्षेत्रों से आने वाली ठण्डी तथा शुष्क पछुआ/उत्तरी-पश्चिमी हवाएँ एक बार फिर उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रही हैं। यही हवाएँ आने वाले दिनों में प्रदेश के तापमान को तेजी से नीचे ले जाएँगी।

मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह में अधिकतर जिलों में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज होने की प्रबल संभावना है। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी और अत्यधिक ठंडी हवा का प्रभाव मैदानी इलाकों तक पहुँचने से सुबह और रात की ठिठुरन बढ़ जाएगी। लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, मेरठ, बरेली, गोरखपुर, मुरादाबाद तथा बुंदेलखंड क्षेत्र में यह गिरावट सबसे अधिक देखने को मिल सकती है। प्रदेश के मौसम पर पहाड़ों से आने वाली शुष्क हवाओं का प्रभाव साफ तौर पर महसूस होगा, जिसके चलते नमी कम होगी और आसमान अधिकतर साफ बना रहेगा। यही कारण है कि रात के तापमान में तेजी से गिरावट आएगी और ठंड सामान्य से अधिक महसूस होगी। हवा के इस बदलाव का असर धुंध और कोहरे पर भी पड़ेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार सुबह और भोर के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाने की संभावना है, विशेषकर गंगा के मैदानी जिलों में दृश्यता 200 से 600 मीटर तक सीमित हो सकती है। हालांकि राहत की बात यह है कि यह कोहरा बहुत ज्यादा घना नहीं होगा और दिन चढ़ने के साथ तेज़ी से छंट भी जाएगा। लेकिन सुबह के समय यात्रा करने वाले लोगों और खासकर हाईवे पर चलने वाले वाहनों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। हवा के इस बदलाव के पीछे का वैज्ञानिक कारण भी साफ है। हिमालय क्षेत्र में तापमान शून्य से काफी नीचे पहुँच चुका है, जिस कारण वहाँ की अत्यधिक ठंडी और शुष्क हवा दक्षिण की ओर बहने लगी है। पछुआ हवाएँ नमी को कम करती हैं, जिससे वातावरण शुष्क हो जाता है और ठंड की तीव्रता बढ़ जाती है। साफ आसमान रात में धरातल की गर्मी को तेजी से अंतरिक्ष में भेज देता है, जिससे तापमान और तेजी से नीचे गिरता है। यही वजह है कि आने वाले दिनों में रातें अधिक ठंडी होंगी और सुबह के समय ठिठुरन स्पष्ट रूप से महसूस होगी। प्रदेश के पश्चिमी और मध्य हिस्सों–जैसे मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, लखीमपुर, शाहजहाँपुर तथा आसपास के जिलों–में तापमान में अधिक गिरावट के संकेत हैं, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में ठंड धीरे-धीरे बढ़ेगी लेकिन सप्ताह के अंत तक वहाँ भी ठंड का असर स्पष्ट रूप से दिखने लगेगा। किसानों के लिए भी यह मौसम महत्वपूर्ण रहेगा क्योंकि सुबह की भारी ओस फसलों को प्रभावित कर सकती है। इसलिए खेतों में रात के तापमान के आधार पर सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य संबंधी चुनौती भी इस मौसम में बढ़ सकती है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी रोगियों को ठंड से विशेष रूप से बचाव की जरूरत है। साथ ही हीटर या अंगीठी के उपयोग में सुरक्षा सावधानियाँ अनिवार्य बताई गई हैं। यात्रा करने वाले लोगों को सुबह के समय कोहरे में वाहन धीमी गति से चलाने और हेडलाइट लो-बीन पर रखने की सलाह दी गई है।

कुल मिलाकर अगले सात दिनों में उत्तर प्रदेश में सर्दी का दूसरा बड़ा दौर शुरू होने वाला है। पछुआ हवाओं के सक्रिय होने से ठंड के साथ कोहरे की स्थिति भी बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि नवंबर के अंतिम सप्ताह से दिसंबर के पहले सप्ताह तक प्रदेश में सर्दी अपना प्रभाव और तेज करेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक शैलेन्द्र कुमार जैन द्वारा 406-बी, कसमण्डा रीजेंट अपार्टमेन्ट, पार्क रोड, लखनऊ-226001 (उ0प्र0) से प्रकाशित एवं सरस्वती प्रिन्टर्स, वाटरवर्क्स रोड, ऐशबाग, लखनऊ (उ0प्र0) से मुद्रित। RNI NO. UPHIN/2011/46455 स पादकः शैलेन्द्र कुमार जैन, सभी विवादों के न्यायक्षेत्र लखनऊ न्यायालय होंगे। सम्पर्क -7835064303, 7835064305, 8707876755 E-mail:editor@amarbharti.com, Lucknow@amarbhati.com (इसमें छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं, संपादक का इन लेखकों के विचारों से सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)